পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 186 | गुवाहाटी | रविवार, 4 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनआईए ने सीमा पार गोला-बारूद विस्फोटक रैकेट का किया भंडाफोड़ पेज 3
खेल के प्रति सरकार की भावना मैदान पर खिलाड़ियों की भावना के... पेज 4
उप्र बजट सत्र : विधायकों के निधन पर शोक प्रस्ताव, विधान सभा 5 फरवरी... पेज 5
मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाइए भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : योगी पेज 8

भाजपा के भीष्म पितामह लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न

प्रधानमंत्री मोदी ने किया एलान

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि %मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर हमारे उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं। बता दें कि, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने की मांग को लेकर भाजपा नेता डी. एच. शंकरमूर्ति ने पीएम मोदी को पत्र लिखा था कि जिसमें उन्होंने लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करने का अनुरोध किया था। शंकरमूर्ति ने कहा था कि आप जानते हैं लाल कृष्ण आडवाणी सात दशकों से सार्वजनिक जीवन में हैं। आरएसएस, भारतीय जन संघ और भाजपा के जरिए मातृभूमि के लिए उनकी सेवा, त्याग, और योगदान अभूतपूर्व है। उनकी छवि स्वच्छ और ईमानदार है। उन्होंने कहा थाकि मैं हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं की तरफ से अनुरोध करता हूं कि उन्हें भारत रत्न से नवाजा जाए। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) में शामिल होने के बाद से जीवन में मुझे जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे निभाते हुए अपने प्रिय देश की समर्पित और निस्वार्थ सेवा करने -शेष पृष्ठ दो पर

अमूल्य योगदान को मिला सम्मान : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रख्यात नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करना राष्ट्र निर्माण में उनके अनमोल योगदान के प्रति सच्चा सम्मान है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज सोशल मीडिया के जरिए कहा कि आडवाणी लाखों भारतीयों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। विनम्रता और मूल्यों के जरिए उनका राजनीतिक उत्थान, दृढ़ विश्वास, साहस तथा मजबूत आदर्शों और मूल्यों के पालन का एक सदाबहार उदाहरण है। भारत माता के प्रति निर्विवाद -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे ने किया स्वागत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि वह सरकार के इस फैसले का वह स्वागत करते हैं लेकिन उन्हें यह सम्मान बहुत देरी से दिया गया है। इसके पहले कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भी एक बयान में कहा कि भाजपा को लालकृष्ण आडवाणी की याद बहुत देर में आई है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करना स्वागत योग्य है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि आजकल भारत रत्न अपने वोट को बांधने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री का गुवाहाटी में शानदार स्वागत

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुवाहाटी पहुंचने पर आज शाम भव्य स्वागत किया गया। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा पर विमान से उतरे प्रधानमंत्री मोदी का असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा तथा बड़ी संख्या में अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। हवाई अड्डे से गुवाहाटी शहर तक प्रधानमंत्री के काफिले के साथ स्वागत में बड़ी संख्या में लोग चलने लगे। गुवाहाटी शहर पहुंचने पर सड़क के दोनों तरफ खड़े हजारों हजार लोग प्रधानमंत्री का अभिवादन करते देखे गए। -शेष पृष्ठ दो पर

आगमन पर जले एक लाख दीये

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुवाहाटी आगमन का स्वागत और जश्न मनाते हुए हजारों लोग आज शाम खानापाड़ा के पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में 1,00,000 दीये जलाने के लिए इकट्ठा हुए। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए गुवाहाटी आगमन पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने कहा है कि यह आनंदमय उत्सव शानदार दृश्यों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के असम आगामन की भावना को दर्शाता है। उधर सीएम शर्मा ने अपने एक पोस्ट में कहा कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, -शेष पृष्ठ दो पर

अधिक समझ से बनता है अच्छा तालमेल : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेजी से बदलती दुनिया में न्याय देने में देशों के बीच सहयोग का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने शनिवार को न्याय दिलाने में सीमा पार चुनौती विषय पर दो दिवसीय लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए) कामनवेल्थ अटार्नीज एंड सॉलिसिटर्स जनरल कांफ्रेंस के उद्घाटन संबोधन में कहा कि जब हम सहयोग करते हैं , तो एक दूसरे की व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। अधिक समझ से अच्छा तालमेल बनता है और जल्द न्याय मिलता है। प्रधानमंत्री ने इस तरह के सम्मेलन को महत्वपूर्ण बताते हुए आर्थिक और साइबर अपराधों की ओर ध्यान दिलाया और कहा कि 21वीं सदी के मुद्दों को बीसवीं सदी के नजरिये से नहीं निपटाया जा सकता। इसके लिए कानूनी प्रणालियों को आधुनिक -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह से मणिपुर के सीएम ने की मुलाकात

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच मणिपुर से जुड़े मामलों पर चर्चा की गई। मणिपुर में छिटपुट जातीय हिंसाओं के बीच दोनों की यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। शनिवार को हुई मुलाकात में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि केंद्र राज्य के लोगों के हित में कुछ जरूरी फैसला लेने के लिए तैयार हैं। मणिपुर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दोषहीन कार्यों का होना दुर्लभ होता है।

- आचार्य चाणक्य

बाबा बैद्यनाथ धाम : राहुल की पूजा-अर्चना में लगे मोदी-मोदी के नारे

देवघर (हि.स.)। भारत जोड़ो यात्रा के तहत कांग्रेस सांसद राहुल गांधी झारखंड पहुंचे हैं। राहुल गांधी की यात्रा दो फरवरी को पाकुड़ से शुरू हुई। वे पहली बार शनिवार को देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी गुलाबी रंग की धोती और गमछे में नजर आए। मंदिर के पुरोहितों ने उनसे पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। राहुल गांधी के आगमन पर उनके स्वागत में बाबा मंदिर वीआईपी गेट से लेकर मंदिर प्रशासनिक भवन एवं मंदिर को फूलों से सजाया गया। इसके लिए बड़े वाहनों में भारी मात्रा में फूल लाये गए थे। राहुल गांधी ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। बाबा मंदिर प्रभारी सह एसडीएम दीपांकर चौधरी ने बताया कि इस दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा गया था। बाबा मंदिर में राहुल गांधी के कार्यक्रम को देखते हुए एक बजे से बाबा मंदिर में आम भक्तों की -शेष पृष्ठ दो पर

सिखों की पगड़ी सिर के फ्रैक्चर कम करने में करती है मदद

नई दिल्ली। पगड़ी पहनना सिखों की आस्था से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि भारत, ब्रिटेन, कुछ कनाडाई राज्यों, न्यूजीलैंड और थाईलैंड सहित कई देशों में पगड़ी बांधने वाले सिखों को कानूनी तौर पर हेलमेट पहनने से छूट दी गई है, लेकिन इसे बांधना वैज्ञानिक रूप से भी फायदेमंद है। बकौल रिपोर्ट, पगड़ी पहनने से खोपड़ी में होने वाले फ्रैक्चर के खतरे को बहुत हद तक कम करने में सहायता मिलती है। एक शोध में पाया गया कि खाली सिर की तुलना में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कोकबोरोक परीक्षा बंगाली लिपि में देने का दबाव : टिपरा मोथा

अगरतला। त्रिपुरा में छात्रों के भविष्य से जुड़े एक मामले में टिपरा मोथा पार्टी के प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक देबबर्मा ने कार्रवाई की धमकी दी है। पूर्वोत्तर भारत की राजनीति में अच्छी पैठ रखने वाले प्रद्योत ने कहा कि त्रिपुरा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (टीबीएसई) छात्रों को कोकबोरोक पेपर की परीक्षा बंगाली लिपि में लिखने पर मजबूर कर सकता है, ऐसा सुनने में आया है। शाही परिवार से जुड़े नेता प्रद्योत ने कहा, अगर छात्रों को मजबूर करने की कोशिश की गई तो वे *जवाबी कार्रवाई* करेंगे। इससे पहले शुक्रवार को त्रिपुरा विधानसभा में विपक्षी नेता अनिमेष देबबर्मा ने टीबीएसई अध्यक्ष धनंजय गोंचौधरी को हटाने की मांग की थी। खबरों के मुताबिक टीबीएसई अध्यक्ष ने कथित तौर पर परीक्षा पर्यवेक्षकों को कोकबोरोक पेपर रोमन लिपि में लिखने पर छात्रों पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

विकसित भारत के लिए ज्ञान-परंपरा के भारतीय मॉडल की आवश्यकता : चक्रवाल

गांधीनगर (हि.स.)। *भारतीय ज्ञान परंपराएं: संचार और महत्व* विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को गांधीनगर स्थित गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में समापन हुआ। देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षकों और विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में आयोजित हुए विभिन्न सत्रों में अपने विचार साझा किए। समापन समारोह में शामिल हुए गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि मनुष्य को कभी भी खुद को बड़ा बताने व दूसरों को छोटा नहीं बताना चाहिए। पश्चिम के देशों -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुश्किल में सीएम अरविंद केजरीवाल, कोर्ट पहुंची ईडी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लगातार सख्त होता जा रहा है। जांच एजेंसी की ओर से अब तक भेजे गए 5 समन के बावजूद पूछताछ के लिए नहीं आने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। एजेंसी ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई कि पब्लिक सर्वेंट होने के बाद भी केजरीवाल ईडी के समन का पालन नहीं कर रहे हैं। अब इस मामले की सुनवाई 7 फरवरी को होगी। चर्चित आबकारी घोटाले मामले में ईडी की ओर से अब तक केजरीवाल को 5 समन भेजे जा चुके हैं, लेकिन वह एक बार भी एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत नहीं हुए। ईडी ने दिल्ली की संबंधित अदालत में इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई है। इससे पहले आम आदमी पार्टी की ओर से कल शुक्रवार को जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री केजरीवाल अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के कथित मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से मुख्यमंत्री केजरीवाल को बुधवार को पांचवीं बार समन जारी किया गया था। ईडी ने पिछले चार महीनों में केजरीवाल को 4 समन भेजे हैं लेकिन वह अभी तक एक बार भी उसके सामने पेश नहीं हुए हैं। केजरीवाल पिछले साल 2023 में 2 नवंबर और 21 के बाद इस साल 3 जनवरी और 18 जनवरी को ईडी के समक्ष पेश होने के लिए मिले समन को टाल चुके हैं। ईडी के समक्ष पेश नहीं होने की बात करते हुए आम आदमी पार्टी ने कल कहा था कि यह समन अवैध है और प्रवर्तन निदेशालय आप नेता केजरीवाल को गिरफ्तार करने के लिए बार-बार नोटिस भेज रहा है। केजरीवाल की पार्टी आप की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि भारतीय जनता पार्टी केजरीवाल को गिरफ्तार कर दिल्ली में उनकी सरकार गिराना चाहती है। हमारी पार्टी ऐसा होने नहीं देगी। उन पर आरोप है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने संबंधी दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में उन कुछ शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया, जिन्होंने कथित तौर पर इस फायदे के लिए रिश्वत दी थी। हालांकि, आप की ओर से इन आरोपों का लगातार खंडन किया जाता रहा है। लगातार विवाद में रहने के बाद दिल्ली सरकार ने इस आबकारी नीति को वापस ले लिया और दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने मामले की जांच सीबाआई से कराने की सिफारिश कर दी। फिर ईडी ने भी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत केस दर्ज किया था। आबकारी नीति घोटाला मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया और आप सांसद संजय सिंह पहले से ही जेल में बंद हैं।

केंद्र से भेजी गई आपदा की राशि में भी कांग्रेस सरकार ने किया भ्रष्टाचार : नड्डा

धर्मशाला (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। नड्डा ने प्रदेश सरकार पर केंद्र सरकार द्वारा आपदा राहत के भेजे गए पैसे में भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप जड़ा। उन्होंने कहा कि हिमाचल में आई आपदा को लेकर केंद्र ने कुल 1782 करोड़ रुपए की राहत राशि जारी की, जिसमें भी कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार कर अपने लोगों को रेवाड़ियां बांटी। शनिवार को धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में भाजपा अध्यक्ष नड्डा के लिए अभिनंदन समारोह रखा गया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक है इसलिए अभी से हर कार्यकर्ता को जुट जाना चाहिए, जिससे प्रदेश की चारों सीटों पर कमल खिल सके। नड्डा ने अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा समय में कांग्रेस की झूठी गारंटियों से प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसीलिए हर कार्यकर्ता को कांग्रेस की नाकामियां और केंद्र सरकार की उपलब्धियां घर-घर तक पहुंचाने की जरूरत है ताकि आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की चारों सीटों पर प्रचंड वोटिंग के साथ जीत हासिल कर सके और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से देश का नेतृत्व करें। कांग्रेस पर बरसते हुए नड्डा ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस में इतना अंतर है कि कांग्रेस को स्कैम के नाम से जाना जाता है जबकि भाजपा को सक्सेस के नाम से जाना जा रहा है। आज विश्व में भारत और प्रधानमंत्री मोदी की हर बात को सजगता के साथ सुना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अगले तीन सालों में देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के पायदान पर पहुंचा देंगे। केंद्र की ओर से प्रदेश को आपदा में दी गई सहायता को गिनाते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र ने हिमाचल को 1782 करोड़ रुपए की राहत राशि आपदा के दौरान दी है, लेकिन हिमाचल कांग्रेस ने उसमें भी भ्रष्टाचार किया, घोटाला किया और केंद्र द्वारा जारी पैसे को अपने कार्यकर्ताओं में बांट दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार बैक गियर सरकार है जिसने प्रदेश में खोले गए करीब 620 सरकारी कार्यों को बंद कर दिया।

मोबाइल टावर में चोरी करने पहुंचा एक चोर पकड़ाया, दो फरार

बरपेटा (हिंस)। हाउली में पुलिस ने चोरी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मोबाइल टावर से सामान चुराने पहुंचे चोरों के गिरोह को स्थानीय लोगों ने घेर लिया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि हाउली के दलगांव में बीती देर रात को टावर से सामान चुराने पहुंचे चोरों के गिरोह को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पर लिया। सूत्रों ने बताया है कि एक चार पहिया वाहन (एएस-01 जेसी-8516) से तीन सदस्यीय चोर टावर से सामान चुराने के लिए पहुंचे थे। ग्रामीणों को देख चोर मौके से भागने लगे। इस बीच लोगों ने पीछा कर एक चोर को पकड़ लिया। जबकि, अन्य दो चोर भागने में सफल रहे। गिरफ्तार चोर की पहचान बरपेटा के भेल्ला निवासी मानिक अली के रूप में हुई है। गौरतलब है कि जिले के अलग-अलग हिस्सों में टावरों में चोरी कर दहशत पैदा करने वाले गिरोह का आतंक छाया हुआ है। घटना के बाद हाउली पुलिस मौके पर पहुंची और चोर को अपनी कस्टडी में लिया। पुलिस फिलहाल मानिक अली को अफने साथ लेकर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है। साथ ही फरार अन्य दोनों चोरों की भी तलाश कर रही है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में मुठभेड़, दो नक्सली ढेर

नारायणपुर/रायपुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया। घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव और 12 बोर बंदूक बरामद किया गया है। हालांकि अभी तक मारे गए नक्सलियों की पहचान नहीं हुई है। यह जानकारी नारायणपुर एसपी ने दी है। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार को नारायणपुर दौरे पर थे। बस्तर आई जी सुंदरराज ने बताया कि यह मुठभेड़ शुक्रवार देर शाम हुई है। नारायणपुर पुलिस के अनुसार जवानों की टीम आम दिनों की तरह अबूझमाड़ के जंगलों में सर्चिंग के लिए निकली थी। ओरछा थाना क्षेत्र के गोमागाल के जंगलों में जवानों को नेलनार एरिया कमेटी के सचिव अरब ऊर्फ कमलेश, एलओएस कमांडर सोमडू, माड़ डिविजन सप्लाई इंचार्ज सपना एवं सन्नू सहित कई नक्सलियों के उपस्थिति की जानकारी मिली थी। सर्चिंग के दौरान जवानों पर नक्सलियों ने हमला कर दिया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की और नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। जवानों ने जब इलाके को सर्च आउट किया तो मौके से दो नक्सलियों के शव बरामद हुए। मुठभेड़ में जो दो नक्सली मारे गए हैं। अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

समोसा खाते समय अचानक हुई एक शख्स की मौत

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में अचानक एक शख्स की मौत हो गई। मृतक हाईवे का निर्माण कार्य कर रही कंपनी का कर्मचारी था और वह चिचोली का रहने वाला है। मृतक का नाम जसवंत बाबूलाल है। जसवंत नाश्ते की दुकान पर समोसा खाने के लिए गया था और समोसा लेकर वह बेंच पर बैठकर खाने लगा। अचानक कुछ देर बाद वह बेंच से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद नाश्ते की दुकान पर मौजूद लोगों ने उनको हिला कर देखा लेकिन कोई भी हरकत नजर नहीं आई। तुरंत इस पूरे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने जब मृतक की जेब चेक की तो उसके पास एक पर्ची मिली, जिस में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लिखा था और पर्ची पर जसवंत बाबूलाल लिखा था। प्राथमिक तौर पर हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका है। जसवंत मूलत: दतिया जिले का रहने वाला है और ग्राम गढ़ा में क्रेशर पर काम करता है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के लिए शव को भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा।

चुनाव प्रचार के दौरान भड़की हिंसा, एक की मौत

कराची (हि.स.)। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के न्यू कराची सेक्टर 11-जे में शुक्रवार रात चुनाव प्रचार के दौरान पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प में एक 12 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। इस झड़प में दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक सप्ताह के भीतर कराची की दो प्रमुख पार्टियों के बीच यह दूसरी घातक झड़प है। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होना है। पुलिस ने कहा कि मृतक की पहचान अब्दुल रहमान के रूप में हुई है। गोलियों और डंडों से घायल लोगों में 40 वर्षीय अशरफ और 16 वर्षीय शुमैल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इस झड़प के दौरान एक गोली अब्दुल रहमान के सिर को पार कर गई। अब्दुल ने मौके पर दम तोड़ दिया।

राज्य के श्रमिकों के बकाए का भुगतान करेगी सरकार : ममता

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता के रेड रोड पर बंगाल के प्रति केंद्र सरकार के कथित उपेक्षापूर्ण रवैये के खिलाफ दो दिनों से धरने पर बैठीं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को बड़ा एलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बंगाल के मजदूरों को 100 दिनों के काम के बकाए का भुगतान करेगी। 21 फरवरी को 21 लाख वंचित लोगों के खाते में पैसे आएंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि जिन 21 लाख श्रमिकों का पैसा केंद्र सरकार ने नहीं दिया है, उनका पैसा 21 फरवरी को उनके बैंक खाते में चला जाएगा। राज्य सरकार यह धनराशि भेजेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन साल से केंद्र ने मजदूरों को 100 दिनों का पैसा नहीं दिया है। बंगाल सरकार उस बकाए का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि 11 लाख आवास को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। आवास के विषय पर वह बाद में बात करेंगी। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के साथ राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। भाजपा सांसद दिलीप घोष ने कहा कि कैग की रिपोर्ट के अनुसार केंद्र से अलग-अलग समय पर 2 लाख 29 हजार करोड़ रुपए आए लेकिन राज्य ने इसका कोई हिसाब नहीं दिया। आपातकालीन निधि का भी हिसाब नहीं है। अगर पैसे थे तो पहले ही दिए जा सकते थे। सीपीएम नेता सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि इसका मतलब है पैसा उनके पास है। तो इतने दिनों तक क्यों नहीं दिए? चुनाव के समय यह क्यों याद आया।

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा के भीष्म ...

में ही मुझे खुशी मिली। उन्होंने कहा कि मुझे भारत रत्न देने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। इससे पहले, मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि हमारे समय के सबसे सम्मानित नेताओं में शामिल आडवाणी का भारत के विकास में महान योगदान है। उन्होंने अपने जीवन में जमीनी स्तर पर काम करने से शुरुआत कर उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा की।प्रधानमंत्री ने कहा कि आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना *मेरे लिए एक बहुत ही भावुक क्षण* है। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी ने अपने सार्वजनिक जीवन में दशकों तक सेवा करते हुए पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता जताई और राजनीतिक नैतिकता में एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया। उन्होंने राष्ट्र की एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं। मोदी ने कहा कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आडवाणी (96) को यह सम्मान दिया जाएगा। सरकार ने पिछले महीने समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कर्पूरी ठाकुर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने की घोषणा की थी।

अमूल्य योगदान को ...

प्रेम और उनकी समृद्ध विरासत को पुन: प्राप्त करने के लिए नागरिकों का नेतृत्व करना, सार्वजनिक जीवन में लालकृष्ण आडवाणी के कई दशकों की सेवा को दर्शाता है। उपप्रधानमंत्री के रूप में लालकृष्ण आडवाणी के यादगार कार्यकाल को उस अवधि के रूप में याद किया जाता है, जब भारत ने सर्वांगीण विकास और कल्याण का अनुभव किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सच्चे राजनेता, राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा ने एक अमिट छाप छोड़ी है। एक वरिष्ठ नेता के रूप में उनका मार्गदर्शन अमूल्य रहा है और उनकी उपलब्धियां हम सभी के लिए गर्व का स्रोत हैं।

खड़गे ने किया...

दिए जाते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मान की घोषणा पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि लालकृष्ण आडवाणी सदा स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें।

प्रधानमंत्री का गुवाहाटी ...

इधर, प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के राज्य के विभिन्न जिलों से बाइक लेकर आए कार्यकर्ता एवं नेता बाइक रैली के साथ प्रधानमंत्री के काफिले में शामिल हुए। शहर में जिस तरफ से प्रधानमंत्री का काफिला गुजरा हर तरफ सड़क के दोनों किनारे लोगों की भारी भीड़ उनके स्वागत में खड़ी देखी गई। *जय श्रीराम* और *भाजपा जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद* के नारे हर तरफ गूंजते रहे। गुवाहाटी में पहले भी बहुत सारे प्रधानमंत्री आ चुके हैं, लेकिन इस तरह का स्वागत आजतक किसी भी प्रधानमंत्री का कभी भी देखा नहीं गया था। प्रधानमंत्री के स्वागत में खानापाड़ा में पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान परिसर में एक लाख दीये जलाए गए। प्रधानमंत्री के आगमन पर मानो गुवाहाटी में दिवाली सज गई हो। दरअसल, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर असम के लोग अत्यधिक उत्साहित दिख रहे हैं। आज जिस प्रकार से प्रधानमंत्री का स्वागत गुवाहाटी में किया गया वह अपने आप में एक बड़ी कहानी को कह रहा है। प्रधानमंत्री का काफिला गुवाहाटी के मुख्य सड़कों से होते हुए जालुकबाड़ी से मालीगांव, शांतिपुर, भरलुमुख, फैंसी बाजार, पान बाजार, एटी रोड, पलटन बाजार, उलुबारी, भांगागढ़, एबीसी, क्रिश्चियन बस्ती, दिसपुर, सुपरमार्केट आदि होते हुए खानापड़ा पहुंचा। खानापाड़ा स्थित एक नंबर राज्यिक अतिथिशाला में पहले से एकत्र हुए भाजपा की कोर कमेटी के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री ने एक बैठक की। इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने पार्टी की चल रही तैयारियों के बारे में जानकारी हासिल की। बैठक में नरेंद्र मोदी द्वारा भाजपा नेताओं को भाजपा के एजेंडा को जनता के बीच ले जाने का सुझाव दिये जाने की सूत्रों ने जानकारी दी है। ज्ञात हो कि कल 11.30 बजे से खानापाड़ा के असम वेटरनरी कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित एक भव्य सरकारी समारोह में प्रधानमंत्री हिस्सा लेंगे। जहां वे 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली कई केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे।

आगमन पर जले ...

देश के विकास के ध्वजवाहक, असम और पूर्वोत्तर के सच्चे हितैषी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मैं असम में स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी असम के लिए 11 हजार करोड़ रुपए की बहुआयामी विकास परियोजनाओं को लॉन्च करेंगे। असम में कामाख्या दिव्य परियोजना (मां कामाख्या एक्सेस कारिडोर) का शिलान्यास करके श्रद्धालुओं के लिए कई विश्वस्तरीय सुविधाओं के लिए आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री गुवाहाटी में 11,599 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पीएम-देवीएनई स्कीम के तहत 498 करोड़ रुपए की मां कामाख्या दिव्य परियोजना की नींव रखेंगे। गुवाहाटी एयरपोर्ट के नए टर्मिनल को जुलाई तक पूरा किया जाएगा। इससे मंदिर धाम को छह लेन की सड़क से जोड़ने को 358 करोड़ रुपए की परियोजना शुरू होगी। असोम माला-2 के तहत 3446 करोड़ रुपए से बनी 43 सड़कों का उद्घाटन होगा। मोदी 300 करोड़ की काजीरंगा कुठोरी से डिफू तक चार लेन की सड़क की आधारशिला रखेंगे।

अधिक समझ से ...

बनाने, प्रणाली को अधिक सुदृढ़ और अनुकूल बनाने सहित पुनर्विचार, पुनर्कल्पना और सुधार की जरूरत है। प्रधानमंत्री शनिवार को विज्ञान भवन में दो दिवसीय कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय प्रणाली को अधिक नागरिक केंद्रित बनाए बिना सुधार नहीं हो सकता, क्योंकि न्याय की सुगमता न्याय प्रदान करने का एक स्तंभ है। भारतीय परंपरा में न्याय के महत्व पर जोर देते हुए प्राचीन कहावत न्यायमूलं स्वराज्यम स्यात का उल्लेख किया, जिसका अर्थ है कि स्वतंत्र स्वशासन का मूल है और न्याय के बिना किसी राष्ट्र का अस्तित्व भी संभव नहीं है। प्रधानमंत्री ने कांफ्रेंस के विषय न्याय दिलाने में सीमा पार चुनौतियां की प्रासंगिकता पर जोर दिया और न्याय सुनिश्चित करने के लिए देशों के साथ आने की आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने हवाई और समुद्री यातायात नियंत्रण जैसी प्रणालियों के सहयोग और परस्पर निर्भरता का जिक्र करते हुए कहा कि हमें जांच करने और न्याय दिलाने में सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र का सम्मान करते हुए सहयोग किया जा सकता है, क्योंकि जब हम साथ काम करते हैं, तो अधिकार क्षेत्र बिना देरी किए न्याय देने का एक उपकरण बन जाता है। हाल के दिनों में अपराध की प्रकृति में और उसके दायरे में दिख रहे बड़े बदलावों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कई देशों के अपराधियों के बनाए गए विशाल नेटवर्क और फंडिंग तथा संचालन दोनों में नवीनतम तकनीक के उपयोग की ओर इशारा किया। उन्होंने इस सच्चाई की ओर भी सबका ध्यान आकर्षित किया कि एक क्षेत्र में आर्थिक अपराधों का उपयोग दूसरे क्षेत्रों में गतिविधियां चलाने के लिए फंड मुहैया कराने में किया जा रहा है और इससे क्रिप्टो करेंसी और साइबर खतरों के बढ़ने की चुनौतियां भी हैं। प्रधानमंत्री ने कांफ्रेंस में आये विदेशी मेहमानों से अतुल्य भारत को पूरी तरह देखने का भी आग्रह किया। इस मौके पर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि प्रौद्योगिकी एक ताकतवर शक्ति की तरह उभरी है और यह सुनिश्चित होना चाहिए कि प्रौद्योगिकी समाधान समानता और समावेशिता को ध्यान में रख कर तैयार किये जाएं। हम परंपरा और नवाचार के चौराहे पर खड़े हैं, प्रौद्योगिकी न्याय के लिए एक शक्तिशाली शक्ति के रूप में उभरती है। हालांकि यह न्याय की गति और पहुंच को बढ़ाने का वादा करती है, लेकिन हमें सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारतीय समाज के भीतर गहरी जड़ें जमा चुकी संरचनात्मक और वित्तीय पदानुक्रम यह सुनिश्चित करने की मांग करती है कि प्रौद्योगिकी अनजाने में मौजूदा समस्याओं को न बढ़ाए। कांफ्रेंस के शुभारंभ समारोह में प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी बोले। कांफ्रेंस में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडलों के साथ साथ एशिया- प्रशांत, अफ्रीका और कैरेबियाई क्षेत्रों में फैले राष्ट्रमंडल देशों के अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल की भागीदारी देखी गई। कांफ्रेंस का उद्देश्य कानूनी शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय न्याय वितरण में चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक व्यापक रोडमैप विकसित करना है।

अमित शाह से ...

के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि आज मुझे नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान हमने राज्य से जुड़े मामलों पर गहन चर्चा की। भारत सरकार मणिपुर के लोगों के हित में कुछ जरूरी निर्णय लेने के लिए तैयार है। हालांकि मुख्यमंत्री ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि आखिर क्या फैसला लिया जा सकता है। बता दें बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित होने के बाद तीन मई, 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क उठी। उसके बाद से जारी हिंसा में अबतक 200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नागा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं। गौरतलब है कि सरकार ने 13 नवंबर को नौ मैतेई चरमपंथी समूहों और उनके सहयोगी संगठनों पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और सुरक्षा बलों पर घातक हमले करने के लिए लगाए गए प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया।

बाबा बैद्यनाथ धाम...

इंट्री पर रोक लगा दी गई थी। मंदिर में पंडा पुरोहितों ने अपने-अपने तय मंदिर में बैठकर राहुल गांधी का अभिवादन किया। उनके मंदिर से लौटने के बाद फिर आम भक्तों की इंट्री प्रारंभ कर दी गई। बाबा मंदिर में राहुल गांधी को थोड़ी परेशानी भी झेलनी पड़ी। दरअसल, मंदिर में प्रवेश करते ही राहुल गांधी के चारों ओर भीड़ इकट्ठा हो गई। इस दौरान भीड़ मोदी-मोदी के नारे लगा रही थी। मंदिर के निकास द्वार के पास सैकड़ों की संख्या में लोग हैं, जो नरेंद्र मोदी जिंदाबाद... राहुल गांधी मुर्दाबाद के साथ जय श्रीराम के नारे लगाते रहे। बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राहुल गांधी टावर चौक देवघर से वीर कुंवर सिंह चौक तक रोड शो करते हुए पहुंचे। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि पूरे हिंदुस्तान का एक्स-रे होना चाहिए। जातिगत जनगणना हो ताकि पता चले किसकी कितनी भागीदारी है। राहुल ने कहा कि झारखंड की जनता ने यहां कांग्रेस गठबंधन की सरकार चुनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईडी, सीबीआई और आईटी से कहा है, जो भी हमारा विरोध कर रहा है उसके पीछे पड़ जाइए। भाजपा ने यहां आपकी सरकार चोरी करने की कोशिश की लेकिन कांग्रेस ने आपके मतदान की रक्षा की और आपकी सरकार बचाई। पूरे देश में कांग्रेस पार्टी और आईएनडीआईए भाजपा की विचारधारा के खिलाफ लड़ रहा है। क्योंकि, हम किसी से डरते नहीं हैं। झारखंड में इस यात्रा को दो चरणों में पूरा किया जाना है। पहले चरण में 11 जिलों से होकर यह यात्रा निकलेगी। दूसरे चरण में दो जिलों में यह यात्रा पहुंचेगी। पहले चरण में जिन जिलों से यह यात्रा निकल रही है उसमें दुमका, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, सरायकेला, जमशेदपुर, चाईबासा, पलामू और गढ़वा है। जबकि दूसरे चरण में पलामू और गढ़वा यह यात्रा पहुंचेगी।

सिखों की पगड़ी ...

पगड़ी पहनने से कपड़े की मोटी परत से ढंकी खोपड़ी के हिस्से के फ्रैक्चर का खतरा बहुत कम हो जाता है। यह भी देखा गया कि पगड़ी बांधने की शैली का सिर की चोट के जोखिम पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। शोध में दस्तार पगड़ी शैली को सिर के सामने के हिस्से को कुशनिंग देने में सबसे बेहतर पाया गया। वहीं, दुमाला पगड़ी शैली को सिर के किनारे को चोट से बचाने में अधिक प्रभावशाली पाया गया। इंपीरियल कॉलेज लंदन और सिख साइंटिस्ट नेटवर्क के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्षों ने उन्हें साक्ष्य-आधारित सिफारिशें करने की अनुमति दी ताकि पगड़ी पहनने वाले सिखों को सिर की सुरक्षा में लाभ मिल सके। उन्होंने डमी सिर पर क्रैश टेस्ट करके विभिन्न पगड़ी शैलियों के प्रदर्शन की तुलना भी की। शोधकर्ताओं ने कहा कि हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि सिख पगड़ी में सिर पर पड़ने वाले चोटों को कम करने की क्षमता होती है। हालांकि, उन्होंने पाया कि पारंपरिक साइकिल हेलमेट की तुलना में सभी पगड़ी पहनने वालों के लिए सिर में चोट लगने का जोखिम अधिक था। टीम निष्कर्ष का उपयोग कर चोट से और अधिक सुरक्षा देने के लिए पगड़ी के लिए अधिक कुशनिंग देने वाली सामग्री विकसित करने की योजना बना रही है।

विकसित भारत के...

ने भारत को हमेशा कमतर ज्ञानवान समझने की भूल की है। चक्रवाल ने अर्थशास्त्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमें फादर ऑफ इकोनॉमिक्स पर एडम स्मिथ याद है लेकिन भारत में अर्थशास्त्र की पूर्ण जानकारी कौटिल्य अपनी पुस्तक में कहीं वर्षों पहले ही दे चुके है। उन्होंने कहा कि हमें अब भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े पुराने साहित्य को ही नहीं अपितु नवीन साहित्य जो भारतीय ज्ञान परंपरा के वैभव को दर्शाता है उसे भी आत्मसात करना चाहिए। भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पूरे विश्व का 48 फीसदी ऑनलाइन लेनदेन अकेले भारत में हो रहा है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि ऑर्गनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि देश में वर्तमान में एक बड़ी बहस छिड़ी हुई है कि मंदिर के निर्माण से रोजगार नहीं मिल सकता है, लेकिन सदियों से हमारे भारतवर्ष में मंदिर और रोजगार साथ-साथ चले है। लेकिन, पिछले 70 वर्षों में हमारी अप्रोच सही नहीं रही हैं। भारत ही अकेली ऐसी सभ्यता है जो 1300 वर्षों तक आक्रमण और अत्याचार सहने के बाद भी लगातार उठ खड़ी हुई है। हमें विकास के लिए अमेरिकी मॉडल नहीं अपितु भारतीय मॉडल की जरूरत है। उन्होंने विकसित भारत के लिए ज्ञान परंपरा के भारतीय मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में समापन सत्र के मुख्य वक्ता जेएनयू दिल्ली के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के प्रो.अश्विनी महापात्र ने कहा कि देश पश्चिमी सोच से हमें अब बाहर निकलने की जरूरत है। हमें गुलामी की मानसिकता से बाहर आना होगा। हमें कहां नेतृत्व करना है ये मुख्यबिंदु है। हमारे इतिहास में छेड़छाड़ करके पश्चिम ने हमें हमारे गौरवशाली इतिहास से दूर रखने की कोशिश की है, लेकिन वास्तविकता यह है कि जो हमारे पास समृद्धज्ञान परंपरा है वो किसी के पास नहीं है। कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि ज्ञान का सर्वप्रथम उद्भवही भारत में हुआ है। भारतीय ग्रंथों ने विश्व को ज्ञान दिया। भारतीय ज्ञान परंपरा में भौतिकता और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। मनुष्य में शरीर, मन, बुद्धि के साथ पर्यावरण का बेहतर सामंजस्य है। आज आवश्यकता है कि हम शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं को सनातन संस्कृति के मूल भावों को आत्मसात करते हुए शिक्षा दें। उन्होंने कहा कि छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास करना शिक्षा का उद्देश्य है, क्योंकि सबसे बड़ी भक्ति राष्ट्र भक्ति है। शिक्षक को छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित करनी होगी। भारतीय ज्ञान परंपरा में भौतिक भाव के साथ आध्यात्मिक भाव दोनों है। भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम भारतीय ज्ञान परंपरा में ही देखने को मिलता है। आज आवश्यकता है हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से यह रास्ता दिखाती है कि हम भारतीय मूल्यों को हमारे पाठ्यक्रमों में जोड़ा जाए ताकि विद्यार्थियों में देश प्रेम की भावना विकसित की जाए। हमें हमारे धर्मग्रंथों की तरफ लौटना होगा। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतनु महापात्र ने बताया कि तीन दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस में 230 से अधिक एब्सट्रेक्ट प्राप्त हुए है। साथ ही 180 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए है।

लाहरीघाट सड़क हादसे में एक की मौत

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिला के लाहरीघाट में हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि रजागाधोवा में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। लाहरीघाट के रजागाधोवा में टाटा मैजिक और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गई। मैजिक चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान सैदुल इस्लाम (28) के रूप में हुई है।

जोरहाट के ढेकियालिया में तेंदुआ पिंजरे में हुआ कैद

जोरहाट (हिंस)। पश्चिम जोरहाट के ढेकियालिया गांव में एक विशालकाय तेंदुए को पिंजरे में कैद किया गया है। क्षेत्र में लंबे समय से कई तेंदुए गाय, बकरी, मुर्गियों आदि जैसे पालतू जानवरों को खा रहे हैं। तेंदुए के आतंक से परेशान स्थानीय लोगों की अपील पर वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, जिसमें शनिवार तड़के एक तेंदुआ कैद हो गया। करीब दस दिन पहले भी इसी जगह पर एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ था। इसके बाद लोगों ने एक और तेंदुआ होने की बात कही।

एनआईए ने सीमा पार गोला-बारूद विस्फोटक रैकेट का किया भंडाफोड़

मिजोरम से एक गिरफ्तार

एजल। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को एक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार गोला-बारूद और विस्फोटक रैकेट का भंडाफोड़ किया और मास्टरमाइंड को मिजोरम के एजल से गिरफ्तार किया। शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में, एनआईए ने रैकेट के पीछे के कथित मास्टरमाइंड की पहचान मिजोरम के ममित क्षेत्र के निवासी लालनगैहावमा के रूप में की। एनआईए ने कहा कि भारत के कुछ उत्तर पूर्वी राज्यों में सक्रिय एक सुव्यवस्थित, बड़े पैमाने पर अवैध हथियार और गोला-बारूद आपूर्ति नेटवर्क के संचालन के बारे में इनपुट के बाद उसे आइजोल मिजोरम से पकड़ा गया। एजेंसी ने कहा कि आरोपी न केवल पूर्वोत्तर राज्यों में बल्कि सीमा पार भी हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की तस्करी में लगा हुआ था। इसमें कहा गया है कि रैकेट में और भी लोग शामिल पाए गए हैं। एनआईए ने कहा कि ललनगाइहौमा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार स्थित विद्रोही समूहों सहित विभिन्न गुर्गों के साथ मिलकर काम कर रहा था। एनआईए ने पिछले साल 26 नवंबर को लालनगाइहावमा पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) 1967 की धारा 18, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 6, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 (1) (ए) और 25 (1एए) और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। तमिलनाडु में एनटीके नेता के परिसरों पर एनआईए का छापा एनआईए ने कहा कि अपनी साजिश के तहत, उन्होंने पहले ही भारत और विदेशों में विभिन्न व्यक्तियों को ऐसे आतंकी हार्डवेयर वितरित कर दिए थे। इन अवैध हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों में हिंसक आतंकवादी कृत्यों और आपराधिक गतिविधियों में किए जाने का संदेह है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से संबंधित चल रही तैयारियों का आज जायजा लिया। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री आज राजधानी के खानापाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड में प्रधानमंत्री के लिए बनाए गए मंच तथा उसके आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के गुजरने वाले सड़कों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह, राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिरेन नाथ, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह समेत अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। ज्ञात हो के प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर गुवाहाटी शहर में सभी भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। खासकर जीएस रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग, एमजी रोड, जीएनबी रोड, आरजी बरुवा रोड आदि पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी बीच प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल खानापाड़ा में विशाल संख्या में लोगों की भीड़ जुटने के मद्देनजर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री आज शाम 07.30 बजे लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे खानापाड़ा स्थित एक नंबर राज्यिक अतिथिशाला में पहुंचेंगे, जहां आज वे भाजपा की कोर कमेटी की एक बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक की तैयारीयां पूरी हो चुकी है। प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर शहर के प्रमुख इलाकों में बैनर-पोस्टर और भाजपा के झंडे बड़ी संख्या में लगाए गए हैं। साथ ही सड़कों की मरम्मत युद्धस्तर पर की गई है। वहीं आकर्षक ढंग से लाइटिंग भी की गई है।

बीपीएफ कोकराझाड़ और दरंग-उदालगुड़ी लोस सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार : हग्रामा महिलारी

कोकराझाड़ में बीपीएफ कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के जानागांव में आज बोड़ो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) कार्यकर्ताओं की बड़ी बैठक आयोजित की गई। बीपीएफ अध्यक्ष हग्रामा महिलारी इस कार्यकर्ता बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बीपीएफ की कोकराझाड़ जिला समिति की पहल पर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बीपीएफ के छह प्रखंडों के हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इसमें हिस्सा लिया। बीपीएफ पार्टी के लिए शक्ति, सद्भावना और शांति के लिए सभी धर्मों की बैठक में प्रार्थनाएं आयोजित की गईं। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के अध्यक्ष हग्रामा महिलारी ने कहा कि बीपीएफ कोकराझाड़ और दरंग- उदालगुड़ी लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हग्रामा ने घोषणा की कि बीपीएफ पार्टी मार्च में अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगी। बीपीएफ शांति, एकता और विकास के लिए अभियान चलाएगी। कार्यकर्ताओं की बैठक में बीपीएफ के लगभग सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं की बैठक में पूर्व मंत्री प्रमिला रानी ब्रह्म, बीटीआर के पूर्व उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी खंपा बरगयारी, बीपीएफ कोकराझाड़ जिला अध्यक्ष डेरहासत बसुमतारी मौजूद थे। खम्पा बर्गियारी ने इस मौके पर बीपीएफ ने बीटीसी के भविष्य का निर्माण करने के लिए बीटीसी को बचाने के लिए लोगों का समर्थन मांगा। पूर्व मंत्री प्रमिला रानी ब्रह्म ने कहा कि अगर चुनाव में अनियमितता नहीं हुई तो बीपीएफ की निश्चित ही जीत हासिल करेगी।

दक्षिण कामरूप के सोनतली में सड़क हादसा, एक की मौत

कामरूप (हिंस)। दक्षिण कामरूप के सोनतली में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। सोनतली के कलातली में एक तेज रफ्तार डंपर ने बीती देर रात को बाइक को टक्कर मार दी। यह भीषण सड़क हादसा दक्षिण कामरूप के सोनतली कलातली रोड पर हुआ। बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक बाइक सवार की पहचान निसकाठमी गांव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रबीउल हुसैन नामक युवक बाइक (एएस-01डीबी-8642) से सोनतली जा रहा था। इसी दौरान पत्थर से भरा डंपर (एएस-01एलसी-4586) ने युवक को टक्कर मारने के बाद काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे के बाद डंपर का चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। घटना को लेकर मौके पर भारी हंगामा उत्पन्न हो गया। सूचना पाकर सोनतली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

भारी भू-स्खलन के कारण बराक-गुवाहाटी लिंक रोड पर यातायात अवरूद्ध

सोनापुर में बनी सुरंग के दोनों ओर आया पहाड़ी का मलबा

शिलांग (हिंस)। मेघालय में सोनापुर सुरंग के पास भूस्खलन के चलते वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई। बीती रात से लगातार हो रही बारिश के कारण सुबह से पहाड़ से बड़े पैमाने पर भूस्खलन फिर से एक बार आरंभ हो गया है। भूस्खलन के कारण बराक-गुवाहाटी लिंक रोड पर यातायात बाधित हो गया है। सोनापुर सुरंग के दोनों ओर अचानक हुए भूस्खलन के कारण सैकड़ों वाहन फंस गए। सड़क को साफ करने के लिए कार्य जारी है। ज्ञात हो कि असम के बराक घाटी के साथ ही मिजोरम, मणिपुर को गुवाहाटी से जोड़ने के लिए सोनापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग अहम कड़ी है। ऐसे में जब भी मेघालय में जोरदार बारिश होती है तो सोनापुर में बनी सुरंग के दोनों छोर पर भूस्खलन होने लगता है।

एसएसबी ने अवैध डीजल सहित पिकअप वाहन को किया जब्त

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की छठी वाहिनी की सीमा चौकी दादगिरी के जवानों ने गुप्त सूचना आधार पर अवैध रूप से डीजल लेकर आ रहे एक वाहन को जब्त कर लिया। एसएसबी सूत्रों ने आज बताया है कि सीमा चौकी दादगिरी की एसएसबी टीम बीती रात अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 के नजदीक वाहन चेकिंग के दौरान एक महिंद्रा पिकअप (बीपी-2बी-5627) को संदेह के आधार पर रोककर चालक से पूछताछ की। चालक स्पष्ट जानकारी एवं कागजात नहीं दिखा सका, जिसके चलते वाहन की तलाशी ली गई। वाहन में भूटान से अवैध तरीके से 780 लीटर डीजल लाते हुए चालक को पकड़ा गया। जब्त किए गए अवैध डीजल, वाहन सहित संदिग्ध व्यक्ति को लैंड कस्टम ऑफिस हातीचर को अग्रिम कार्यवाही हेतु एसएसबी ने सौंप दिया।

आशी अप्सरा में ग्रेटव्हाइट ग्लोबल प्रा. लि. ने किया अपने उत्पादों को प्रदर्शित

गुवाहाटी (विभास)। देश भर में तेजी से बढ़ता इलेक्ट्रिकल ब्रांड ग्रेटव्हाइट ग्लोबल प्रा. लि. ने अपने विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन असम सहित पूर्वोत्तर के व्यापारियों के लिए किया। पलटन बाजार स्थित आशी अप्सरा में आज से शुरू हुए इलेक्ट्रोफेस एक्सपो में स्टाल का उद्घाटन कंपनी के उपाध्यक्ष बिमलेंदु कुमार व चिरांग बरोडिया ने किया। इस मौके पर सीएसए नॉर्थ ईस्ट राजकुमार धानुका, यशवर्धन धानुका और अंशुमन धानुका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस एक्सपो में कंपनी घर, कार्यालय, दुकान आदि से जुड़ी इलेक्ट्रिकल उत्पादों की विस्तृत रेंज अपने स्टॉल नंबर 79, 80, 81, 82, और 83 में प्रदर्शित कर रही है। इस अवसर पर कंपनी के उपाध्यक्ष बिमलेंदु कुमार ने कहा कि हमारा ब्रांड कम वोल्टेज वाले बिजली के सामान की पेशकश करता है और स्विच और सहायक उपकरण (मॉड्यूलर और गैर-मॉड्यूलर रेंज दोनों), वायर और केबल, एलईडी लाइट्स, एमसीबी, एमसीसीबी, डीबी, नाली पाइप, पीवीसी टेप, पंखे, होम ऑटोमेशन और सेंसर जैसे सुरक्षा उपकरणों के सेगमेंट को पूरा करता है। यह आपकी सभी विद्युत वस्तुओं की आवश्यकताओं के लिए एक पूर्ण वन स्टॉप डेस्टिनेशन है। ब्रांड ग्रेटव्हाइट ग्लोबल प्रा. लि. की स्थापना जाधवलाल शाह द्वारा की गई थी। वर्तमान में कंपनी का कुशल नेतृत्व व संचालन उनके छोटे बेटे हेमांग शाह कर रहे हैं। ग्रेटव्हाइट के पास हरिद्वार और वलसाड में अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में हमारे पार्टनर हैं राज कुमार धानुका और उनके दो बेटे यशवर्धन धानुका और अंशुमन धानुका, जिन्होंने उपभोक्ताओं के बीच हमारे ब्रांड के लिए विश्वास स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। ग्रेटव्हाइट का देशभर में मजबूत बाजार है और इसके सभी उत्पाद पूर्वोत्तर राज्यों में भी आसानी से उपलब्ध है। दुबई में एक कार्यालय के साथ ग्रेटव्हाइट वास्तव में अब ग्लोबल है, जो पूरे मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी अफ्रीका को कवर कर रहा है। कंपनी का आदर्श वाक्य सबसे उचित और सस्ती कीमतों पर सर्वोत्तम गुणवत्ता वाला उत्पाद प्रदान करना रहा है। टीम उपभोक्ताओं को सुरक्षित और विश्वसनीय विद्युत उत्पाद प्रदान करने के लिए समर्पित है, क्योंकि उनका दृढ़ विश्वास है कि सुरक्षित और सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रत्येक उपभोक्ता का अधिकार हैं।

विश्वनाथ : बाल मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। बाल मानसिक स्वास्थ्य और संरक्षण पर उच्च प्राथमिक (यूपी) स्तर के नोडल शिक्षकों के लिए समग्र शिक्षा, बिश्वनाथ द्वारा आयोजित और 1 फरवरी से बिश्वनाथ कॉमर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आज यहां संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) बेदाब्रत बोरा ने किया, जिसे शुक्रवार को एडीसी (शिक्षा) सह जिला मिशन समन्वयक, बिश्वनाथ ध्रुव ज्योति दास ने संबोधित किया। प्रशिक्षण संसाधन व्यक्तियों के रूप में जुनमनी महंत, अंजन बासकोटा और बरुण भगवती द्वारा दिया गया था। बिश्वनाथ जिले के बिश्वनाथ, बिहाली और छयदुवार शिक्षा प्रखंड के अंतर्गत विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, उच्च विद्यालयों, समग्र विद्यालयों और एमवी और एमई स्कूलों से कुल एक सौ पचास शिक्षक।

होजाई : दुकान खाली करवाने को लेकर दो गुटों में विवाद

होजाई (होसं)। होजाई शहर के बीचोंबीच नेताजी सुभाष चंद्र बोस रोड पर स्थित उस समय तनावपूर्ण हो गई, दुकान खाली कराने को लेकर दो गुटों के बीच विवाह शुरू हो गई। मिली जानकारी के अनुसार यूपी इंटरप्राइजेज किराने की दुकान में 15 से 20 लोगों का दल आकर दुकानदार के साथ जबरन मारपीट और दुकान खाली करवाने को कहा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने तीन लोगों को पकड़ कर थाने ले आई। मालूम हो कि उक्त लोगों के दल में आने वाले अरुण दत्तो का कहना है कि यह जमीन के मालिक प्रदीप दत्तों से कई वर्ष पूर्व खरीदी थी। जिसकी होजाई रजिस्ट्रार अफिस में रजिस्ट्री भी हो चुकी है, वहीं दुकानदार प्रदीप दत्तो दुकान खाली कर जमीन मालिक को सौंपने में आना-कानी कर रहा है। जिसके कारण दोनों पक्षों के बीच अंदरुनी लड़ाई चल रही थी। इस बीच अरुण दत्तों पर दुकानदार प्रदीप दत्तो ने होजाई थाने में एक शिकायत दर्ज करवाई है। जिसकी पुलिस छान-बीन कर आगे की कार्रवाई करने कर रही है।

इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो के आयोजन में जेमा की सराहनीय पहल : राज्यपाल

पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिकल एक्सपो शुरू

गुवाहाटी (विभास)। राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने शनिवार को गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो का उद्घाटन किया। उल्लूबाड़ी स्थित आशी अप्सरा प्रांगण में आयोजित यह एक्सपो पूर्वोत्तर के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिकल एक्सपो हैं, जिसकी राज्यपाल ने आज खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने *इलेक्ट्रोफेस्ट* एक्सपो के आयोजन को जेमा की सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनो से व्यपारियों तथा उद्योगों को एक छत तले आकर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का मौका मिलता है, जिसका सीधा लाभ एक आम ग्राहक को होता है। उन्होंने आयोजको से इस तरह का आयोजन समय समय पर जारी रखने का आह्वान किया। इस मौके पर मंच पर जेमा के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा, उपाध्यक्ष तथा एक्सपो के चेयरमैन गोपाल पसारी, सचिव साकेत राज पुगलिया, एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, मुख्य प्रायोजक पैनासोनिक के एंकर के निर्देशक राजेश नंदवानी मौजूद थे। उद्घाटन के पश्चात राज्यपाल ने समूचे एक्सपो परिसर का दौरा भी किया। संस्था के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा के निर्देशन में एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है, जहां पहले दिन लोगों की भारी उपस्थिति देखी गई। प्रोजेक्ट चेयरमैन व संस्था के उपाध्यक्ष गोपाल पसारी ने बताया है इस एक्सपो में देश की इलेक्ट्रिकल से संबंधित 70 से अधिक प्रमुख कंपनियां भाग लेंगी और अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रही हैं। एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल ने कहा कि पहली बार हो रहे इस एक्सपो में इलेक्ट्रिकल्स में नवीनतम नवाचार दिखाने वाली सभी इलेक्ट्रिकल कंपनियों अपने-अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रही है। यह आयोजन पूरे पूर्वोत्तर के बिल्डरों, आर्किटेक्ट्स, ठेकेदारों, व्यापारियों, इंटीरियर डिजाइनरों और उपभोक्ताओं के लिए देखने का अवसर प्रदान कर रहा है। सचिव साकेत राज पुगलिया ने कहा कि इलेक्ट्रिकल, लाइटिंग और पावर जगत के दिग्गज इस एक्सपो में मैन्युफैक्चरर्स, ओईएम, सप्लायर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स से लेकर एजेंट तक शामिल हुए हैं और व्यापार के भरपूर अवसर प्रदान कर रहा है। एक्सपो के संयोजक एवं जेमा कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया ने कहा कि एक्सपो एक ऐसा मंच है जहां एक आम खरीदार आकर इलेक्ट्रिकल्स से संबंधित उत्पादों की पूरी रेंज देख सकता है। यह आयोजन पैनासोनिक के एंकर द्वारा समर्थित है और केईआई और कोलोर्स द्वारा सह-समर्थित है, और आरआर काबेल, प्रेस्टो प्लास्ट, बर्लिया और इजोक द्वारा संबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि संयोजक अनिल दुग्गड़, सौरभ बोथरा, अभिषेक कागलीवाल, मेहुल पसारी, दीपक अग्रवाल, अंशुमन धानुका के अलावा संस्था के सभी सदस्य इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

खेल के प्रति सरकार की भावना मैदान पर खिलाड़ियों की भावना के अनुरूप : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को युवाओं और राष्ट्र के विकास में खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महाकुंभ में जो उत्साह और आत्मविश्वास दिखा, वह आज हर खिलाड़ी और युवा की पहचान बन गया है। खेल के प्रति सरकार की भावना मैदान पर खिलाड़ियों की भावना के अनुरूप है। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से पाली सांसद खेल महाकुंभ को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने सांसद खेल महाकुंभ में पाली के 1100 से अधिक स्कूली बच्चों सहित 2 लाख से अधिक एथलीटों की भागीदारी की सराहना की। प्रधानमंत्री ने ऐसे खेल आयोजनों के आयोजन में वर्तमान सरकार के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सांसद खेल महाकुंभ जिलों और राज्यों के लाखों प्रतिभाशाली एथलीटों के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह नई और उभरती प्रतिभाओं को तलाशने और उनका दोहन करने का भी एक माध्यम बन गया है। मोदी ने खास तौर पर महिलाओं को समर्पित एक प्रतियोगिता के आयोजन का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में खेल बजट में तीन गुना वृद्धि, टॉप्स सहित विभिन्न योजनाओं के तहत सैकड़ों एथलीटों को वित्तीय सहायता का प्रावधान और देश भर में कई खेल केंद्रों की स्थापना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया गेम्स के तहत 3,000 से ज्यादा एथलीटों को 50,000 रुपये प्रति माह की मदद दी जा रही है। जमीनी स्तर पर लगभग 1,000 खेलो इंडिया केंद्रों में लाखों एथलीट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने हाल के एशियाई खेलों में 100 से अधिक पदकों के साथ एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने वाले असाधारण प्रदर्शन के लिए भारतीय एथलीटों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने 1 फरवरी को संसद में रखे गए केंद्रीय बजट के युवाओं पर केंद्रित बजट को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि सड़क और रेलवे जैसे आधुनिक बुनियादी ढांचे पर 11 लाख करोड़ रुपये के निवेश से युवाओं को सबसे अधिक फायदा होगा। हमारे युवा 40,000 वंदे भारत प्रकार की बोगियों की घोषणा और आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास जैसी पहल के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने रोजगार के अवसर पैदा करने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहल के माध्यम से युवा सशक्तीकरण पर सरकार के फोकस की पुष्टि की। उन्होंने स्टार्टअप्स को टैक्स राहत के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के फंड का जिक्र किया।

पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-यह उनके लिए भावुक क्षण

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न प्रदान करने की सूचना आज सोशल मीडिया पर साझा की । उन्होंने वयोवृद्ध नेता को फोन कर इस-के लिए शुभकामनायें दी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर इस सूचना को साझा करते हुए भाजपा नेता आडवाणी के साथ अपने दो पुराने फोटो अपलोड किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक आडवाणीजी का भारत के विकास में योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने गृहमंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं। उन्होंने कहा है कि स-ार्वजनिक जीवन में आडवाणी जी की दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के रूप में चिह्नित किया गया है। उनकी राजनीतिक नैतिकता ने अनुकरणीय मानक स्थापित किया है। भाजपा नेता आडवाणी ने राष्ट्रीय एकता और स-ांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं।

पहला सर्वेक्षण पोत 'संध्याक' नौसेना के बेड़े में शामिल, बढ़ेगी भारत की समुद्री ताकत

- समुद्र की गहराई में जाकर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के साथ नौवहन मार्गों का निर्धारण करेगा पोत
- नई पीढ़ी के हाइड्रोग्राफिक उपकरणों से समुद्र विज्ञान और भूभौतिकीय डेटा एकत्र करेगा जहाज

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार की मौजूदगी में शनिवार को सर्वेक्षण पोत 'संध्याक' औपचारिक तौर पर नौसेना के बेड़े में शामिल कर लिया गया। नौसेना के बेड़े में इसे शामिल किया जाना हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री ताकत बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उपयोग हाइड्रोग्राफी सर्वेक्षण में किया जाएगा जैसे चीनी नौसेना भारत और अन्य के निकट महासागर में करती है। रक्षा मंत्रालय ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) के साथ 30 अक्टूबर, 2018 को 2435 करोड़ रुपये की कुल लागत से चार सर्वेक्षण पोतों (लार्ज) का निर्माण करने के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किये थे। इन पोतों को ईंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग क्लासिफि-केशन सोसायटी के नियमों के अनुसार डिजाइन और निर्मित किया गया है। इस पोत की प्राथमिक भूमिका बंदरगाह तक पहुंचने वाले मार्गों का सम्पूर्ण तटीय और डीप-वॉटर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करना और नौवहन मार्गों का निर्धारण करना होगी। इसके परिचालन क्षेत्र में ईईजेड, एक्सटेंडेड कॉन्टिनेंटल शेल्फ तक की समुद्री सीमाएं शामिल हैं। ये पोत रक्षा और नागरिक अनुप्रयोगों के लिए समुद्र विज्ञान और भूभौतिकीय डेटा भी एकत्र करेंगे। इन पोतों की दूसरी भूमिका युद्ध या आपातकालीन स्थिति के दौरान अस्पताल के रूप में कार्य करने की होगी। लगभग 3400 टन के विस्थापन के साथ 110 मीटर लंबा और 16 मीटर चौड़ा 'संध्याक' अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक उपकरणों जैसे डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण प्रणाली, स्वायत्त अंडरवाटर वाहन, रिमोट चालित वाहन, डीजीपीएस लॉन्ग रेंज पोजिशनिंग सिस्टम, डिजिटल साइड स्कैन सोनार से लैस है। दो डीजल इंजनों से संचालित यह पोत 18 समुद्री मील से अधिक की गति से चलने में सक्षम है। ये जहाज मौजूदा संध्याक श्रेणी के सर्वेक्षण जहाजों की जगह लेंगे, जो समुद्र विज्ञान और भूभौतिकीय डेटा एकत्र करने के लिए नई पीढ़ी के हाइड्रोग्राफिक उपकरणों से लैस हैं। इस प्रोजेक्ट का पहला सर्वेक्षण जहाज 'संध्याक' (यार्ड 3025) जीआर-एसई ने बनाया है, जबकि शेष तीन जहाजों के निर्माण की परिकल्पना एलएंडटी शिपबिल्डिंग, कट्टुपल्ली में की गई है। इस पोत के निर्माण की प्रक्रिया 12 मार्च, 2019 को शुरू हुई और इस पोत को 05 दिसंबर, 2021 को लॉन्च किया गया। बंदरगाह और समुद्र में व्यापक परीक्षणों से गुजरने के बाद पिछले साल 04 दिसंबर को इसे भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। संध्याक का निर्माण 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ किया गया है। इस परियोजना का संचालन भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने किया है।

जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद सेना ने चलाया तलाशी अभियान

पुंछ, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास मेंढर के साबरा गली इलाके में शनिवार को संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद सेना ने फायरिंग की। इसके बाद इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार तड़के मेंढर के एक गांव में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद सेना ने फायरिंग की और इसके बाद गांव में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। हाल की बर्फबारी के बाद सीमापार से घुसपैठ करने वाले आतंकियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए एलओसी की सुरक्षा में तैनात सैनिक हाई अलर्ट पर हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने पुंछ सेक्टर का दौरा किया था और फॉर्मेशन की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की थी।

सीबीआई ने कोलकाता और 24 उत्तरी परगना जिले में 8 स्थानों पर तलाशी ली

नई दिल्ली, (हि.स.)। जाली अधिवास प्रमाणपत्र रैकेट मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को कोलकाता और 24 उत्तरी परगना जिले में 8 स्थानों पर तलाशी ली। सीबीआई की यह कार्रवाई जाली अधिवास प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्रिय गिरोह के खिलाफ है। जाली अधिवास प्रमाण पत्रों का उपयोग सेना व अर्द्धसैनिक बलों में भर्ती के लिए किया जा रहा था। सीबीआई की यह कार्रवाई कलकत्ता हाई कोर्ट के बुधवार को उस आदेश के साथ जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें हाई कोर्ट ने सीबीआई को भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में अनियमित भर्तियों के आरोपों की जांच शुरू करने का आदेश दिया था। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस जय सेनगुप्ता ने सीबीआई को तुरंत एफआईआर दर्ज. कर आरोपों की जांच शुरू करने को कहा था। शिकायत के बाद सीबीआई ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। हुगली जिले के निवासी एक याचिकाकर्ता ने इस मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित एक पत्र लिखा था।

उल्हासनगर थाने में फायरिंग, शिंदे समूह के नेता को लगी गोली, विधायक गणपत गायकवाड़ सहित तीन गिरफ्तार

मुंबई, (हि.स.)। उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में शिंदे समूह के कल्याण शहर प्रमुख पर फायरिंग करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी विधायक गणपत गायकवाड़ सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना में घायल शिंदे समूह के महेश गायकवाड़ का इलाज ज्युपिटर अस्पताल में चल रहा है। हिल लाइन पुलिस के अनुसार, उल्हासनगर में जमीन विवाद को लेकर गणपत गायकवाड़ और महेश गायकवाड़ को पुलिस स्टेशन पर बुलाया गया था। थाने में भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने महेश गायकवाड़ पर फायरिंग कर दी। महेश गायकवाड़ को फौरन ज्युपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस संबंध में भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़, हर्षल केने और संदीप सरवनकर को गिरफ्तार किया गया है। उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने इस घटना पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हर विधायक को लोगों के साथ उचित व्यवहार करना चाहिए। पवार ने कहा है कि इस संबंध में वे देवेंद्र फडणवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से चर्चा करेंगे। राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि पुलिस स्टेशन में फायरिंग की घटना ने कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं। देवेंद्र फडणवीस गृह विभाग का कामकाज देखने में विफल हैं। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सुप्रिया सुले ने कहा कि वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगी। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय बडेट्टीवार ने कहा कि भाजपा और शिंदे समूह के बीच पुलिस स्टेशन में फायरिंग की घटना ने राज्य की कानून व्यवस्था को तार-तार कर दिया है।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग, कारगिल रहा बंद, लेह में निकाली रैली

कारगिल, (हि.स.)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और अन्य मांगों को लेकर शनिवार को कारगिल जिले में पूर्ण बंद रहा जबकि लेह जिले में विरोध रैली निकाली गई। इन विरोध-प्रदर्शनों के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लद्दाख के मुद्दे पर चर्चा के लिए 19 फरवरी को नई दिल्ली में उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आहूत की है। लद्दाख में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, छात्र संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) और लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने अपनी मांगों को लेकर कारगिल बंद और लेह चलो का आह्वान किया था। उनकी प्रमुख मांगों में लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपाय, शीघ्र नौकरी भर्ती प्रक्रिया समेत अन्य मांगें हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार कारगिल जिले में पूर्ण बंद रहा और सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान, अन्य निजी कार्यालय बंद रहे। इसी तरह लेह एपेक्स बॉडी के तहत लेह में एक विरोध रैली निकाली गई जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। केडीए के सदस्य सज्जाद हुसैन कारगिली ने कहा कि चार मांगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। सरकार को लद्दाख के लोगों की बात सुननी चाहिए और बिना किसी देरी के उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए।

अरविंद केजरीवाल के घर दोबारा पहुंची पुलिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर शनिवार को सुबह 10 बजे के करीब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की टीम दूसरे दिन इस संबंध में आरोपों की जांच के लिए केजरीवाल के घर नोटिस लेकर पहुंची। इससे पहले शुक्रवार शाम को भी दिल्ली पुलिस की टीम पहुंची थी। आप की राष्ट्रीय प्रवक्ता जैस्मीन शाह ने अपराध शाखा के एसीपी पंकज अरोड़ा से नोटिस को लेकर तीखी बहस भी की। दरअसल, गत 27 जनवरी को अरविंद केजरीवाल समेत आप नेताओं ने भाजपा पर विधायकों की खरीद फरोख्त का आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट कर भाजपा पर यह आरोप लगाया था। इसके बाद आम आदमी पार्टी मुख्यालय में मंत्री आतिशी, विधायक दुर्गेश पाठक व अन्य ने प्रेस वार्ता कर इस आरोपों को दोहराते हुए कहा था कि भाजपा ने आम आदमी पार्टी के हर एक विधायक को 25-25 करोड़ देने का ऑफर दिया है। उन्होंने कहा था कि इसकी उनके पास ऑडियो क्लिप है, जिसे सही वक्त आने पर जारी किया जाएगा। मंत्री आतिशी ने कहा था कि सभी विधायकों ने इस ऑफर को साफ मना कर दिया है। पिछले नौ सालों में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए हैं लेकिन हर बार असफल हुए हैं। हमारे सभी विधायक पूरी मजबूती के साथ हमारे साथ खड़े हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे। आम आदमी पार्टी द्वारा लगाए गए इन आरोपों की जांच के लिए प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत दिल्ली के सांसद व विधायकों ने 30 जनवरी को पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा से मुलाकात कर इसकी शिकायत की थी। इसके बाद जांच की जिम्मेदारी अपराध शाखा को सौंप दी गई थी। अब इस संबंध में जांच में सहयोग करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री आतिशी को नोटिस जारी किया गया है। शुक्रवार को ये दोनों अपने घर पर नहीं मिले थे। जिस वजह से पुलिस टीम लौट आई थी। आज दोबारा नोटिस देने के लिए टीम पहुंची है।

भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा- अब जनता भी जल्दी ही गठबंधन को कह देगी अलविदा

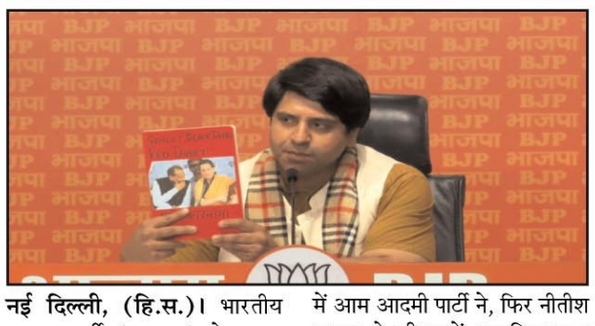

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जनता भी जल्दी ही आईएनडीआई गठबंधन को अलविदा कह देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन को एक और झटका है। ममता बनर्जी ने अब राहुल गांधी को प्रवासी पक्षी कह दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा 'अलविदा यात्रा' होनी चाहिए। जब से उन्होंने शुरूआत की है, पहले मायावती ने उनके गठबंधन को अलविदा कहा, फिर मिलिंद देवड़ा ने बाय बाय कह दिया। फिर ममता दीदी, फिर पंजाब में आम आदमी पार्टी ने, फिर नीतीश कुमार ने भी उन्हें अलविदा कह दिया। अब बहुत जल्द, जनता भी गठबंधन को अलविदा कहने वाली है। शनिवार को शहजाद पूनावाला ने एक्स पर अपना बयान साझा करते हुए कहा कि एक तरफ सभी राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा में लीन थे, दूसरी तरफ राहुल गांधी की न्याय यात्रा जब से शुरू हुई है, तब से आईएनडीआई गठबंधन लगातार ध्वस्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी ने कहा है कि राहुल गांधी एक प्रवासी पक्षी हैं और वह फोटो सेशन के लिए यात्रा कर रहे हैं। आने वाले समय में कांग्रेस के पास 40 सीटें भी नहीं होंगी।

पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने दिया इस्तीफा

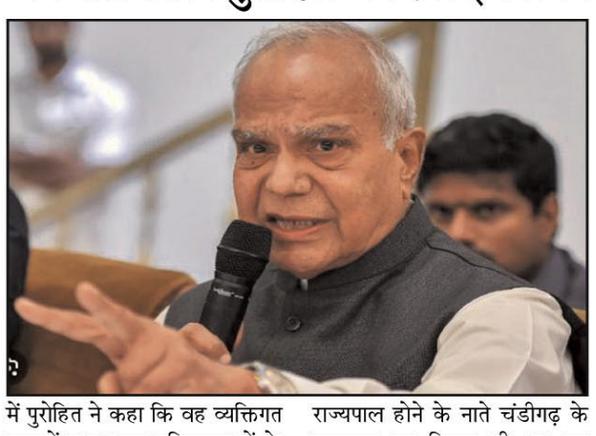

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल पुरोहित ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा है। इससे पहले राज्यपाल ने गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की थी। भाजपा से लंबे समय से जुड़े रहे पुरोहित को 11 सितंबर 2021 को पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह वर्ष 2017 से 2021 तक तमिलनाडु और वर्ष 2016 से 2017 तक असम के राज्यपाल रहे। पुरोहित का जन्म 16 अप्रैल 1940 को राजस्थान के नवलगढ़ में हुआ था। पुरोहित इस पद पर दो साल 127 दिनों तक रहे। शनिवार को राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र में पुरोहित ने कहा कि वह व्यक्तिगत कारणों तथा अन्य प्रतिबद्धताओं के चलते इस पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पंजाब-हरियाणा में हुए समझौते के तहत पुरोहित के पास पंजाब का राज्यपाल होने के नाते चंडीगढ़ के प्रशासक का जिम्मा भी था। इस इस्तीफे के बाद राज्यपाल पद के अलावा चंडीगढ़ में प्रशासक का पद भी रिक्त हो गया है।

आबकारी घोटाला: संजय सिंह को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने की मिली अनुमति

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के संजय सिंह को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने की अनुमति दे दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने ये आदेश दिया। कोर्ट ने संजय सिंह को 5 फरवरी को पुलिस हिरासत में राज्यसभा जाकर शपथ लेने की अनुमति दी है। आज सुनवाई के दौरान संजय सिंह और मनीष सिसोदिया दोनों कोर्ट में पेश हुए। आज दोनों की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। संजय सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट में नियमित जमानत याचिका दायर कर रखी है जिस पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। उल्लेखनीय है कि राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 22 दिसंबर 2023 को संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया संजय सिंह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीधे-सीधे या परोक्ष रूप से शामिल हो सकते हैं। जो तथ्य रिकॉर्ड पर रखे गए हैं, वह ये मानने के लिए पर्याप्त है कि संजय सिंह मनी लॉन्ड्रिंग के दोषी हैं। अगर एफआईआर में नाम नहीं है और अगर कोई आरोपित एफआ-ईआर में नाम दर्ज होने के बावजूद बरी हो जाता है तो उसे मनी लॉन्ड्रिंग कानून से छूट नहीं मिल सकती। ईडी ने संजय सिंह को 04 अक्टूबर को उनके सरकारी आवास पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने पर अमित शाह ने जताई खुशी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने पर खुशी जताई है। शाह ने शनिवार को एक्स पर लिखा, 'हमारे वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा से अत्यंत प्रसन्नता है। आडवाणी आजीवन निःस्वार्थ भाव से देश और देशवासियों की सेवा में समर्पित रहे हैं।' देश के उप-प्रधानमंत्री जैसे विभिन्न संवैधानिक दायित्वों पर रहते हुए उन्होंने अपने दृढ़ नेतृत्व से देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता के लिए अभूतपूर्व कार्य किए। आडवाणी को भारतीय राजनीति में प्रामाणिकता के मानक तय करने वाले राजनेता के रूप में जाना जाता है। अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने देश, संस्कृति और जनता से जुड़े मुद्दों के लिए अथक संघर्ष किया। पार्टी और विचारधारा के प्रति उनके विराट योगदान को शब्दों में समाहित नहीं किया जा सकता। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय करोड़ों देश-वासियों का भी सम्मान है।

लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में बीजेपी जुटाएगी 8 हजार से ज्यादा पार्टी मेंबर

नई दिल्ली, (ईएमएस)। अप्रैल में संभावित लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी बड़ी बैठक करने जा रही है। चुनाव के लिए पार्टी कोई कोर-कसर छोड़ना नहीं चाहती है। यही वजह है कि पार्टी लगातार बैठकों में जुटी है। इसी बीच अलग-अलग राज्यों में पार्टी की स्थिति को समझने के लिए दिल्ली में बड़ी बैठक होने जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बीजेपी राष्ट्रीय परिषद की बैठक आगामी 16-18 फरवरी को दिल्ली में हो सकती है। इसके जरिए अप्रैल-मई में संभावित लोकसभा चुनावों से पहले वह अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरने और और चुनावी एजेंडा तय करने की कोशिश करेगी। सूत्रों ने कहा कि बीजेपी राष्ट्रीय परिषद की बैठक में देशभर के 8,000 से अधिक पार्टी के सदस्य हिस्सा ले सकते हैं। यह बैठक विश्व स्तरीय सम्मेलन केंद्र भारत मंडपम में आयोजित हो सकती है। बता दे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और पार्टी संगठन के नेता राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों में शामिल हैं। ऐसा माना जा रहा कि इस बैठक में आने वाले नेताओं से बीजेपी नेतृत्व ग्राउंड रिपोर्ट भी मांगेगी। पार्टी इस चुनाव में 400 पार का प्लान लेकर चल रही है। इसके लिए सभी राज्य में पार्टी चाहेगी की स्थिति मजबूत रहे। पार्टी ने हालिया विधानसभा चुनाव में एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में शानदार प्रदर्शन किया, उससे कार्यकर्ता दोगुने जोश में हैं, अब इसी जोश को भुनाने की कोशिश की जा रही है।

बीजेपी को अपने सांसदों के परफॉर्मेंस की चिंता करनी चाहिए : अखिलेश यादव

बलरामपुर, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार को बलरामपुर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी को चिंता इस बात की करनी चाहिए कि उनके सांसदों की परफॉर्मेंस क्या है। उत्तर प्रदेश दिल्ली की सरकार उनकी रही, कहीं भी उन्होंने कोई कारखाना लगवाया हो तो बता दें। 40 लाख करोड़ का अगर इन्वेस्टमेंट यूपी में आ रहा है तो बलरामपुर, गोंडा में निवेश क्यों नहीं आ रहा? सपा अध्यक्ष ने कहा कि मैंने कई बार यह कहा कि कोई पुण्य काम होने जा रहा हो और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लोग, 90 फीसदी आबादी वाले दुःखी हो तो कैसे पुण्य होगा। जमीन घोटाला हुआ है वह भी अगर गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या जैसी जगह पर, तो सोचिए आप कि किस नाम पर इस सरकार में इस तरह का घोटाला हो रहा है। अखिलेश ने कहा कि यह जो बेरोजगार इजरायल जा रहे हैं और अग्निवीर के लोग कपड़े उतार कर आंदोलन कर रहे हैं इनसे कैसे बीजेपी बच पाएगी? यह जो नई आवाज उठी है पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वाली, 90 प्रतिशत लोग इसमें शामिल हैं तो भारतीय जनता पार्टी कैसे बचेगी? बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने वाले सवाल पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह भारत रत्न अपने वोट को बांधने के लिए दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एसपी यादव के निधन पर श्रद्धांजलि देने बलरामपुर पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान एसपी यादव को लेकर कहा कि वह लोकप्रिय नेता थे, वह जीवन भर गांव, गरीब, किसान के लिए संघर्ष करते रहें। समाजवादी पार्टी के वो संस्थापक नेता थे। हम लोगों ने उन्हें खोया है, हमारी पार्टी और इस परिवार की बहुत क्षति हुई है।

उप्र बजट सत्र : विधायकों के निधन पर शोक प्रस्ताव, विधान सभा 5 फरवरी तक स्थगित

-पांच फरवरी को सुबह योगी कैबिनेट की बैठक के बाद पूर्वाह्न 11 बजे विधान सभा में पेश होगा बजट

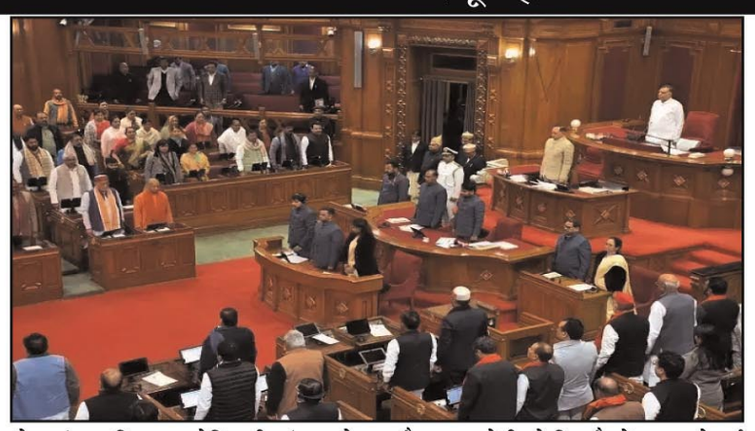

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र विधान मण्डल का बजट सत्र के दूसरे दिन शनिवार को विधान सभा में दो विधायक और छह पूर्व विधायकों के निधन पर नेता सदन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री समेत सभी दलीय नेताओं और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। अंत में पूरे सदन ने मौन रखकर अपनी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के प्रति व्यक्त की। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही सोमवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। शोक प्रस्ताव रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे बीच के वरिष्ठ सदस्य मानवेन्द्र सिंह दो बार विधानसभा सदस्य के रूप में चुने गए। 2017 में पहली बार विधान सभा पहुंचे। 2022 में भी वह चुनकर आए। वह छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे। नेता सदन ने कहा कि वह विधान सभा की विभिन्न कमेटियों में भी रहे हैं। वह जिला पंचायत अध्यक्ष शाहजहांपुर भी रहे। प्रदेश और हमारी पार्टी की अपूरणीय क्षति हुई है। उनकी कमी सदैव बनी रहेगी। उनके परिवार के प्रति अपनी एवं सदन की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। पीठ से आग्रह है कि उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार तक प्रेषित की जाएं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बलरामपुर के गैसड़ी से विधायक शिवप्रताप यादव (73) के निधन पर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि वह शिक्षक के रूप में अपने जीवन का शुभारंभ किया। समाज सेवा के क्षेत्र में उन्होंने बढ़चढ़कर कार्य किया। शिक्षा के प्रति समाज में जागरूकता के लिए शिव प्रताप यादव ने पूरे जीवन कार्य किया। उनके जाने से हम सब ने एक अच्छा राजनीतिक और समाज सेवी खो दिया है। नेता सदन ने पूर्व विधायकों आजमगढ़ के मोबीन अहमद आजमी, आगरा के सतीश चंद्र, बहराइच के जटाशंकर सिंह, लखनऊ के मो. इरशाद खां, सिटी मांटेसरी स्कूल लखनऊ के संस्थापक अलीगढ़ के जगदीश गांधी और मुजफ्फर नगर के डॉ. सुरेश संगल के निधन पर शोक संवेदनाए व्यक्त कीं। नेता सदन के बाद मुख्य विपक्ष दल के नेता मनोज पांडेय ने भी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए अपूर्णीय क्षति बताया। साथ ही पीठ से शोकाकुल परिवार तक अपनी संवेदनाएं भेजने का आग्रह किया। इसके अलावा विधान सभा में कांग्रेस की नेता विधान मण्डल दल आराधाना मिश्रा मोना, सुभासपा के नेता ओम प्रकाश राजभर, जनसत्ता दल के नेता रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया समेत अन्य दलीय नेताओं ने नेता सदन के बयान से खुद को संबद्ध करते हुए शोक व्यक्त किया। अंत में विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शोकसंवेदनाएं व्यक्त कीं और दो मिनट का मौन रखने के उपरांत सोमवार पांच फरवरी की सुबह 11 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी।

पांच फरवरी को योगी सरकार पेश करेगी बजट - उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पांच फरवरी को बजट पेश करेगी। बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक होगी। बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री योगी, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना विधान सभा पहुंचेंगे। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही वित्त मंत्री वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट प्रस्तुत करेंगे। योगी सरकार उप्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करेगी।

लोकसभा चुनाव-2024 भारत को ले जाएगा सौ वर्ष आगे : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कहा कि अब काशी में भी हर-हर महादेव होंगे। एक तरफ रामलला विराजमान हो गए तो दूसरा ये हो रहा है और तीसरा 2025 में प्रयागराज में कुम्भ की तैयारी है। उससे पहले 2024 में लोकतंत्र के महापर्व की तैयारी है। यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा पर्व है। इस बार चुनाव के बाद पांच वर्ष नहीं, देश 100 वर्ष आगे जाएगा। यह बातें शनिवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्रीराम दरबार कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में पहले जहां व्यास जी का तहखाना था वहां लोग दर्शन करते थे, लेकिन 1993 में उसे बंद कर दिया गया। आज पूजा-अर्चना होते देख मन आनंदित है। देश-प्रदेश में निष्पक्षता से काम करने वाली डबल इंजन की सरकार है। 1993 में समाजवादी पार्टी की सरकार में जो हुआ था 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद हम लोग कर सकते थे, लेकिन हमने वो काम नहीं किया। इसके लिए शिवभक्त वादकारियों ने न्यायालय की शरण ली और न्यायालय के आदेश के क्रम में आज व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना शुरू हो गई है। यह ऐतिहासिक घटना है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से चौड़ा हुआ सीना - उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने शनिवार को कहा कि राम मंदिर के ताला खुलवाने से लेकर मंदिर निर्माण तक उस आंदोलन का हिस्सा रहना मेरे लिए गौरव का विषय है। मंदिर निर्माण के लिए एक फरवरी 1986 और 09 नवम्बर 1989 फिर 30 अक्टूबर 1990, दो नवम्बर 1990, छह दिसम्बर 1992 कारसेवा। कारसेवा के बाद 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ देश के विद्वानों की उपस्थिति में श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य-दिव्य श्रीराम मंदिर के मूल गर्भगृह में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़ा होने के नाते सीना चौड़ा हो गया। यह एक बड़ी लडाई थी, उस पर जीत मिली है।

श्री गुरु वशिष्ठ न्यास और श्रीराम दरबार नाम में समाया है पूरा संसार - श्री गुरू वशिष्ठ न्यास की ओर से शनिवार को वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः 'हम पुरोहित राष्ट्र को सदैव जीवंत और जाग्रत बनाए रखेंगे' पर आधारित श्रीराम दरबार कार्यक्रम का शानदार आगाज किया गया। उप मुख्यमंत्री ने होटल सेंट्रम सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। कहाकि श्री गुरु वशिष्ठ न्यास और श्रीराम दरबार नाम में पूरा संसार समाया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने जनसुनवाई की

वाराणसी, (हि.स.)। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर शनिवार को तहसील सदर में फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने जनसुनवाई करते हुए शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। इस दौरान एक फरियादी ने बताया कि वरुणा आटो गैरेज के बगल वाले मार्ग पर पूर्व में चौका बिछाया गया था। वर्तमान में चौके कई जगह टूट गये हैं। मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक सखावतुल्ला खां के शिकायत पर जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को निरीक्षण कर आख्या देने का निर्देश दिया। इसी तरह रोहनिया भदवर के निवासी पंचम पाल ने शिकायत किया कि न्यायालय के आदेश के अनुसार आधी जमीन का मालिकाना हक का आदेश पारित हुआ। लेकिन विपक्षी के द्वारा कब्जा लेने से रोकने और धमकी दी जा रही है। इस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर को

संयुक्त टीम भेजकर जांच कराने और आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। समाधान दिवस में भूमि व सम्पत्ति बंटवारे, भूमि कब्जे, मार्ग मरम्मत आदि के मामले मुख्य रूप से सुने गये और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग में खराब प्रगति पर जिलाधिकारी नाराज

मीरजापुर, (हि.स.)। पोषण ट्रैकर पर पुष्टाहार विवरण की सूचना की कम फीडिंग कराने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सम्बन्धित सीडीपीओ पर नाराजगी व्यक्त की। निर्देशित किया कि पोषण ट्रैकर पर जनवरी माह की फीडिंग सभी इंडिकेटर्स की शत-प्रतिशत की जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण प्रगति के सम्बन्ध में भी जानकारी ली। 62 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण प्रगति में जमालपुर व नरायनपुर विकास खण्ड में कम प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में प्रगति लाए। सभी विकास खंडों में निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र 20 फरवरी तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जो आंगनबाड़ी केंद्र अभी पूर्ण होने की स्थिति में हैं, उसे एक सप्ताह के अन्दर फिनिशिंग कर हैण्डओवर भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें, गुणवत्ता खराब होने पर वसूली की भी कार्यवाही की जाएगी।

एनआरसी में भर्ती कराएं कुपोषित बच्चे - पोषण पुर्नवास केंद्र की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विकास खण्ड के गांव से एनआरसी में कुपोषित बच्चों को भर्ती कराएं। उन्होंने स्थिति की जांच के लिए संयुक्त मजिस्ट्रेट आलोक प्रसाद को जांच कर आख्यां प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गृह भ्रमण बढ़ाते हुए शत-प्रतिशत फीडिंग कराने का निर्देश दिया। इस कार्य में भी मड़िहान व छानबे में कम प्रगति पाई गई।

उपस्थिति के साथ ही बच्चों की शिक्षा में लाए सुधार - जिलाधिकारी ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सभी रजिस्टर मेनटेन करने का निर्देश दिया। बच्चों की उपस्थिति के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि सभी नामांकित बच्चों के नाम व फोटोग्राफ की सूची आंगनबाड़ी केन्द्र पर चस्पा की जाए।

हॉट कुक के लिए बर्तन उपलब्ध कराने तथा केंद्रों में बच्चों के बैठने के लिए चटाई अथवा दरी क्रय कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि पोषण एप पर फीडिंग के लिए रोस्टर बनाकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिलाया जाए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान व लालगंज में अतिरिक्त पोषण पुर्नवास केंद्र बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की उपस्थिति के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाएं।

आम लोगों के लिए छह फरवरी से खुलेगा राजभवन उद्यान

रांची, (हि.स.)। राजभवन उद्यान आम लोगों के लिए छह फरवरी से खोला जा रहा है। उद्यान 12 फरवरी तक सुबह 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक खुला रहेगा। कोई भी व्यक्ति सुबह 10 बजे राजभवन के गेट नंबर-दो से अपना रजिस्ट्रेशन और सुरक्षा जांच कराकर दिन के एक बजे तक ही अंदर प्रवेश कर सकेंगे। प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क होगा। राजभवन ने लोगों की भीड़ की संभावना को देखते हुए दर्शक को अंदर अधिकतम 30 मिनट तक ही भ्रमण करने की अनुमति दी है। प्रवेश करने के लिए हर व्यक्ति को अपने पास पहचान पत्र रखना अनिवार्य होगा। इस उद्यान में 400 किस्म के 17 हजार से अधिक गुलाब हैं। विदेशों से मंगाये गये फूल सहित भारत-पाकिस्तान युद्ध में उपयोग में लाये गये टैंक, बड़ा चरखा, शहीद स्थल आदि आकर्षण का केंद्र हैं।

52 एकड़ में फैला है राजभवन - झारखंड राजभवन लगभग 52 एकड़ में फैला हुआ है। इसका निर्माण 1930 में हुआ था। आम लोगों के लिए सबसे पहले उद्यान वर्ष 2004 में खोला गया था। उस समय सैयद सिब्ते रजी गवर्नर थे। इस उद्यान में 400 किस्म के 17 हजार से अधिक गुलाब हैं। परिसर में कृत्रिम ऑक्टोपस, पहाड़-झरने और दीवारों पर बने सोहराय पेंटिंग्स आकर्षण के केंद्र हैं। बच्चों के खेलने के लिए चिल्ड्रेन पार्क भी है। परिसर में मौसमी फूलों की भरमार है। पीला बांस सहित रुद्राक्ष, कल्पतरू आदि के पेड़, आर्किड गार्डेन, स्ट्रॉबेरी, संतरा, मौसम्मी, सेव, चीकू, काजू, जामुन, कपूर, तेजपत्ता, लेमन ग्रास, गुलमर्ग, चंदन, लौंग, कबाबचीनी, दालचीनी, इलाइची आदि के पेड़ हैं। फूलो झानो उद्यान, नौ म्यूजिकल फाउंटेन, महात्मा गांधी औषधी उद्यान और गुरु गोविंद सिंह वाटिका स्थित तालाब में मछलियां आकर्षण के केंद्र हैं। उद्यान में अकबर गार्डेन, बुद्ध गार्डेन, अशोका, मूर्ति गार्डेन आदि देखने लायक हैं। विदेशों से मंगाये गये फूल सहित भारत-पाकिस्तान युद्ध में उपयोग में लाये गये टैंक, बड़ा चरखा, शहीद स्थल आदि आकर्षण का केंद्र हैं।

रिमांड मिलने पर ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुरू की पूछताछ

रांची, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कड़ी सुरक्षा के बीच होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से लेकर शनिवार को ईडी के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची। ईडी की टीम ने हेमंत सोरेन से पूछताछ शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था। इसके बाद एक फरवरी को हेमंत सोरेन को ईडी ने कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने मामले में सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। फिर दो फरवरी को ईडी कोर्ट ने तीन फरवरी से पांच दिनों तक हेमंत सोरेन को ईडी रिमांड पर भेजा दिया था। कोर्ट ने ईडी को पुलिस रिमांड के दौरान हेमंत सोरेन का मेडिकल चेकअप कराते रहने का निर्देश दिया था। साथ ही किसी तरह की शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना नहीं करने को भी कहा था। इसके अलावा कोर्ट ने पूछताछ के दौरान हेमंत सोरेन को परिवार के सदस्य और वकील से मुलाकात करने की छूट दी थी। मुलाकात की अवधि 30 मिनट निर्धारित है।

लोहरदगा में परचम कुशाई के साथ शुरू हुआ चार दिवसीय सालाना उर्स मुबारक

लोहरदगा, (हि.स.)। हजरत बाबा दुखन शाह की 99वीं उर्स का आगाज शनिवार को परचम कुशाई के साथ हुआ। अंजुमन इस्लामिया के सदर हाजी मो. अफसर कुरैशी, सेक्रेटरी सफदर आलम, नाइब सदर नेहाल कुरैशी, सहसचिव मुजम्मिल अंसारी, हाजी नसीम अख्तर, जामा मस्जिद के इमाम शमीम रिजवी समेत अंजुमन के अन्य ओहदेदारों व गणमान्य लोगों ने हजरत बाबा दुखना शाह के मजार पर परचम लहराया। मौके पर अंजुमन इस्लामिया सदर हाजी मो. अफसर कुरैशी ने कहा कि आज परचम कुशाई के साथ हजरत बाबा दुखन शाह की चार दिनी उर्स मुबारक शुरू हो गई है। 04 फरवरी रविवार को केरत व नातिया ईनामी मुकाबला दोपहर 2:00 बजे से असर तक होगा। 05 फरवरी सोमवार को को अहले सुबह 3.00 बजे गुसुल संदल और चादरपोशी सुबह 6:00 बजे अंजुमन इस्लामिया के जानिब से की जाएगी। तत्पश्चात पुलिस प्रशासन की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर व चादरपोशी की जाएगी। सुबह 6:00 बजे से ही कुरआन ख्वानी ख्वाजा गरीब नवाज ट्रस्ट के जानिब से की जाएगी जबकि बाद नमाज जोहर लंगरखानी होगी। 06 फरवरी को बाद नमाज जोहर लंगरखानी, कुरैश फ्यूल सेन्टर के जानिब से की जाएगी। साथ ही बाद नमाज ईशा ईद मिलादुन्नबी और तबरूक तकसीम की जाएगी। उन्होंने कहा कि 05 एवं 06 फरवरी की रात महफिल ए कव्वाली का प्रोग्राम है, जिसमें टीवी सिंगर सलीम जावेद (मुंबई) एवं टीवी सिंगर सलीम राजा (मुंबई) के बीच शानदार मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि 05 फरवरी के कव्वाली प्रोग्राम का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू करेंगे जबकि मुख्य अतिथि मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव होंगे। छह फरवरी की रात कव्वाली प्रोग्राम का भी उद्घाटन सांसद धीरज प्रसाद साहू करेंगे और मुख्य अतिथि मंत्री बन्ना गुप्ता होंगे। हाजी मो. अफसर कुरैशी ने कहा कि परंपरा के मुताबिक इस उर्स मुबारक के मुख्य संरक्षक लोहरदगा के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां होंगे।

देश में मोदी सरकार के केंद्रीय बजट को विकसित भारत का बजट सांसद सतीश दूबे ने बताया

पश्चिम चंपारण (बगहा), (हि.स.)। भारत में अर्थव्यवस्था का सकारात्मक परिवर्तन हुआ है, यह अंतरिम बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत वर्ष 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है और अगले 23 वर्षों के लिए दिशा निर्धारित करता है, जब भारत स्वतंत्रता की एक शताब्दी मनायेगा। यह बजट पिछले वर्ष के आधार पर बनाया गया है, जो मोदी सरकार के "सबका साथ, सबका विकास" के आदर्श वाक्य के अनुरूप, गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी ज्ञान को शामिल करता है।उक्त बातें राज्यसभा के सदस्य सतीश दूबे ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बगहा नगर स्थित भाजपा कार्यालय में कहा है। उन्होंने कहा कि उच्च गैर निष्पादित परिसंपत्तियों और निराशाजनक कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ एक टूटी हुई अर्थव्यवस्था कांग्रेस से विरासत के रूप में प्रधानमंत्री मोदी को मिला था, इसके बावजूद, मोदी सरकार ने सार्वजनिक निवेश को प्रोत्साहित करने, धीरे-धीरे पूंजीगत व्यय परिव्यय में वृद्धि और लक्षित सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने की लक्षित त्रि-आयामी नीति के माध्यम से सकारात्मक राजकोषीय समेकन हासिल किया है। दूबे बताया कि मोदी सरकार में देश के बुनियादी ढांचे में विकास हुआ है मोदी सरकार ने देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। इस प्रयास का एक उल्लेखनीय उदाहरण हवाई अड्डों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि है, जो अब 149 तक पहुंच गई है।

नीतीश ने आडवाणी को 'भारत रत्न' दिए जाने की घोषणा पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिये जाने की घोषणा पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने लालकृष्ण आडवाणी से दूरभाष पर बात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनका अभिनंदन किया। नीतीश ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करता हूं। नीतीश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लालकृष्ण आडवाणी का देश के विकास में बड़ा योगदान है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्होंने देश के गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री के रूप में काफी बेहतर कार्य किया। लालकृष्ण आडवाणी देश के सम्मानित राजनेताओं में से एक हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मुझे उनके सानिध्य में काम करने का मौका मिला। लालकृष्ण आडवाणी का स्नेह मुझे हमेशा मिलता रहा है और उनसे कई चीजें सीखने का भी मौका मिला है।

ईवीएम को बैन करना जरूरी : सुरैया सहाब

बेतिया, (हि.स)। देश में ईवीएम से चुनाव नहीं कराने की मांग अब उठने लगी है। स्थानीय सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता, सुरैया सहाब ने भी बैलेट पेपर से ही चुनाव कराने की मांग जनहित में की है। उन्होंने कहा है कि इससे मतदान करने वाले मतदाताओं के दिलों में उठने वाला संदेह भी समाप्त हो जाएगाबहुत सारे सामाजिक राजनीतिक कार्यकताओं ने आगामी महीना में लोकसभा 2024 का चुनाव होने वाला है,इसके बाद कई राज्यों में भी विधानसभा का चुनाव भी होने वाला है। इसी को देखते हुए पूरे देश के लोगों में बहुत सारी जागरूकता आई है, उनकी जबरदस्त मांग है कि ईवीएम से चुनाव नहीं कराई जाए, क्योंकि इसमें कई प्रकार की त्रुटियां पाई जाती हैं। साथ ही इसमें कई तरह की दांव पेंच लगा दिया जाता है, जिससे किसी एक ही पार्टी की पक्ष में मतदान हो जाता है, जिससे वह बहुमत से जीत जाती है। करोड़ों मतदाताओं का कहना है कि हम जिसको मत करते हैं वह नहीं जीतता है, साथ ही जिसको मत नहीं मिलता है वही जीत जाता है। वैलेट पेपर से मतदान कराना ज्यादा अच्छा रहेगा, क्योंकि इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी होने की आशंका नहीं होती है, साथ में इससे मतदान कराना भी बहुत आसान रहता है। मतदान कराने वाले कर्मियों पर भी कम बोझ पड़ता है, मतदान कर्मियों की मानसिक संतुलन भी ठीक रहता है, जिससे वह आसानीपूर्वक समय पर ही मतदान संपन्न करा देते हैं। बैलट पेपर से चुनाव कराने हेतु भारी संख्या में मतदाता चुनाव आयोग से मांग कर रहे हैं, साथ ही देश की कई अनेक राजनीतिक पार्टियों भी बैलट पेपर से चुनाव कराने की मांग चुनाव आयोग से कर रहे हैं। हम जनता का कहना है कि ईवीएम से चुनाव कराने की विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है, आम जनता,मतदाता सभी को इस पर विश्वास नहीं रह गया है। वर्ष 2004 के पहले वैलेट पेपर से ही मतदान हुआ करता था, जिसकी पूरी विश्वसनियता सभी लोगों के दिल में रहती थी, मगर इन 10 वर्षों में सारा विश्वस समाप्त हो चुका है।आगामी लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में वैलेट पेपर से चुनाव कराना ज्यादा मुनासिब रहेगा, जिससे मतदान करने वालों के दिल के अंदर विश्वास पैदा रहेगा।

बिहार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा, मुख्यमंत्री के पास गृह और सामान्य प्रशासन

पटना (बिहार), (हि.स.)। राज्य में भाजपा-जदयू की सरकार बनने के छह दिन बाद शनिवार को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर गृह और सामान्य प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं। दोनों उप मुख्यमंत्रियों को नौ-नौ विभागों का जिम्मा दिया गया है। नीतीश कुमार के पास सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन तथा ऐसे सभी विभाग जो किसी को भी आवंटित नहीं किए गए हैं वह उनके पास रहेंगे। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास कुल नौ विभागों का जिम्मा है। इसमें वित्त, वाणिज्य कर, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, खेल, पंचायती राज, उद्योग, पशु एवं मत्स्य संसाधन तथा विधि विभाग हैं। दूसरे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास भी नौ विभाग हैं। इनमें कृषि, पथ निर्माण, राजस्व एवं भूमि सुधार, गन्ना उद्योग, खान एवं भूतत्व, श्रम संसाधन, कला संस्कृति एवं युवा, लघु जल संसाधन मंत्रालय तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण हैं। जदयू के विजय कुमार चौधरी के पास कुल छह विभाग हैं। इनमें जल संसाधन, संसदीय कार्य, भवन निर्माण, परिवहन, शिक्षा, सूचना एवं जनसंपर्क हैं। विजेंद्र प्रसाद यादव के पास पांच विभाग हैं, जिसमें ऊर्जा योजना एवं विकास, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन तथा ग्रामीण कार्य और अल्पसंख्यक कल्याण हैं। भाजपा के डॉ. प्रेम कुमार के पास सहकारिता, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा पर्यटन यानी कुल पांच विभाग हैं। जदयू के श्रवण कुमार के पास ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग हैं। हम के संतोष कुमार सुमन को सूचना प्रावैधिकी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को एक बार फिर से विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग का जिम्मा दिया गया है।

संपादकीया

'विकसित भारत' दूर की कौड़ी

अंतरिम बजट को 'विकसित भारत' की संभावनाओं का दस्तावेज मान कर विश्लेषण किए गए हैं। वर्ष 2047 अभी बहुत दूर है। अभी भारत की कुल अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर की है। विकसित राष्ट्र के लिए सिर्फ अर्थव्यवस्था का बढना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि देश के लोगों की जीवन-शैली, जीवन-स्तर, आधुनिक शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और तकनीकी सुविधाएं और सुधार और व्यापक रोजगार आदि भी बेहतर दर्जे के होने चाहिएं। फिलहाल शिक्षा पर औसतन 3.8 फीसदी और स्वास्थ्य पर मात्र 1.3 फीसदी ही खर्च किया जाता है। अर्थशास्त्री लंबे अंतराल से दलीलें देते रहे हैं कि जीडीपी का कमोबेश 6-6 फीसदी हिस्सा इन क्षेत्रों पर खर्च किया जाना चाहिए। इनके अलावा, कृषि की औसत विकास-दर मात्र 1.8 फीसदी रह गई है, जबकि कोरोना महामारी के दौर में भी यह 3 फीसदी से अधिक थी। हमारी जीडीपी में कृषि की 18-20 फीसदी भागीदारी है, लेकिन अभी एक वैश्विक रपट सामने आई है, जिसका एक निष्कर्ष यह भी है कि दुनिया की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसमें किसानों की खेती वर्ष 2000 से लगातार घाटे में है। अंतरिम बजट में भी 1.27 लाख करोड़ रुपए से कुछ अधिक की राशि कृषि मंत्रालय को आवंटित करने की घोषणा की गई है। यह एक छिपा-दबा तथ्य है कि फसल बीमा का बजट 2.7 फीसदी, अन्नदाता संरक्षण का बजट 21 फीसदी, यूरिया सबसिडी का बजट 7.5 फीसदी घटा दिया गया है। किसान और खेती तो प्रधानमंत्री मोदी के फोकस वाले चार वर्गों में से एक हैं। विशेषज्ञ मौजूदा दौर को 'कृषि का संकट काल' मानते हैं। वित्त मंत्री बजट कम करने का कारण बता देतीं, तो हम विचार कर सकते थे। बहरहाल भारत का जो जीडीपी है और विकास-दर 7 फीसदी के आसपास रही है, तो भी हमारी अर्थव्यवस्था 2030 तक दोगुनी नहीं हो सकती। दोनों के बीच जितना फासला है, वह सालाना घाटा ही होगा। वित्त मंत्री ने वित्तीय और राजकोषीय घाटों को उल्लेख किया है। वे जीडीपी के 5 फीसदी हिस्से से भी ज्यादा हैं, जो चिंताजनक स्थिति है। बजट में 2025 तक घाटों को 4.5 फीसदी तक लाने की घोषणा की गई है। यदि ये आर्थिक असंतुलन दूर नहीं किए जाते, तो 'विकसित राष्ट्र' का सपना साकार कैसे होगा? बजट में मोटे तौर पर रोजगार और नौकरियों के विषय पर बिल्कुल सन्नाटा है। बेरोजगारों के लिए रोडमैप नहीं है।

> वर्ष 2047 अभी बहुत दूर है। अभी भारत की कुल अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर की है। विकसित राष्ट्र के लिए सिर्फ अर्थव्यवस्था का बढना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि देश के लोगों की जीवन-शैली, जीवन-स्तर, आधुनिक शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और तकनीकी सुविधाएं और सुधार और व्यापक रोजगार आदि भी बेहतर दर्जे के होने चाहिएं। फिलहाल शिक्षा पर औसतन 3.8 फीसदी और स्वास्थ्य पर मात्र 1.3 फीसदी ही खर्च किया जाता है। अर्थशास्त्री लंबे अंतराल से दलीलें देते रहे हैं कि जीडीपी का कमोबेश 6-6 फीसदी हिस्सा इन क्षेत्रों पर खर्च किया जाना चाहिए। इनके अलावा, कृषि की औसत विकास-दर मात्र 1.8 फीसदी रह गई है, जबकि कोरोना महामारी के दौर में भी यह 3 फीसदी से अधिक थी। हमारी जीडीपी में कृषि की 18-20 फीसदी भागीदारी है, लेकिन अभी एक वैश्विक रपट सामने आई है, जिसका एक निष्कर्ष यह भी है कि दुनिया की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसमें किसानों की खेती वर्ष 2000 से लगातार घाटे में है। अंतरिम बजट में भी 1.27 लाख करोड़ रुपए से कुछ अधिक की राशि कृषि मंत्रालय को आवंटित करने की घोषणा की गई है। यह एक छिपा-दबा तथ्य है कि फसल बीमा का बजट 2.7 फीसदी, अन्नदाता संरक्षण का बजट 21 फीसदी, यूरिया सबसिडी का बजट 7.5 फीसदी घटा दिया गया है। किसान और खेती तो प्रधानमंत्री मोदी के फोकस वाले चार वर्गों में से एक हैं। विशेषज्ञ मौजूदा दौर को 'कृषि का संकट काल' मानते हैं। वित्त मंत्री बजट कम करने का कारण बता देतीं, तो हम विचार कर सकते थे। बहरहाल भारत का जो जीडीपी है और विकास-दर 7 फीसदी के आसपास रही है, तो भी हमारी अर्थव्यवस्था 2030 तक दोगुनी नहीं हो सकती।

लालू बेशक नीतीश के सहयोगी बने, लेकिन वे 1994 की दगाबाजी नहीं भूले

नीतीश कुमार ने जो चाल चली है...उसके असल परिणाम अभी आने बाकी हैं

उमेश चतुर्वेदी

> करीब एक दशक में जिस तरह चार बार नीतीश कुमार ने गठबंधन बदला, अपने साथी बदले, वह कूद-फांद का ही रूप है। दिलचस्प है कि नैतिकता और मर्यादा की सबसे ज्यादा दुहाई राजनीति देती है, लेकिन नैतिकताओं और मर्यादाओं का भंजन सबसे ज्यादा राजनीति ही करती है। नीतीश, राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी, कम से कम बिहार के संदर्भ में तीनों ही इसी प्रवृत्ति के उदाहरण बनकर सामने आए हैं।

भारतीय गांवों का एक खेल है, दोल्हा-पाती। इसमें खिलाड़ी अपने को बचाने के लिए लगातार एक डाल से दूसरी डाल पर फांदते-कूदते रहते हैं। इस तरह वे खुद को खेल के नियम के अनुसार बचाने की कोशिश करते रहते हैं। वैसे तो यह खेल भारत के तकरीबन हर इलाके के गांवों में प्रचलित है। लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में यह खेल कुछ ज्यादा ही प्रचलित रहा है। शायद यही वजह है कि बिहार की नौंवी बार कमान संभाल चुके नीतीश कुमार को लेकर दोल्हा-पाती के खिलाड़ी जैसी अवधारणा बन गई है। करीब एक दशक में जिस तरह चार बार नीतीश कुमार ने गठबंधन बदला, अपने साथी बदले, वह कूद-फांद का ही रूप है। दिलचस्प है कि नैतिकता और मर्यादा की सबसे ज्यादा दुहाई राजनीति देती है, लेकिन नैतिकताओं और मर्यादाओं का भंजन सबसे ज्यादा राजनीति ही करती है। नीतीश, राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी, कम से कम बिहार के संदर्भ में तीनों ही इसी प्रवृत्ति के उदाहरण बनकर सामने आए हैं। 2013 में जब भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया था, नीतीश कुमार ने उन्हें सांप्रदायिक करार देते हुए उस आठ साल से जिस पार्टी के साथ सत्ता चला रहे थे, उस भाजपा का दामन छोड़ दिया था। इसके पहले भी वे नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी सोच को जाहिर कर चुके थे। साल 2008 में जब कोसी नदी ने समंदर का रूप धर लिया था, तब गुजरात से बिहार पहुंची राहत की खेप को नीतीश ने बैरंग वापस करा दिया था। क्योंकि उस वक्त उनकी नजर में सांप्रदायिक नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। 2013 में नीतीश कुमार ने उस लालू का दामन थाम लिया, जिनके विरोध में उन्होंने 1994 में जनता दल छोड़कर जार्ज फर्नांडिस की अगुआई में समता पार्टी बनाई थी। भाजपा के साथ 1996 में समता पार्टी ने जो गठबंधन किया, उसका नतीजा ही रहा कि 2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में नीतीश की अगुआई में लालू यादव की लगभग अजेय समझी जाने वाली सत्ता को उखाड़ फेंका गया। तब नीतीश ने नया इतिहास रचा, लेकिन इसमें सहयोग बीजेपी का भी रहा। नीतीश-भाजपा की सरकार ने 2006-2010 के दौरान बिहार की कार्यशैली बदली, कानून-व्यवस्था को बेहतर किया और कई कीर्तिमान रचे। इसका असर यह हुआ कि 2010 के

विधानसभा चुनावों में लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल की चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी पराजय हुई। ऐसा माना जाने लगा कि लालू यादव की पार्टी अब खत्म हो जाएगी। लेकिन नीतीश कुमार ने 2013 में पलटी मारी और इसके बाद 2015 में हुए विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल को जैसे जीवनदान मिल गया। लेकिन नीतीश को लालू का यह साथ ज्यादा दिन रास नहीं आया। हालांकि इस बीच बिहार के जीन को लेकर नीतीश कुमार ने ऐसा अभियान चलाया कि बोरे में भरकर बिहार के लोग अपने बाल नरेंद्र मोदी के पते पर भेजते रहे। तब बिहारी लोगों का बाल उनकी शुद्ध बिहारी जीन का प्रतीक था। लालू बेशक नीतीश के सहयोगी बने, लेकिन वे 1994 की दगाबाजी नहीं भूले। धीरे-धीरे शासन में लालू परिवार का दबदबा बढ़ा तो नीतीश ने 2017 में फिर बीजेपी का साथ ले लिया। इसका उन्हें 2019 के आम चुनावों में फायदा भी हुआ। उनके 16 सांसद चुने गए। बीजेपी को अपनी पुराने 22 सांसदों में से कुछ के टिकट काट कर उनकी सीट जनता दल यू को देनी पड़ी। इसी गठबंधन ने 2020 का विधानसभा चुनाव भी लड़ा। इस चुनाव में लोकजनशक्ति-रामविलास गुट के नेता चिराग ने सिर्फ जनता दल यू की सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतारे और 2005 के बाद पहली बार नीतीश की पार्टी को सबसे कम यानी 5 सीटें मिलीं। नीतीश ने इसे बीजेपी का खेल माना और 10 अगस्त 2022 को बीजेपी का साथ छोड़ उस आरजेडी का दामन थाम लिया, जिसके नेता तेजस्वी यादव ने उन्हें पलटू चाचा की उपाधि दी थी। बिहार में 28 जनवरी 2024 को नीतीश ने फिर पाला बदल लिया और उनके लिए सारे दरवाजे बंद करने का बार-बार दावा करने वाली बीजेपी ने बदले हालात में उनके लिए दरवाजे खोल दिए। नीतीश भी अपना वह बयान भूल गए कि मर जाएंगे, लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। इसके बाद नीतीश कुमार की छवि पलटू बाबा के रूप में स्थायी हो गई। राजनीति दरअसल समूचा शीर्ष नेतृत्व का खेल है। दिलचस्प यह है कि शीर्ष नेतृत्व सारे कदम अपने कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भावनाओं के नाम पर उठाती है। जब भी कोई गठबंधन टूटता है तो घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता पुराने साथी को दुश्मन मानकर उसके खिलाफ दुश्मनी की हद तक हमलावर हो जाते हैं। लेकिन जैसे ही फिर वही दल साथ आ जाते हैं तो जमीनी स्तर पर दुश्मनी निभाने वालों के सामने खीस निपोरने और ठगा महसूस करने के अलावा कोई चारा नहीं होता। बिहार में भी यही हो रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को नहीं सूझ रहा कि वे अब उस नीतीश को कैसे पचाएं, जिन्होंने उन्हें अछूत बताया, उनके नेताओं को विधानसभा में खरी-खोटी सुनाई। विधानसभा अध्यक्ष का आसन सदन में सबसे ऊंचा होता है। लेकिन नीतीश ने उस आसन पर बैठे विजय सिन्हा को भी नहीं छोड़ा था। सदन में महिलाओं को लेकर उन्होंने अभी कुछ ही महीने पहले तकरीबन अश्लीलता की हद तक का बयान दिया था। तब भाजपा की एक विधायक फूट-फूटकर रो पड़ी थीं। बदले हालात में उनकी स्थिति का अनुमान ही लगाया जा सकता है। जनता दल यू के एक वरिष्ठ नेता ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि उनका अपना कोर वोटर, जिसमें नीतीश की अपनी कुर्मी जाति के भी लोग हैं, अब गाली देने लगे हैं। उनके सामने भी नीतीश की लानत-मलामत की गई। लोगों का कहना है कि क्या बिहार के राजनीतिक दलों और नेताओं की आंखों में पानी नहीं रह गया है? बिहार के बदले राजनीतिक गठबंधन की नई सरकार को बिहार के हित में बताया जा रहा है। इससे बीजेपी खुद को बेहतर स्थिति में पा रही है। राष्ट्रीय जनता दल खुद को ठगा महसूस कर रहा है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में दो चीजें कम से कम फौरी तौर पर साफ हुई हैं। नीतीश का प्रभामंडल कमजोर हुआ है, वहीं लालू की विरासत पर चलने वाले तेजस्वी का कद बढ़ा है। सरकार टूटने के बाद तेजस्वी ने काफी परिपक्वता का परिचय दिया। इसके चलते बिहार में एक वर्ग ऐसा दिख रहा है, जिसे तेजस्वी से सहानुभूति हो रही है। इसका संकेत साफ है।

दृष्टि कोण

विपक्षी दलों की साख दाव पर

गत वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में जीत हासिल करने के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि केंद्र की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं को बख्शेगी नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमीन घोटाले में हुई गिरफ्तारी से यह बात साबित हो गई। आश्चर्य यह है कि विपक्षी दल सोरेन की गिरफ्तारी पर भाजपा पर राजनीतिक विद्वेषता से कार्रवाई करने का आरोप तो लगा रहे हैं, किन्तु यह एक बार भी नहीं बताया कि देश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए उनके पास क्या रोडमैप है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों का शासन है, उनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके विपरीत केंद्र की भाजपा सरकार को समझ में आ गया है कि देश के मतदाता भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी मुहिम के समर्थन में हैं। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र की भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की काफी कोशिश की, किन्तु कामयाबी नहीं मिल सकी। फ्रांस से खरीदे युद्धक विमान राफेल, अडानी और अंबानी को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। इन आरोपों को लेकर विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका तक दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें सारहीन मान कर खारिज कर दिया। इससे भाजपा का नैतिक बल बढ़ गया। भाजपा ने भ्रष्टाचार की मुहिम को तेज करने के साथ ही सोरेने जैसे नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की। विपक्ष भ्रष्टाचार पर बदले की नीयत का आरोप लगा रहा है, किन्तु प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा नेताओं की गिरफ्तारी के ज्यादातर मामलों में अदालतों से जमानत तक नहीं मिल सकी। इससे जाहिर होता है कि ईडी और सीबीआई ने ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है। तृणमूल कांग्रेस और आप सहित कई पार्टियों के नेता जमानत नहीं मिलने के कारण महीनों-सालों से जेलों में बंद हैं। अदालतों ने यह माना है कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार में लिप्त होने के पर्याप्त सबूत मिले हैं। यही वजह है कि इनको जमानत नहीं मिल सकी, ताकि सबूतों और गवाहों को प्रभावित नहीं किया जा सके। गौरतलब है कि कांग्रेस सहित 14 दलों ने ईडी और सीबीआई पर दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में जांच एजेंसियों को लेकर भविष्य के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। विपक्षी दलों का तर्क था कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की ओर से 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विशेष मामले के तथ्यों के बिना सामान्य दिशानिर्देश निर्धारित करना संभव नहीं है। सीजेआई ने कहा कि जब आपके पास व्यक्तिगत आपराधिक मामला हो तो हमारे पास वापस आएं। मामले के तथ्यों से संबंध रखे बिना सामान्य दिशा-निर्देश देना खतरनाक होगा। इस पर विपक्षी दलों ने याचिका वापस ले ली। ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं को जमानत नहीं मिलने और सुप्रीम कोर्ट से विपक्षी दलों को मिली हार के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हो गए। यही वजह है कि विगत विधानसभा चुनाव और उसके बाद सार्वजनिक तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों के कई बड़े नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खतरे की घंटी सबसे तेज तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आसपास ही बज रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले का सामना कर रहे हैं। इस मामले में ईडी ने केजरीवाल को चार समन भेजे हैं, लेकिन वो अभी तक केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर करीब एक दर्जन से अधिक विपक्षी नेता हैं। देर-सवेर इनका भी बच पाना मुश्किल है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। आरोप है कि रेवंत जब टीडीपी में थे, तो उन्होंने साल 2015 में विधान परिषद के चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वोट देने के लिए एक विधायक को कथित तौर पर पचास लाख रुपए रिश्वत के तौर पर दिए थे। आंध्र प्रदेश के चीफ मिनिस्टर और वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया जगन मोहन रेड्डी पर भी प्रवर्तन निदेशालय की नजर है। उन पर यूपीए शासन के दौरान ही कई मामले दर्ज हो गए थे। ईडी ने जगन मोहन के खिलाफ 2015 में मनी लॉन्ड्रिंग का नया मामला दर्ज किया था। यह मामला जगन के स्वामित्व वाली भारती सीमेंट्स के पैसों के लेने-देन के आरोप से जुड़ा है। मौजूदा समय में वामदल की सरकार सिर्फ केरल में बची है और वहां भी राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। मामला विजयन के बिजली मंत्री रहने के दौरान का है। सीबीआई ने 1995 में एसएनसी लवलिन केस में चार्जशीट दायर की थी।

कुछ अलग

मेरे भी कुछ उसूल हैं भाई!

देखो भाई, सीधी सी बात है और बात यह है कि मेरे भी चंद उसूल हैं। मैं उधार की दारू तो पी सकता हूं। कर्ज लेकर घी भी पी सकता हूं और आड़े वक्त में किसी गधे को चरण वंदना भी कर सकता हूं। लेकिन जहां तक उसूलों की बात है, मैं इस बारे कोई समझौता नहीं करता! मैं उसूलों पर उसी तरह अडिग रहता हूं, जिस तरह मुल्क की हुकूमत के सामने महंगाई और भ्रष्टाचार अडिग रहता है। उसूलों का तो मैं इतना पक्का हूं भाई कि वक्त पडने पर अपने यारों दोस्तों को तो मझधार में छोड़ सकता हूं। नैतिकता को तिलांजलि भी दे सकता हूं। ईमानदारी की चादर को जमीन पर बिछाकर उस पर सौ जूते भी मार सकता हूं। जिस थाली में खाया, उसमें छेद भी कर सकता हूं। लेकिन अपने उसूलों की भद्द पिटते नहीं देख सकता। अपने उसूल मुझे उसी तरह प्रिय हैं, जैसे माननीयों को कुर्सी प्रिय होती है और आदरणीयों को ऊपरी कमाई प्रिय होती है। मैं मूंछ कटा सकता हूं। नाक कटवा सकता हूं। पत्नी को तिलांजलि दे सकता हूं, लेकिन उसूल नहीं छोड़ सकता। यमराज दोनों हाथ जोडक़र कहे तो भी नहीं। भले ही मुझे दुनिया क्यों न छोडनी पड़ जाए। स्वर्ग या नरक जहां भी जाऊंगा, अपने उसूल भी साथ लेकर जाऊंगा। यह जोखिम बिल्कुल नहीं लूंगा कि पीछे से कोई मेरे उसूलों से छेड़छाड़ करे। मैं देश की संस्कृति और संवैधानिक परंपराओं से छेड़छाड़ तो बर्दाश्त कर सकता हूं। बस में किसी महिला से हो रही छेड़छाड़ भी बर्दाश्त कर सकता हूं (छेड़छाड़ रोकना बस के ड्राइवर और कंडक्टर का काम होता है), लेकिन उसूलों से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकता। मेरा सबसे पहला उसूल तो यह है कि मैं सुबह जल्दी उठ जाता हूं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उठकर पत्नी को 'गुड मॉर्निंग' कह कर 'मॉर्निंग टी' ऑफर करता हूं या ताली बजाकर योग करता हूं या प्रभु को स्मरण करता हूं। मैं तो भाई आंख मूंदकर यह 'ध्यान' लगाता हूं कि किस विरोधी की डिबरी कैसे टाइट करनी है और किस को कैसे पटा कर अपना उल्लू सीधा करना है। यही उसूल मेरी कामयाबी का राज भी है। दूसरा उसूल है कि मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने बिना कोई काम नहीं करता। अंतरात्मा अगर मुझे घूस लेकर किसी की फाइल क्लियर करने को कहती है, तो मैं वैसा ही करता हूं। फाइल चाहे किसी निकट संबंधी की ही क्यों न हो। वरना मुझे कौन उसूलवादी कहेगा। (घूस मैं अप्रत्यक्ष रूप से लेता हूं। प्रत्यक्ष घूस लेना भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है और मैं भ्रष्टाचार को उसी तरह नापसंद करता हूं, जैसे मेरी पत्नी मेरे खर्राटों को नापसंद करती है।) तीसरा उसूल यह है कि मैं फोकट में किसी की मदद नहीं करता। पहले अपने हित और स्वार्थ देखता हूं। नफा नुकसान तोलता हूं। फिर मु ी खोलता हूं। भाई मेरे, अगर मैं यूं ही आंख मूंद कर दूसरों की मदद करता रहूं तो फिर कौन मेरे उसूलों को पूछेगा? चौथा उसूल यह है कि मैं किसी भी महत्वपूर्ण आदमी से जब भी फोन पर बात करता हूं तो पूरी बातचीत को खुद ही टेप कर लेता हूं। इस दुनिया में भगवान ने मेरे जैसे अच्छे और संभ्रांत जनों के साथ साथ काफी लुच्चे और टुच्चे टाइप के आदमी भी भेज रखे हैं। क्या पता कब कोई ऐसा व्यक्ति मुझे किसी आफत में डाल दे। तब यही उसूल मेरी वैतरणी पार लगाएगा न ! उसूल नंबर पांच यह है कि गिरगिट और प्रकृति की तरह मैं परिवर्तन में यकीन रखता हूं। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम जो ठहरा। इस नियम को अपनाते हुए मैं अपने खेमें बदलता रहता हूं। कभी इस खेमे में तो कभी उस खेमे में। मूड बनने पर किसी तीसरे या चौथे खेमे में भी चला जाता हूं। अगर मुझसे कोई कतराने लगता है तो मैं अपना अलग खेमा बना लेता हूं।

देश दुनीया से

हाशिये पर सुरक्षा के उपाय, दावानल के आगे बेबस हैं उत्तराखंड की वन पंचायतें

> गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाए थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैं, जहां जंगल के रास्ते पर लकड़ी के तराजू बने हुए हैं। जब लोग जंगल से घास, लकड़ी लेकर आते थे, तो वन पंचायत द्वारा नियुक्त चौकीदार वजन करता था। सभी लोग चौकीदार को हर फसल पर अनाज देते थे। जून से सितंबर के बीच में लोग चरागाहों में पशुओं को नहीं भेजते थे, क्योंकि इन महीनों में नई-नई घास और पौध जंगल में उगती है। उसकी सुरक्षा के लिए लोग पशुओं को घर पर रखकर ही चारे की व्यवस्था करते थे। इस तरह मनुष्य ने आदिकाल से ही अपनी खेती-बाड़ी के महत्व के लिए जंगलों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया था। वर्ष 1815 में अंग्रेजों के आने से पहले लोग अपनी आजीविका के लिए भी वनों का प्रबंधन करते थे। वर्ष 1850 में अंग्रेज फ्रेडरिक विल्सन ने गंगा घाटी के उद्गम में स्थित हर्षिल में रहकर तत्कालीन टिहरी नरेश सुदर्शन शाह से सिर्फ 400 रुपये में शंकुधारी वनों का पट्टा लिया था। फिर उसने यहां के वनों का अंधाधुंध दोहन किया। गंगा घाटी की तमाम प्रजाति के पेड़ों को काटकर वे नदी के बहाव के साथ हरिद्वार तक ले गए और वहां से रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोलकाता तक पहुंचाया था। विल्सन ने जंगली जानवरों का भी शिकार किया। इसी दौरान वर्ष 1823 में गांव की सीमाओं का भी निर्धारण किया गया, जिसके जरिये वन भूमि पर लोगों के अधिकार को सीमित करने का प्रयास आरंभ हुआ था। अंग्रेजों ने इसके लिए वर्ष 1865 में पहला वन अधिनियम बनाया था। फिर वर्ष 1877 में वनों की सीमाओं को भी निर्धारित करने का काम हुआ। इस प्रक्रिया में खेती की जमीन को छोड़कर संपूर्ण भूमि सुरक्षित वन भूमि के रूप में बदली

गई। अंग्रेजों के इस कानून के कारण ही वन भूमि पर लोगों को अतिक्रमणकारी मानने का सिद्धांत जारी हुआ। हालांकि अंग्रेजों की इस व्यवस्था के विरोध में लोग सड़कों पर उतरे थे। यह घटना 1915 -21 के बीच हुई है। इसके बाद अंग्रेज शासन ने एक 'शिकायत समिति' का गठन कर आरक्षित वनों को 'दर्जा एक' और 'दर्जा दो' में बांटा, जिसमें लोगों के अधिकारों को लौटाने की व्यवस्था की गई। फिर 1925 में 'शिकायत समिति' की संस्तुतियों के आधार पर मद्रास प्रेसीडेंसी स्थित कम्यूनिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर उत्तराखंड में भी पंचायती वन व्यवस्था शुरू की गई। वर्ष 1931 में वन पंचायत नियमावली भी बनाई गई। वन पंचायत का गठन 1932 में प्रारंभ हुआ था। उस समय उत्तराखंड में राजस्व ग्रामों की संख्या 13,739 थी। वर्ष 1976 में भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 28 के अंतर्गत वन पंचायत नियमावली में संशोधन करके राजस्व विभाग को अधिकार दिए गए थे, जिसका बहुत विरोध हुआ। इसके बाद तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1982 में 19 सदस्यों वाली सुल्तान सिंह भंडारी कमेटी बनाई, लेकिन उसके जितने भी संशोधन थे, वे मंजूर नहीं हो सके। निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण के चरम दौर में विश्व बैंक की सहायता से संयुक्त वन प्रबंधन नाम की योजना लागू की गई और इसे चलाने के लिए वन पंचायत नियमावली में संशोधन किए गए। इसके बाद वन पंचायतों की स्वायत्तता को समाप्त करके वन विभाग के अधीन कर दिया गया और वन पंचायत सरकार की देखरेख में बनने लगी। इससे लोगों के हक-हकूक भी प्रभावित हुए हैं। अनुसूचित जाति के शिल्पकार और अन्य परंपरागत वन निवासी, जो रिंगाल और अन्य वन उत्पाद से आजीविका चला रहे थे, बेरोजगार हो गए। उनके समक्ष आजीविका का संकट खड़ा हो गया। उत्तराखंड में 12 हजार से अधिक वन पंचायतें हैं, जो सरकारी नियम-कानून से चलती हैं, पर वे जंगल की आग भी नहीं बुझा पातीं। इसका कारण है कि वन और खेती सुरक्षा के जो पुश्तैनी नियम-कानून थे, वे हाशिये पर चले गए।

आप का नजरीया

केंद्रीय बजट से कितनी खुराक

चुनाव की रखवाली में आए केंद्र सरकार के अंतरिम बजट में यूं तो आत्म शाघा के कई दरवाजे खुले हैं, लेकिन चेतावनियों के बीच राज्यों के लिए अपना आर्थिक सम्मान हासिल करना कठिन है। खास तौर पर हिमाचल जैसे राज्यों के लिए आफत का यह कठिन दौर न तो केंद्रीय बजट को सूंघ पा रहा है और न ही इसके भीतर खुद को ढांप पा रहा है। ऐसे में सुक्खू सरकार की आर्थिक कसौटियों में प्रदेश के आगामी बजट सत्र का हर कदम परीक्षाओं से भरा है। करीब दो हफ्ते बाद हिमाचल अपने बजट के माध्यम से नए कर्ज को पुकार रहा होगा, तो कहीं केंद्रीय योजनाओं के बीच खुद को निहार रहा होगा। हालांकि सुक्खू सरकार की कुछ प्राथमिकताएं केंद्रीय बजट में संबोधित हुई हैं और इनके सदके सरकार अपने प्रथम वर्ष के आर्थिक हिसाब को दूसरे से मिलाकर नए शब्दों में अभिव्यक्त करना चाहेगी। कोई नहीं जानता कि इस बार देश के आर्थिक सर्वेक्षण का ऊंट किस करवट बैठा है, लेकिन हिमाचल को अपनी हैसियत की कडियों में क्षेत्रवार ब्यौरे में इसे सिद्ध करना होगा। केंद्र ने इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए जिस परिवहन को दौड़ाया है, कमोबेश उसी की परिपाटी में सुक्खू सरकार के बजटीय सुर, ग्रीन एनर्जी के गीत सुना रहे हैं। प्रथम वर्ष में ही युवाओं के लिए स्टार्टअप योजना के तहत 680 करोड़ का प्रावधान करके सुक्खू सरकार चल रही है। ई-टैक्सी और ई-बसों की खरीद पर पचास फीसदी सब्सिडी की घोषणा ने करीब ढाई हजार युवाओं को आकर्षित किया है। सुक्खू सरकार आगे चलकर पेट्रोल-डीजल इंजन के बजाय इलेक्ट्रिक टैक्सियों के संचालन को अनुमति देना चाहती है। ऐसे में राष्ट्रीय-अभियान से हिमाचल अपने हिस्से की संभावना को भी पूरा कर दे, तो आत्मनिर्भरता के खाकों में कुछ तो नूर आएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट वैकल्पिक ऊर्जा के रास्ते से नागरिकों को छत के माध्यम से सौर ऊर्जा पैदा करने का आह्वान कर रहा है। यहां भी हिमाचल ने इस प्रकार की योजनाओं की व्याख्या से सौर ऊर्जा के उत्पादन को सुनिश्चित किया और आगे चलकर यह रास्ता भी खुशामदीद कह सकता है। डेयरी उत्पादन में केंद्र की योजनाओं को अवतरित करने की कोशिश में हिमाचल ने पहले ही गारंटियों की मुद्रा धारण की है। बात सिर्फ गोबर खरीद की नहीं, बल्कि दूध खरीद में प्रति किलो छह रुपए बढ़ा कर राज्य सरकार इस क्षेत्र को प्रोत्साहित कर रही है, जबकि ढगवार में करीब डेढ़ सौ करोड़ की राशि से एक अति आधुनिक संयंत्र लगा कर खरीद और विपणन की श्रृंखला को विभिन्न दुग्ध उत्पादों के जरिए सशक्त करने के प्रयास में है। हिमाचल ने मोदी सरकार के बजट को विकास के हर पहलू, वित्तीय प्रोत्साहन के हर बिंदु, विषयों के हर अवसर और संभावनाओं के हर अक्स में सुना होगा, लेकिन पर्यटन और कनेक्टिविटी की दृष्टि के हर उल्लेख से पर्वतीय प्रदेश को अपनी वर्जनाएं तोडने का एहसास करने का अवसर मिलना चाहिए। केंद्र अपनी उड़ान योजना के तहत भारतीय विमानन क्षेत्र में जो उपलब्धियां अर्जित करना चाहता है, उनके ठीक सामने सुक्खू सरकार हर जिला मुख्यालय व प्रमुख शहरों में हेलिपोर्ट बनाने की प्रक्रिया को पहले ही आयाम तक पहुंचा चुकी है।

दावा- सीजफायर डील को लेकर हमास में फूट : परमानेंट सीजफायर की मांग कर रहे कुछ नेता; गाजा में 17 हजार बच्चे माता-पिता से बिछड़े

तेल अवीव।

सीजफायर डील को लेकर हमास के नेताओं में फूट पड़ गई है। अमेरिकी मीडिया हाउस वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक हमास के कुछ नेता 6 हफ्तों के लिए सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि, कुछ नेता इजराइली बंधकों की रिहाई के बदले परमानेंट सीजफायर की मांग कर रहे हैं। हमास के पास अभी भी 132 इजराइली बंधक हैं। गाजा पट्टी में हमास के नेता याह्या सिनवार टेंपोरेरी सीजफायर के लिए तैयार हैं। जबकि इस्माइल हानिए परमानेंट सीजफायर चाहता है। इस्माइल हानिए के मुताबिक चाहता है कि न सिर्फ जंग रुके बल्कि इजराइल गाजा से अपने सारे सैनिकों को निकाले और गाजा पट्टी का फिर से निर्माण कराए।

गाजा में अब तक 27 हजार लोगों की मौत - गाजा में 7 अक्टूबर को शुरु हुई जंग के बाद से अब तक 27 हजार लोग मारे जा चुके हैं। युनिसेफ के मुताबिक 17 हजार बच्चे अपने माता-पिता से बिछड़ चुके हैं। इस बीच इजराइल गाजा पट्टी में राफा पर हमले की तैयारी कर रहा है। ये फिलिस्तीनियों के लिए आखिरी सुरक्षित जगह थी। सिर्फ 151 वर्ग किलोमीटर के इस इलाके में यहां 10 लाख लोग इकट्ठा हैं। इसी इलाके से गाजा में मदद पहुंचाई जाती है।

सीजफायर के लिए पेरिस पर टिकी नजरें - इजराइल 6 हफ्ते के सीजफायर के लिए तैयार था, लेकिन अब हमास ने दो आतंकी सरगना रिहा करने की मांग रख दी है। इनके नाम मारवान बर्गाहुती और अहमद सादात हैं। दूसरी तरफ, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन फिर इजराइल पहुंच रहे हैं। 7 अक्टूबर को जंग शुरू होने के बाद ब्लिंकन का यह सातवां दौरा है। इनमें से एक बार वो प्रेसिडेंट जो बाइडेन के साथ इजराइल गए थे।

एक साथ दो मीटिंग - ब्लिंकन के इजराइल पहुंचने से पहले इजराइली वॉर कैबिनेट की तीन दिन में दूसरी मीटिंग होगी। इसके बाद नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की मीटिंग भी हो सकती है। इसके बाद ब्लिंकन और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात होगी। माना जा रहा है कि इस दौरान फ्रांस और इजिप्ट के कुछ अफसर भी मौजूद रह सकते हैं। इसके बाद ब्लिंकन मीडिया से भी बातचीत कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कतर और इजिप्ट के अलावा इजराइल के कुछ अफसर अब भी पेरिस में मौजूद हैं और जिस तरह से हमास नई शर्तें थोप रहा है, उसको लेकर इन अफसरों में भी काफी नाराजगी है। इसकी वजह यह है कि इजराइल ने हालिया वक्त में रुख नर्म किया है, जबकि हमास पीछे हट रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में भारतीय मूल के तीन लोग गिरफ्तार: 133 करोड़ रुपए की ड्रग तस्करी करने के आरोप, अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाएंगे

कनाडा। कनाडा में भारतीय मूल के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर 133 करोड़ रुपए की

ड्रग्स की तस्करी का आरोप है। ये लोग मैक्सिको से ड्रग्स खरीदते थे और कनाडा, अमेरिका तक पहुंचाते थे। कनाडा की पुलिस और अमेरिका की जांच एजेंसी ड्रग तस्करों के पकड़ने के लिए डेड हैंड ऑपरेशन चला रही हैं। इसके तहत 2 जनवरी को कनाडा में आयुष शर्मा, गुरअमृत सिद्धू और सुभम कुमार को गिरफ्तार किया गया। अब इन्हें अमेरिका प्रत्यापित किया जाएगा। जॉइंट ऑपरेशन के दौरान 7 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। ड्रग्स की तस्करी से जुड़े तीन देशों के लोग इस मामले की जानकारी देते हुए अमेरिकी वकील मार्टिन एस्ट्राडा ने कहा- गिरफ्तार किए गए सभी लोग ड्रग ट्रैफिकिंग रैकेट से जुड़े हैं। ये मैक्सिको के डीलर से ड्रग खरीदते थे। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में बैठे डिस्ट्रब्यूटर और ब्रोकर इसे कनाडाई ट्रक ड्राइवर्स तक पहुंचाते थे। इस तरह मैक्सिको की ड्रग्स कनाडा और अमेरिका में बेची जा रही थी। गिरफ्तार किए दो भारतीय मूल के दो लोग ट्रक ड्राइवर थे 25 साल का आयुष और 29 साल का सुभम कनाडा में ट्रक ड्राइवर थे। ये मैक्सिको से अमेरिका के रास्ते आने वाली ड्रग्स कनाडा में बेचते थे। वहीं 60 साल का गुरअमृत मैक्सिको से ड्रग्स खरीदता था। ड्रग्स का पूरा ट्रांसपोर्टेशन गुरअमृत की देखरेख में होता था। उसे किंग के नाम से जाना जाता था। तीनों के पास 9 लाख कैश मिला गिरफ्तारी के दौरान पुलिस को तीनों भारतीय मूल के लोगों के पास से 9 लाख 40 हजार रुपए कैश मिला। इसके अलावा 70 किलोग्राम कोकेन और 4 किलोग्राम हेरोइन बरामद किया गया था। 600 करोड़ की ड्रग तस्करी करने वाले भारतीय कपल ब्रिटेन की एक कोर्ट ने 31 जनवरी को एक भारतीय कपल को 33 साल की सजा सुनाई। इस कपल पर ड्रग तस्करी के आरोप थे।

जॉर्डन हमले के जवाब में अमेरिका ने सीरिया और इराक में 85 ठिकानों पर की बमबारी, छह आतंकी मारे गए

बगदाद। अमेरिकी सेना जॉर्डन में सैन्य अड्डे पर हुए ड्रोन हमले के जवाब में सीरिया और इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर बमबारी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सीरिया में अमेरिका के हवाई हमलों में छह मिलिशिया लड़ाके मारे गए हैं। इनमें तीन गैर-सीरियाई थे। अमेरिकी सेना ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने इराक और सीरिया में ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और उनके समर्थित मिलिशिया से जुड़े 85 से अधिक ठिकानों पर जवाबी हवाई हमले किए। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ने हवाई हमलों ने कमांड और नियंत्रण केंद्रों, रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन भंडारण सुविधाओं के साथ-साथ रसद और गोला-बारूद आपूर्ति श्रृंखला सुविधाओं को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना ने 125 से अधिक युद्ध सामग्री के साथ 85 से अधिक ठिकानों पर हमला किया। वहीं, सीरिया की सरकारी मीडिया ने कहा कि सीरिया के रेगिस्तानी इलाकों और इराक से लगती सीमा के पास स्थित ठिकानों पर अमेरिकी हमले में कई लोग हताहत और घायल हुए हैं। ईरान समर्थित आतंकी समूहों के ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने एक बयान में कहा कि अमेरिका मध्य-पूर्व में संघर्ष नहीं चाहता है, लेकिन अगर किसी अमेरिकी को नुकसान पहुंचता है, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

पूर्व पीएम गिलानी का दावा- लादेन को मारने से पहले यूएन ने साझा की थी आशंका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी ने बड़ा खुलासा किया है। आतंकी ओसामा बिन लादेन से जुड़े बातों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को मारने से काफी पहले पाकिस्तान में छिपे होने की आशंका साझा की थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी तत्कालीन सरकार को अमेरिका विदेश मंत्री राइस ने साझा किया था। गौरतलब है कि यूसुफ रजा गिलानी 2008 से 2012 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे थे। उन्होंने दावा किया कि दिसंबर 2008 के पहले सप्ताह में अमेरिकी विदेश मंत्री की पूर्व प्रधानमंत्री गिलानी से मुलाकात हुई थी, जब उन्होंने 2008 मुंबई आतंकी हमले के तुरंत बाद भारत से बातचीत के बाद इस्लामाबाद का दौरा किया था। गिलानी ने कहा कि जब उन्होंने ओसामा के पाकिस्तान छिपे होने की बात साझा की थी तो मैंने उन्हें कहा था कि यह मात्र ए दुष्प्रचार था। बता दें दो मई 2011 को अमेरिकी नौसेना सील्स ने गुप्त ऑपरेशन ने ओसामा बिन लादेन को मार गिराया था, जो पाकिस्तान स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एबटाबाद शहर में छिपा हुआ था।

ट्रम्प कैंडिडेट बने तो बाइडेन जीतेंगे

निक्की हेली बोलीं- अमेरिका को ग्रेट नहीं, नॉर्मल बनाना चाहती हूं; 23 फरवरी को पूर्व राष्ट्रपति से फिर मुकाबला

वॉशिंगटन।

रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने की कोशिश कर रहीं भारतीय मूल की निक्की हेली ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चुनावी वादों पर फिर सवालिया निशान लगाए हैं। निक्की ने कहा- ट्रम्प अमेरिका को फिर महान बनाने की बातें कर रहे हैं, हमें अमेरिका को ग्रेट नहीं, नॉर्मल बनाने की जरूरत है। अगर ट्रम्प फिर हमारे कैंडिडेट बनते हैं, तो बाइडेन आसानी से 2024 का इलेक्शन जीत जाएंगे। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोनों पार्टियां प्राइमरी और कॉकस इलेक्शन के जरिए प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट सिलेक्ट कर रही हैं। माना जा रहा है कि मार्च से जून के बीच दोनों पार्टियों के कैंडिडेट तय हो जाएंगे। निक्की और ट्रम्प का मुकाबला 23 फरवरी को साउथ कैरोलिना प्राइमरी में फिर होगा।

जीत का भरोसा

निक्की भले ही रिपब्लिन रेस में ट्रम्प से पीछे हों, लेकिन उन्हें वापसी और जीत का भरोसा है। साउथ कैरोलिना में 23 फरवरी को होने वाले प्राइमरी इलेक्शन से पहले समर्थकों के लिए जारी बयान में साउथ कैरोलिना की इस पूर्व गवर्नर ने कहा- तस्वीर बिल्कुल साफ है। अगर ट्रम्प ही हमारी पार्टी की तरफ से प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनते हैं तो जो बाइडेन आराम से फिर चुनाव जीत जाएंगे। यूएन में अमेरिकी एंबेसैडर रह चुकीं निक्की ने आगे कहा- डेमोक्रेट्स बहुत अच्छी तरह जानते हैं कि उनका चुनाव जीतना तभी मुमकिन है, जब ट्रम्प से बाइडेन का मुकाबला हो। इस बात को कुछ लोग समझ नहीं पा रहे हैं। मैं दो प्राइमरी भले ही हार चुकी हूं, लेकिन वापसी करूंगी और जीत भी मिलेगी।

अमेरिका को नॉर्मल बनाने की जरूरत

निक्की ने एक नया नारा दिया। कहा- मेक अमेरिका नॉर्मल अगेन। उन्होंने कहा- मेरे कैम्पेन को बहुत सपोर्ट मिल रहा है। बाइडेन और ट्रम्प दोनों 80 साल के करीब हो चुके हैं। मैं चाहती हूं कि इस बार किसी यंग कैंडिडेट को मौका मिले। इसलिए समर्थक पूरी तरह तैयार रहें। साउथ कैरोलिना तो मेरा होम स्टेट है। मैं जानती हूं कि यहां ट्रम्प जीत नहीं पाएंगे। दो बार साउथ कैरोलिना की कमान संभाल चुकीं 51 साल की निक्की सर्वे में ट्रम्प से 30 पॉइंट पीछे हैं। हालांकि, उनकी कैम्पेन टीम दावा कर रही है कि जैसे-जैसे प्राइमरी इलेक्शन होंगे, निक्की वापसी कर लेंगी। निक्की ने कहा- अब अमेरिकी नागरिक ट्रम्प या बाइडेन में से किसी को नहीं चुनना चाहते। वो चाहते हैं कि कोई यंग और फ्रेश चेहरा इस महान देश का लीडर बने। ट्रम्प तो अपने हितों की सोचते हैं। बाइडेन का कोई एजेंडा नहीं होता।

ट्रम्प और निक्की की जुबानी जंग

पिछले महीने ट्रम्प ने न्यू हैम्पशायर में रैली की थी। इस दौरान वो निक्की और अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी में कनफ्यूज हो गए थे। उन्होंने पेलोसी को निक्की हेली समझकर उन पर आरोप लगाया था कि वो 6 जनवरी 2021 को अमेरिका की संसद में हुई हिंसा को ठीक से संभाल नहीं पाईं। इस दौरान उन्होंने कई बार पेलोसी की जगह हेली का नाम लिया। इस पर निक्की ने कहा था- मैं कुछ अपमानजनक नहीं कहना चाहती, लेकिन राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियों और उसके प्रेशर के बीच में हम ऐसे किसी व्यक्ति की मानसिक हालत को लेकर रिस्क नहीं ले सकते। जहां अमेरिका में इस वक्त अव्यवस्था है, वहीं पूरी दुनिया में भी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या अमेरिका को फिर से 2 ऐसे राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चाहिए जो 80 साल के हैं। हमें एक्टिव लोगों की जरूरत है। ट्रम्प ने निक्की के नाम का भी मजाक बनाया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार निक्की को निंब्रा और निम्रदा कहकर संबोधित किया। इस पर उनकी काफी आलोचना भी हुई। दरअसल, निक्की हेली का पूरा नाम नम्रता निक्की रंधावा है। हालांकि, सालों से वो निक्की के नाम से ही जानी जाती हैं। शादी के बाद उन्होंने अपना सरनेम हेली कर लिया था। अपने नाम से जुड़े मजाक पर निक्की ने कहा- मैं ट्रम्प को अच्छे से जानती हूं। जब उन्हें किसी से डर लग रहा होता है, तो वो यही करते हैं। मैं उनकी इस बात का बुरा नहीं मानूंगी। हेली इससे पहले भी नेताओं की मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठा चुकी हैं। निक्की के मुताबिक, सरकार में किसी भी बड़े पद पर काबिज 75 साल से ज्यादा उम्र के नेता का मेंटल एबिलिटी टेस्ट (तकनीकि भाषा में मेंटल कॉम्पिटेंसी टेस्ट) जरूरी होना चाहिए। निक्की को पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का करीबी माना जाता है। हिलेरी ही उन्हें सियासत में लाई थीं। राजनीति में आने से पहले निक्की कॉर्पोरेट वर्ल्ड में नाम कमा चुकी थीं।

इजराइली नागरिकों पर प्रतिबंध लगाने पर भड़के नेतन्याहू, बाइडन के फैसले की आलोचना की

तेल अवीव।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनका देश उन सभी पर कार्रवाई करता है जो कानून तोड़ते हैं। उनका यह बयान तब सामने आया है, जब बाइडन प्रशासन ने वेस्ट बैंक में बसने वाले उन यहूदियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जो फलस्तीनियों के खिलाफ हिंसक गतिविधियों में शामिल रहते हैं।

नेतन्याहू ने कहा, यहूदिया और सामरिया क्षेत्र के ज्यादातर लोग कानून का पालन करते हैं, जिनमें कई अभी इजराइल की रक्षा के लिए सिपाही के रूप में लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल उन सभी यहूदियों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जो कानून तोड़ते हैं। इसलिए, हर जगह के लिए प्रतिबंध लगाना गैरजरूरी है।

अपने बयान में राष्ट्रपति बाइडन ने कहा था, मुझे लगता है वेस्ट बैंक की स्थिति असहनीय स्थिति तक पहुंच गई है। खासतौर पर वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के खिलाफ हिंसा, लोगों का गांवों से जबरन विस्थापन और संपत्ति का नुकसान उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह वेस्ट बैंक और गाजा, इजराइल और पश्चिम एशिया की शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है।

बाइडन ने आगे कहा, इस तरह की कार्रवाइयां अमेरिका की विदेश नीति के मकसदों को कमजोर करती हैं। जिसमें द्वि-राष्ट्र समाधान की व्यवहार्यता और इजराइल व फलस्तीनियों की सुरक्षा, समृद्धि और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वे (वेस्ट बैंक में हिंसा और कब्जा करने की गतिविधियों में शामिल यहूदी) इजराइल की सुरक्षा को कमजोर करते हैं और पश्चिम एशिया में अस्थिरता पैदा करने की क्षमता रखते हैं। जिससे अमेरिका के कर्मियों और हितों को भी खतरा पैदा होता है। ये कृत्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए भी एक असामान्य और असाधारण खतरा पैदा करते हैं।

युद्ध शुरू होने के बाद से 3,000 लोग गिरफ्तार

इस बीच, इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया है कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से उसके मध्य कमान के बलों ने आतंकवादी गतिविधियों के शक में करीब तीन हजार वांछित लोगों को गिरफ्तार किया है। आईडीएफ की मध्य कमान यहूदिया और सामरिया क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। इसलिए, गाजा पट्टी के बाहर से 3,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमलावर तैयार कर रहा है आतंकी संगठन टीटीपी, अलकायदा से मिल रही फंडिंग

न्यूयॉर्क।

पाकिस्तान में एक नया आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान(टीटीपी) काफी समय से सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के मध्य में टीटीपी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक नया बेस स्थापित किया था। इस बेस में आतंकवादी समूह से जुड़े 60 से अधिक व्यक्तियों को आत्मघाती हमलावरों के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति को सौंपी गई 33वीं रिपोर्ट के अनुसार टीटीपी को अलकायदा की ओर से सहयोग की बात सामने आई है। यह रिपोर्ट आईएसआईएल (दाइश) और अलकायदा-तालिबान निगरानी टीम द्वारा यूएन को सौंपी गई थी। इसमें दावा किया गया है कि अलकायदा और कुछ अन्य आतंकी समूह द्वारा टीटीपी को और अधिक मजबूत और प्रोत्साहित किया गया है। उन्हें न केवल हथियार उपलब्ध कराए जा रहे हैं बल्कि पाकिस्तान में उन्हें अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए जमीनी समर्थन भी दे रहे हैं। इससे युद्धाभ्यास के लिए व्यापक स्वायत्तता के साथ हमले भी बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान में आए दिन हो रहे इन हमलों के जिम्मेदार प्रतिबंधित आतंकी संगठन पर एक्शन न ले पाने पर पाकिस्तान ने कई बार अपनी निराशा व्यक्त की है। इतना ही नहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अफगान तालिबान के बीच संबंधों में खटास इसी वजह से देखने को मिलती रही है। पाकिस्तान के अनुसार अफगानिस्तान द्वारा टीटीपी के खिलाफ कोई भी सक्रिय कदम न उठा पाना उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यूं तो अफगान तालिबान द्वारा टीटीपी की गतिविधियों पर रुख कड़ा किया जा रहा है। बावजूद इसके आतंकी संगठन अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान पर हमला करने से पीछे नहीं हट रहा है। इतना ही नहीं कुछ तालिबानी सदस्यों को तो इस संगठन में शामिल पाया गया है, जिससे इन आतंकियों के हौंसले और बुलंद हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अफगान तालिबान टीटीपी सदस्यों के परिजनों को भी सहायता पैकेज दे रहा है, जिससे साफ जाहिर होता है उन्हें गहरा समर्थन दिया जा रहा है।

विकीलीक्स को हैकिंग सीक्रेट सौंपने वाले को 40 वर्ष की जेल, देश की सुरक्षा को गंभीर क्षति

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के इतिहास में वर्गीकृत जानकारी की अब तक की सबसे बड़ी चोरी और बाल यौन शोषण की तस्वीरें तथा वीडियो रखने के लिए पूर्व सॉफ्टवेयर इंजीनियर को दोषी ठहराया गया है। मैनहट्टन संघीय अदालत में 35 वर्षीय जोशुआ शुल्टे को इस जुर्म में 40 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उसने 2017 में सीआईए की खुफिया सूचनाएं विकीलीक्स को लीक की थीं।

जोशुआ शुल्टे 2018 से जेल में बंद है। मैनहट्टन संघीय कोर्ट के जज एम. फुरमैन ने सजा देते हुए कहा, हमें संभवत: कभी भी नुकसान की पूरी सीमा का पता नहीं चलेगा, लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अमेरिकी इतिहास में बहुत ज्यादा था।

वॉल्ट-7 लीक से पता चला कि कैसे सीआईए ने विदेशी जासूसी अभियानों में एपल और एंड्रॉयड स्मार्टफोन को हैक किया और इंटरनेट से जुड़े टीवी को सुनने वाले उपकरणों में बदलने का प्रयास किया। अपनी गिरफ्तारी से पहले शुल्टे ने वर्जीनिया के लैंगली स्थित एजेंसी के मुख्यालय में एक कोडर के रूप में हैकिंग टूल बनाने में मदद की थी।

देश की सुरक्षा को गंभीर क्षति

जज फुरमैन ने कहा, शुल्टे ने कंप्यूटर पर एक छिपी हुई फाइल बनाकर सलाखों के पीछे से अपने अपराध जारी रखे। इनमें बाल यौन शोषण की 2,400 छवियां शामिल हैं। फुरमैन ने सीआईए के उप निदेशक डेविड कोहेन द्वारा सरकार को भेजे गए 1 पेज के पत्र का जिक्र भी किया, जिसमें शुल्टे के अपराधों को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा व सीआईए को गंभीर क्षति वाला बताया गया।

अमेरिका ने कीमत चुकाई

जज ने कहा, शुल्टे के कार्यों से सीआईए को करोड़ों डॉलर का नुकसान हुआ। उसकी कोशिशों से अमेरिका के पास विरोधियों के खिलाफ विदेशी खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमता कमजोर हो गई। इसने सीआईए के कर्मियों, कार्यक्रमों व संपत्तियों को खतरे में डाल दिया। सीआईए की संचालन क्षमता भी कमजोर हुई। संक्षेप में, इन कार्यों से अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ी।

शुल्टे बोला-यह न्याय नहीं है

शुल्टे ने ज्यादातर ब्रूकलिन के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में कठोर परिस्थितियों के बारे में शिकायत की, अपने सेल को 'मेरा यातना पिंजरा' कहा। उसने कहा, अभियोजकों ने एक बार उसे सौदे की पेशकश की, लेकिन उसके तहत वह अपील नहीं कर सकता था। शुल्टे ने कहा, यह न्याय नहीं है।

चुनाव प्रक्रिया से खुद अलग-थलग महसूस कर रहे हिंदू

कई लोगों का मतदाता के रूप में नहीं हुआ पंजीकरण

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में पांच दिन बाद आम चुनाव होने हैं। लेकिन, उससे पहले अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के ज्यादातर लोगों को लगता है कि उन्हें दक्षिणी सिंध प्रांत में चुनाव की प्रक्रिया से बाहर किया गया है। जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक, मुस्लिम बहुल पाकिस्तान में हिंदू आबादी कुल 2.1 फीसदी है। इसमें से नौ फीसदी सिंध प्रांत में रहते हैं। जहां उनकी सबसे बड़ी आबादी है। देश के संविधान के तहत कौमी असेंबली (संसद का निचला सदन) में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के लिए दस सीटें और प्रांतीय विधानसभा में 24 सीटें आरक्षित हैं। हिंदू समुदाय के नेताओं और सदस्यों का आरोप है कि उन्हें उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है और समुदाय के कई लोग मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। पाकिस्तान हिंदू परिषद के मुख्य संरक्षक रमेश कुमार वांकवानी ने कहा, हिंदू समुदाय, खासकर वे लोग जो आर्थिक रूप से कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से हैं या सिंध के दूरदराज के गांवों में रहते हैं, वे चुनाव प्रक्रिया से खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चुनावों से पहले हुई राष्ट्रीय जनगणना में हिंदुओं की गणना पूरी तरह से नहीं की गई। हम नेशनल डेटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी (एनएडीआरए) और पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) की ओर से जारी सूची से सहमत नहीं है। मतदाताओं को एनएडीआरए और ईसीपी में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराना होता है। कानून के मुताबिक, नागरिक को राज्य का होना चाहिए और उसे अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने से पहले ईसीपी में एक मतदाता के रूप में पंजीकृत होना होगा। लेकिन, सिंध में रहने वाले सबसे बड़े अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों का दावा है कि उनकी आबादी की तुलना में कुछ लोग ही अपने पहचान दस्तावेज के कारण मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। मीरपुर खास के स्थानीय हिंदू समुदाय के नेता शिवा काची ने कहा, हिंदुओं की संख्या सही नहीं है और बहुत से लोग दूरदराज के इलाकों में रहते हैं और पढ़े-लिखे नहीं हैं। इसलिए उनके पहचान दस्तावेजों में विसंगतियां हैं। जिसका मतलब है कि वे मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। साल 2018 में जब आम चुनाव हुए थे, तो करीब 10.59 करोड़ मतदातों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। कुल 36.26 लाख मतदाता अल्पसंख्यक समुदायों से थे। काची ने कहा, हकीकत में हिंदू पाकिस्तान का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। जिनकी कुल संख्या लगभग 47.7 लाख है। लेकिन आधिकारिक तौर पर केवल 17.77 लाख मतदाता ही पंजीकृत हैं। ईसाई समुदाय 16.39 लाख मतदाताओं के साथ दूसरे स्थान पर है। अहमदियों के पास 1,65,369 मतदाता थे, जबकि सिखों के पास 8,833 मतदाता थे। हिंदू समुदाय के एक अन्य नेता मुकेश मेघवार ने कहा, पाकिस्तान में अल्पसंख्य मतदाताओं की संख्या 2013 में 27.7 लाख से बढ़कर 208 में 36.26 लाख हो गई। लेकिन, निचली जाति के हिंदुओं को अभी भी मतदान का अधिकार नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि चुनाव प्रक्रिया में उनका प्रभाव और प्रतिनिधित्व वैसा नहीं है, जैसा होना चाहिए।

मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाइए भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : योगी

संत कबीरनगर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश बदल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत में 140 करोड़ लोगों का गौरव बढ़ा है। शक्तिशाली होने पर देश समर्थ होता है। समर्थ होने से समृद्धि आती है। इस समृद्धि को देखते हुए भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2024 में मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की कुर्सी सौंपिए, भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बारे में भी समझाया। उन्होंने कहा कि इसका मतलब हर नागरिक के जीवन में परिवर्तन होना, प्रति व्यक्ति आय बढ़ना है। उत्तर प्रदेश में पिछले छह वर्ष में छह करोड़ व देश में 24 करोड़ लोग गरीबी से ऊपर उठे हैं। बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को मगहर कबीर महोत्सव 2024 के समापन समारोह में पहुंचे थे। यहां उन्होंने 360 करोड़ की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। संत कबीर स्थली पर 600 जोड़ों के सामूहिक विवाह में नवदंपत्तियों को आशीर्वाद दिया। इसके अलावा उन्होंने बटन दबाकर इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का शुभारंभ भी किया। सीएम ने सुप्रसिद्ध गायिका स्वाति

मिश्रा के भजन को सुना और अन्य कार्यक्रमों का लुत? उठाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कबीर के बगैर मगहर सचमुच नरक है। मध्यकाल के इस महान संत ने इस चुनौती को कबूल किया था, जब मगहर के बारे में मान्यता थी कि यहां जाने पर नरक मिलता है। यह बंजर क्षेत्र था। यहां की मिट्टी नमकीन और पानी खारा था, लेकिन उनके चमत्कार ने इसे स्वर्णमयी बना दिया। यहां पवित्र आमी नदी बह रही है। जैसी फसलें सब जगह होती हैं, वैसे ही यहां भी होती हैं। यहां का पानी मीठा हो गया और संत कबीर के चमत्कार से यह जनपद चमत्कृत हो गया। योगी ने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला के भव्य मंदिर बनने के उपरांत संतकबीर नगर आने पर 360 करोड़ की परियोजना के लोकार्पण-शिलान्यास का अवसर प्राप्त हुआ है। इनमें सुरक्षा, पर्यटन व आम नागरिक से जुड़ी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल आदि से जुड़ी योजनाएं हैं, जो जीवन में व्यापक परिवर्तन का कारक बनती है। यह महत्वपूर्ण क्षण है, जब तकनीक का उपयोग करते हुए हम लोग हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी दे सकते हैं। हमने यूपी में सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी होती, यूपीवासियों के समक्ष 2017 के पहले जैसा पहचान का संकट होता। तब न निवेश होता और न ही विकास। हम सभी पहचान के लिए मोहताज होते। जनता ने भूमिका का निर्वहन किया। डबल इंजन की सरकार आई तो सुरक्षा का बेहतर वातावरण मिला। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि संतकबीर नगर नया जनपद है, फिर भी यह तेजी से अपनी विकास यात्रा को बढ़ा रहा है। पिछले पांच वर्ष के भीतर यहां पीएम मोदी व राष्ट्रपति का कार्यक्रम लगा। यहां कबीर एकेडमी का निर्माण हुआ। बखिरा ताल का पुनरुद्धार कर इको टूरिज्म का नया केंद्र बनाने की तैयारी है। पक्षी बिहार के साथ यहां पर्यटक आ आएंगे। स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के साधन सृजित होंगे और यह मनोरंजन व प्रवासी पक्षियों का केंद्र भी बनेगा। उन्होंने कहा कि मछुआरों के लिए भी मछली पालन के प्रमुख केंद्र के रूप में इसे विकसित किया जा सके। तामेश्वर धाम मंदिर के पुनरुद्धार व पर्यटन विकास को बढ़ाने जा रहे हैं। आने वाले समय में संत कबीरनगर में अपना मेडिकल कॉलेज होगा। बस अड्डे के निर्माण की कार्रवाई बढ़ेगी। इन सब कार्यों के लिए सुरक्षा का माहौल चाहिए। योगी ने कहा कि संत कबीर नगर में भी निवेश प्रस्ताव मिले थे, जल्द ही ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कर इसके माध्यम से शिलान्यास करने जा रहे हैं। इससे संतकबीर नगर के भी हजारों नौजवानों को रोजगार व नौकरी मिलेगी।

नहीं बक्शे जाएंगे भू-माफिया अवैध कॉलोनी पर चलेगी जेसीबी

बरेली (हिंस)। शहर में जो भी अवैध कॉलोनी बसाई गई है उन पर जेसीबी चलेगी। भूमाफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई कर गैंगस्टर लगेगा। यह कहना था बीडीए के नवागत उपाध्यक्ष मनिकंदन ए का। शनिवार को बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंदन ए ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि नाथ कॉरिडोर का कार्य तेजी सें चल रहा जिसके बाद लोग बरेली को नाथ नगरी के नाम सें जानेंगे। उन्होंने कहा नॉर्थ कॉरिडोर शासन की भी पहली प्राथमिकता है। बीडीए लगातार नॉर्थ कॉरिडोर पर निगाह बनाए हुए हैं। बीडीए की भी पहली प्राथमिकता नॉर्थ कॉरिडोर है। उसके अलावा ग्रेटर बरेली को लेकर भी कार्य में रफ्तार पकड़ी जाएगी। शासन की ओर से जो किश्त मिलनी थी वह मंजूर हो चुकी है। उसके अलावा जो भी बरेली वासियो की जरूरतें हैं उनको समझकर बीडीए बरेली के विकास के लिए आगे बढ़ेगा। बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंदन ए नें कहा जो भी बीडीए की जमीन पर कब्जे किए जा रहे हैं। ऐसे भूमाफियाओं के खिलाफ जेसीबी चलाई जाएगी उन पर गैंगस्टर लगाकर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा

मुख्यमंत्री के पास गृह और सामान्य प्रशासन

पटना (हिंस)। राज्य में भाजपा-जदयू की सरकार बनने के छह दिन बाद शनिवार को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर गृह और सामान्य प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं। दोनों उप मुख्यमंत्रियों को नौ-नौ विभागों का जिम्मा दिया गया है। नीतीश कुमार के पास सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन तथा ऐसे सभी विभाग जो किसी को भी आवंटित नहीं किए गए हैं वह उनके पास रहेंगे। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास कुल नौ विभागों का जिम्मा है। इसमें वित्त, वाणिज्य कर, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, खेल, पंचायती राज, उद्योग, पशु एवं मत्स्य संसाधन तथा विधि विभाग हैं। दूसरे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास भी नौ विभाग हैं। इनमें कृषि, पथ निर्माण, राजस्व एवं भूमि सुधार, गन्ना उद्योग, खान एवं भूतत्व, श्रम संसाधन, कला संस्कृति एवं युवा, लघु जल संसाधन मंत्रालय तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण हैं। जदयू के विजय कुमार चौधरी के पास कुल छह विभाग हैं। इनमें जल संसाधन, संसदीय कार्य, भवन निर्माण, परिवहन, शिक्षा, सूचना एवं जनसंपर्क हैं। विजेंद्र प्रसाद यादव के पास पांच विभाग हैं, जिसमें ऊर्जा योजना एवं विकास, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन तथा ग्रामीण कार्य और अल्पसंख्यक कल्याण हैं। भाजपा के डॉ. प्रेम कुमार के पास सहकारिता, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा पर्यटन यानी कुल पांच विभाग हैं। जदयू के श्रवण कुमार के पास ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग हैं। हम के संतोष कुमार सुमन को सूचना प्रावैधिकी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को एक बार फिर से विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग का जिम्मा दिया गया है।

पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने दिया इस्तीफा

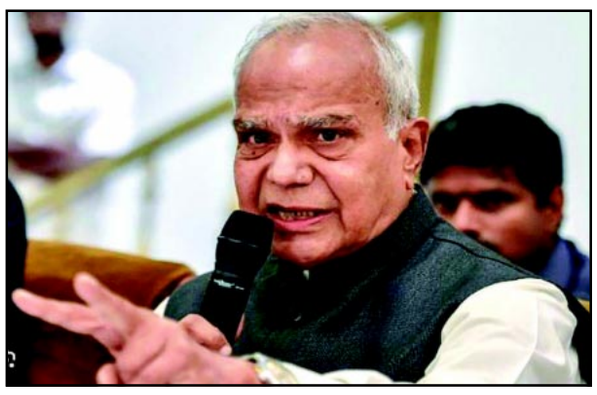

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल पुरोहित ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा है। इससे पहले राज्यपाल ने गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की थी। भाजपा से लंबे समय से जुड़े रहे पुरोहित को 11 सितंबर 2021 को पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह वर्ष 2017 से 2021 तक तमिलनाडु और वर्ष 2016 से 2017 तक असम के राज्यपाल रहे। पुरोहित का जन्म 16 अप्रैल 1940 को राजस्थान के नवलगढ़ में हुआ था। पुरोहित इस पद पर दो साल 127 दिनों तक रहे। शनिवार को राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र में पुरोहित ने कहा कि वह व्यक्तिगत कारणों तथा अन्य प्रतिबद्धताओं के चलते इस पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पंजाब-हरियाणा में हुए समझौते के तहत पुरोहित के पास पंजाब का राज्यपाल होने के नाते चंडीगढ़ के प्रशासक का जिम्मा भी था। इस इस्तीफे के बाद राज्यपाल पद के अलावा चंडीगढ़ में प्रशासक का पद भी रिक्त हो गया है।

नवजोत सिद्धू को कांग्रेस हाईकमान ने जारी किया नोटिस

चंडीगढ़ (हिंस)। पिछले कई महीनों से पंजाब कांग्रेस से अलग चल रहे नवजोत सिंह सिद्धू पर हाईकमान सख्त हो गई है। पार्टी ने सिद्धू को नोटिस जारी कर दिया है। इससे पहले सिद्धू के करीबियों के खिलाफ भी कार्रवाई हो चुकी है। पंजाब में कांग्रेस अपनी चुनावी रणनीति बनाने की तैयारी में है। इसके मद्देनजर एक फरवरी को कांग्रेस चुनाव समिति की अहम बैठक हुई थी। इस बैठक से पार्टी नेता नवजोत सिंह सिद्धू नदारद रहे। उन्होंने कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ अलग से बैठक की। अब इस मामले में कांग्रेस आलाकमान ने नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है। शनिवार को पार्टी ने सिद्धू को नोटिस जारी किया है। नोटिस के कुछ देर बाद सिद्धू ने शायराना अंदाज में एक्स पोस्ट किया। जिसमें लिखा-ये दबदबा, ये हुकूमत, ये नशा, ये दौलत, सब किरायेदार हैं, मकान बदलते रहते हैं। बताया जा रहा है कि 11 फरवरी को लुधियाना के समराला में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली है। रैली के बाद पार्टी सिद्धू के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए सकारात्मकता से करेंगे काम : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में चिकित्सा का परिदृश्य बदला है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि देश के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनना चाहिए। राजस्थान के सभी 33 जिलों में मेडिकल कॉलेज बने, इसके लिए हम सकारात्मकता के साथ काम करेंगे। शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर के चौथे दीक्षांत समारोह में शेखावत ने कहा कि ऐसे कालखंड में जब देश बदलाव की ओर है। असीम संभावनाओं की ऊर्जा और अपेक्षा को लेकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने देश का प्रधानमंत्री बनने के साथ गांव, गरीब, किसान, पीड़ित और शोषितों के जीवन में परिवर्तन लाने का संकल्प लेकर कार्य प्रारंभ किया था। एक तरफ गरीबों को सामान्य मूलभूत आवश्यकता की चुनौती से

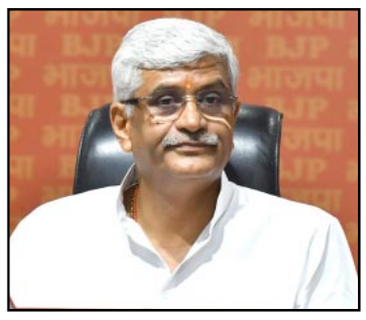

उभारना है तो दूसरी तरफ भारत को विकसित करने के लिए विकसित देशों के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि भारत का बदलाव पूरे विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाला है। ऐसे समय में हम सब लोगों को काम करने का सौभाग्यपूर्ण अवसर मिला है। विशेष रूप से ऐसे डॉक्टरों, जिनको इस समय अपने जीवन का प्रारंभ करने का अवसर मिला है, वो बदलाव के न केवल साक्षी बन सकते हैं, बल्कि बदलाव के रचयिता भी हो सकते हैं। शेखावत ने कहा कि एम्स जोधपुर के विस्तार का जब काम चल रहा था, तब बात आई कि एम्स में एक धर्मशाला का निर्माण होना चाहिए। जोधपुर एम्स की जब हमने प्लानिंग की थी, उस समय भी इस बात का प्रावधान किया गया था। एक ऐसा स्थान बनाने की बात थी, जहां मरीजों के अतिरिक्त अटेंडेंट्स के रहने की व्यवस्था हो सके। इस संदर्भ में मैंने डी मार्ट वाले राधाकृष्ण दमानी से बात की थी। उनसे निवेदन किया था। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि उन्होंने इस बात के लिए स्वीकृति प्रदान की है। वो 100 करोड़ रुपये जोधपुर एम्स में इस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए अपने सीएसआर फंड से देंगे। समारोह के दौरान वर्चुअल रूप से एम्स जोधपुर, नागपुर, बिलासपुर और अन्य एम्स में विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और सेवाओं का भी विधिवत उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया गया। इनमें एम्स जोधपुर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, नवजात शिशुओं के लिए मॉडल प्रारंभिक हस्तक्षेप (इंटरवेंशन) केंद्र और व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) और केंद्रीय पशु गृह सुविधा प्रमुख हैं। एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर को प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत उन्नयन के तहत कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। जोधपुर सहित विभिन्न एम्स और राजस्थान में स्वास्थ्य परियोजनाओं और सुविधाओ का शिलान्यास, उद्घाटन व लोकार्पण भी किया गया। समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा, मैं बिना बुलाए शादी में मेहमान बन गया

संत कबीरनगर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अचानक संत कबीरनगर के दौरे पर पहुंचे। यहां वह सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम स्थल भी पहुंचे। यहां स्वयं के अचानक पहुंचने पर चुटकी लेते हुए कहा कि मै बिना बुलाये शादी में मेहमान बन गया। दरअसल, जब योगी आदित्यनाथ सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचे तो वहां गोरखपुर का भी एक लड़का जिसकी शादी हो रही थी। इसे साझा करते हुए और लड़के की ओर देखते हुए चुटकी लेने के अंदाज में कहा कि तुमने अपने शादी का कार्ड नहीं दिया, लेकिन सरकार की योजना मुझे यहां खींच लाई। मैं बिना बुलाए मेहमान की तरह आपकी शादी में शामिल हो गया। इस दौरान योगी ने

नवदंपत्तियों से पूछा कि किसी की बारात में इतनी संख्या आती है। मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, अफसर समेत समाज का हर तबका भी यहां है। इतनी भीड़ मैंने बरात में देखी ही नहीं है, लेकिन सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से इन गरीब बालिकाओं के शादी-विवाह के कार्यक्रम पर ईश्वर संत कबीर की कृपा और डबल इंजन सरकार का प्रभाव है। कबीर महोत्सव के अवसर पर मगहर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत दहेज मुक्त 600 बालक-बालिकाएं दांपत्य जीवन में जुड़ रही हैं। हर जोड़े पर सरकार 51 हजार रुपये खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को संत कबीरनगर में थे। यहां कार्यक्रम के पहले मुख्यमंत्री संत कबीर की महापरिनिर्वाण स्थली पर गए। उन्होंने यहां पुष्प अर्पित किए और चादर भी चढ़ाई। यहां मुख्यमंत्री के साथ सांसद इंजी. प्रवीण निषाद, कबीर चौरा मठ के महंत विचार दास, प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, विधायक अंकुर राज तिवारी, घनघटा विधायक गणेश चंद्र चौहान, मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी, पूर्व सांसद इंद्रजीत मिश्र, अष्टभुजा शुक्ला, पूर्व विधायक राकेश सिंह बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदंबा श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

भारत की राजनीति में शुचिता के प्रतीक हैं लाल कृष्ण आडवाणी : मरांडी

रांची (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने स्वागत किया। उन्होंने खुशी जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। मरांडी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि भारतीय राजनीति में आडवाणी जी शुचिता का प्रतीक हैं। उन्होंने न तो परिवार के लिए राजनीति की और न ही पैसे के लिए। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जब उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा तो उन्होंने लोकसभा से इस्तीफा दे दिया और घोषणा की कि जब तक वह बरी नहीं हो जाते तब तक वह सदन में प्रवेश नहीं करेंगे। जांच के बाद उन्हें बरी कर दिया गया और तभी उन्होंने संसद का चुनाव लड़ा। ऐसे आदर्श को भारत रत्न से सम्मानित करना अपने आप में गौरव की बात है। वह वास्तव में इसके हकदार हैं। बाबूलाल मरांडी ने लालकृष्ण आडवाणी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि इस फैसले से हम सभी खुश हैं। लालकृष्ण आडवाणी को इससे पहले 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

सीएम को धमकी देने वाले चारों बदमाशों को अजमेर जेल में किया शिफ्ट

अजमेर (हिंस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धमकी देने वाले चार बदमाशों को हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर में शिफ्ट कर दिया गया। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने बताया कि जुल मुख्यालय के आदेश के अनुसार सजायाफ्ता कैदी मुकेश इसरानी, हनुमानाराम बिश्नोई, चेतन जाट और राकेश जैन को जयपुर से कड़ी सुरक्षा के बीच अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल लाया गया है। सभी बदमाशों का मेडिकल जांच कराने व गहन जांच के के बाद हाई सिक्योरिटी जेल के बैरक में भेज दिया गया। गौरतलब है कि करीब एक माह के आसपास जयपुर सेंट्रल जेल में सजा काट रहे मुकेश, राकेश और चेतन को प्रकरण में पकड़ा गया था। आरोपितों ने जेल से जयपुर कंट्रोल रूम को कॉल कर सीएम भजनलाल शर्मा के नाम की धमकी दी थी।

सरकार की नीतियों के खिलाफ डीएलएड प्रशिक्षुओं ने खोला मोर्चा

पश्चिम चंपारण (हिंस)। वाल्मीकि नगर स्थित प्रखंड शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान वायट परिसर में शनिवार को वर्ष 2022- 24 सत्र के डीएलएड प्रशिक्षु नई सरकार की नीतियों के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए विरोध पूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में भारी संख्या में छात्र एंव छात्राएं उपस्थित रहें। छात्र-छात्राओं का नेतृत्व कर रहे अमन कुमार ने बताया कि सरकार और बीपीएससी आयोग के द्वारा कैलेंडर जारी किया

गया था, कि शिक्षक बहाली की प्रक्रिया अगस्त महीने में की जाएगी और इसे मार्च माह में ही आयोजित किया जा रहा है। जिससे इस सत्र के छात्र-छात्राएं परीक्षा से वंचित हो जायेंगे। सचिव के के पाठक के द्वारा भी आश्वासन दिया गया था, किंतु सरकार बदलते ही नीतियों में बदलाव किया गया है। इस कारण सभी संस्थानों के डीएलएड प्रशिक्षुओं के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है ताकि मार्च में होने वाली परीक्षा में हम सभी छात्र एंव छात्राओं को भी शामिल होने का मौका मिले। सरकार से उम्मीद है, कि हमारी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने सरकार से अपील किया कि सरकार द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार परीक्षा ली जाए। ताकि सत्र 2022-24 के सभी डीएलएड प्रशिक्षुओं को इस परीक्षा में शामिल होने का मौका मिले। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी, तब-तक हमारा विरोध पूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा।

राजनीतिक दलों से पहले युवा ने ठोकी हिसार लोकसभा क्षेत्र से ताल

हिसार (हिंस)। नशा मुक्त हरियाणा का नारा देते हुए युवा समाजसेवी साहिल ठकराल ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए हिसार से ताल ठोंक दी है। साहिल ठकराल का प्रचार का अंदाज भी निराला है। अभी वे सीधे रूप से लोगों के संपर्क में नहीं आए हैं परंतु लोग उनसे संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। जी हां, युवा समाजसेवी साहिल ठकराल ने लोकसभा चुनाव के लिए हिसार संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। हालांकि अभी वे सार्वजनिक रूप से न तो मीडिया के सामने आए हैं और न ही कोई जनसभा, नुक्कड़ सभा या अन्य कोई कार्यक्रम किया है। इसके बावजूद उनका प्रचार अभियान अनोखे अंदाज में जारी है। उनका प्रचार अभियान गूगल साइट पर चल रहा है। गूगल की कोई भी साइट खोलते ही उसमें हिसार लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी साहिल ठकराल लिखा आएगा। काका के नाम से मशहूर साहिल ठकराल ने जैसे ही लोकसभा चुनाव लड़ने का घोषणा की, उनका चुनाव प्रचार का विज्ञापन धड़ाधड़ गूगल पर दिखाई देने लगा। खास बात यह है कि गूगल पर विज्ञापन देकर साहिल ठकराल जहां तकनीकी रूप से आगे होने का प्रभाव दिखा रहे हैं, वहीं लोकसभा क्षेत्र की जनता उन्हें ढूंढ रही है। अभी तक उनका ऐसा कोई कार्यक्रम सामने नहीं आया है, जिससे जनता जान सके कि साहिल ठकराल काका है कौन ? ऐसे में देखना है कि राजनीतिक पार्टियों से पहले ही हिसार लोकसभा चुनाव के मैदान में ताल ठोकने वाले साहिल ठकराल काका अब किस नए रूप में जनता के सामने आते हैं। विज्ञापन में दिए गए उनके नंबर पर फोन करने पर उन्होंने केवल इतना ही कहा कि वे हिसार लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे और नशा मुक्त हरियाणा उनका संकल्प है।

दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात किया : सुरजेवाला

फतेहाबाद (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार के 10 वर्ष के शासन में आमजन को केवल आक्रोश ही मिला है। प्रदेश में बीजेपी-जेजेपी गठबंधन सरकार की गलत नीतियों के कारण आज नौजवान खासकर हमारी शिक्षित और काबिल बेटियां नौकरी के लिए ठोकरे खा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा चुनाव से पहले किए सभी वादे जुमले साबित हुए हैं। वह शनिवार को कुलां में कांग्रेस द्वारा आयोजित जन आक्रोश रैली को संबोधित कर रहे थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलजिन्द्र सिंह ठरवी द्वारा आयोजित इस रैली में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा सरकार को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ऐसी पहली सरकार है जिसने खेती पर टैक्स लगाया है। सरकार किसानों को सम्मान निधि से प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए देने का दावा कर रही है, लेकिन सरकार द्वारा लगाए जा रहे टैक्स से प्रति हेक्टेयर 25 हजार रुपए सालाना किसान की जेब पर बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में महंगाई चरम पर है। कांग्रेस सरकार के दौरान जो डीजल 56

रुपए लीटर होता था, आज वो 90 रुपए के आसपास है, वहीं पेट्रोल भी जो कांग्रेस शासन में 71 रुपए होता था वो आज 100 रुपए के आसपास पहुंच गया है। सुरजेवाला ने कहा कि सरकार ने नौजवानों के भविष्य को मंडी में बोली लगा कर बेच दिया है। चपरासी से लेकर जज तक सभी के पेपर लीक कर मंडी में बेचे जा रहे हैं। ऐसा सरकार के संरक्षण के बगैर होना संभव नहीं है।

आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करने के निर्णय पर एमएलए ने जताई कृतज्ञता

अररिया (हिंस)। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने के केंद्र सरकार के निर्णय पर फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी ने खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री और सरकार के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा उपरांत फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी का भारत के विकास में योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन सामान्य स्तर पर काम करने से शुरू होकर उप-प्रधानमंत्री की यात्रा तक का है।

पिंक सिटी जयपुर में हिंदुत्व का झंडा लेकर पहुंचे भजन सम्राट अनूप जलोटा

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में शनिवार को अल्बर्ट हॉल साउथ गेट पर मास्क टीवी और टैग प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित अपकमिंग फिल्म हिंदुत्व के प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और स्टारकास्ट ने शिरकत कर मीडिया से रूबरू होकर इस फिल्म से जुड़ी जानकारियां शेयर की। फिल्म हिंदुत्व के बारे में बात करते हुए भजन सम्राट अनूप जलोटा ने बताया कि उनके अभिनय और भजन से सजी यह फिल्म आगामी 9 फरवरी को मास्क टीवी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। यह फिल्म एक ऐसे जेनरेशन की कहानी पर आधारित फिल्म है जिसे अपनी संस्कृति के बिखराव से कोई लगाव नहीं है। इस पीढ़ी को मालूम ही नही है कि यदि उसकी मूल पहचान ही मिटा दिया जाए तो उसका भविष्य कितना भयावह हो सकता है। फिल्म में सेक्युलरिज्म और हिंदुत्व के असल मायने बताए गए हैं। जिसमे एक युवती अपने धर्म से विमुख होकर किसी अन्य धर्म के लड़के के

चंगुल में पड़ जाती है जिसे बाद में अपने किए पर अफसोस होता है और उसे अपने कॉलेज का ही एक लड़का सही रास्ते पर लाने की कोशिश करता है। यही इस हिंदुत्व की कहानी है जिसमें धर्म, नैतिकता, समर्पण, बदला, संस्कृति और सद्भाव का संपूर्ण समावेश देखने को मिलेगा। इस फिल्म के राइटर-डायरेक्टर करण राजदान, प्रोड्यूसर अंजू भट्ट एवं चिरंजीवी भट्ट हैं। भजन सम्राट अनूप जलोटा, आर्टिस्ट आशीष शर्मा और मानसी भट्ट ने इस फिल्म में भूमिकाएं निभाई हैं।

बीते सप्ताह शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव भरा रहा सत्र , सेंसेक्स 21,853.80 और निफ्टी 21,853.80 पर बंद

मुंबई।
बीते सप्ताह शेयर बाजार में पूरे सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया और अंतरिम बजट के दूसरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई।

बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन मजबूत खरीदारी दिखी और इससे बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत हुए।

शुरुआत में सेंसेक्स 565.32 अंकों की बढ़त के साथ 71,251.03 पर खुला और 1,240.90 अंकों की बढ़त के साथ 71,941.57 अंकों पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 182.21 अंक मजबूत होकर 21,534.80 पर खुला और 385.00 अंकों की बढ़त के साथ 21,737.60 के स्तर पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में सूचकांकों ने कारोबारी सत्र की शुरुआत वैश्विक बाजारों में अच्छे संकेतों की वजह से मामूली बढ़त के साथ की। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 59 अंक बढ़कर 72,000 पर खुला और 802 अंक की गिरावट के साथ 71,140 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 21,800 के स्तर के करीब चला गया और 215 अंक फिसलकर 21,522 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत हुई। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बाद बाजार लाल निशान पर खुला। सेंसेक्स करीब 200 अंक नीचे 70,900 पर खुला और 612.21 अंकों की बढ़त के साथ 71,752.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंक टूटकर 21,450 पर खुला और 203.61 अंकों की बढ़त के साथ 21,725.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 219.05 अंकों की बढ़त के साथ 71,960.01 पर खुला और 106.81 अंक गिरकर 71,645.30 पर बंद हुआ। निफ्टी 58.46 अंक मजबूत होकर 21,784.15 के स्तर पर कारोबार करता दिखा और 28.25 अंक की गिरावट के साथ 21,697.45 पर बंद हुआ। सेंसेक्स करीब 710.62 अंक उछलकर 72,351.99 पर खुला और 156.35 अंकों की मजबूती के साथ 21,853.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 429.35 अंक उछलकर अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 22,126.80 पर खुला और 156.35 अंकों की मजबूती के साथ 21,853.80 पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

एफपीआई ने जनवरी में 25,000 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके. विजयकुमार ने कहा कि इस वर्ष जनवरी में एफपीआई प्रवाह की एक महत्वपूर्ण विशेषता इक्विटी और ऋण प्रवाह में भिन्न रुझान था। जबकि, इक्विटी में 25,734 करोड़ रुपये की शुद्ध बिक्री देखी गई, डेट में 19,836 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी देखी गई। इन आंकड़ों में नकदी बाजार, प्राथमिक बाजार और अन्य शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस प्रवृत्ति के तीन कारण हैं, जनवरी में अमेरिकी बांड मुनाफा दिसंबर 2023 में लगभग 3.88 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 4.16 प्रतिशत हो गया। इसने इक्विटी से उच्च उपज वाले अमेरिकी बांडों की ओर बहिर्वाह को प्रेरित किया। दूसरा, भारतीय इक्विटी दुनिया में सबसे महंगी हो गई (वित्त वर्ष 2024 की अनुमानित कमाई के आधार पर निफ्टी लगभग 21 के पीई पर कारोबार कर रहा है)। इससे भारत में इक्विटी बिकवाली शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि तीसरा कुछ एफपीआई जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट बॉन्ड फंड में भारत के शामिल होने के बाद भारतीय बॉन्ड बाजार में प्रवाह की उम्मीद करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया, आगे चलकर इक्विटी बाजार में एफपीआई का प्रवाह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के रुझान और वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में इक्विटी बाजार के रुझान पर निर्भर करेगा। अमेरिकी बांड मुनाफे में फिर से तेजी से गिरावट आई है, इसलिए एफपीआई द्वारा फरवरी में बड़ी मात्रा में बेचने की संभावना नहीं है।

वार्निंग लाइट्स में खराबी को लेकर टेस्ला ने अमेरिका से दो मिलियन से अधिक वाहन लिए वापस

सैन फ्रांसिस्को। टेस्ला वार्निंग लाइट्स मुद्दे को लेकर अमेरिका से लगभग दो मिलियन से अधिक वाहनों वापस बुला रही है। इन सभी वाहनों को वार्निंग लाइट के गलत फॉन्ट साइज के कारण रिकॉल किया जा रहा है। यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) के पास दायर एक रिकॉल नोटिस के अनुसार लगभग 2.2 मिलियन वाहनों को रिकॉल करने में मॉडल एस, मॉडल एक्स, 2017-2023 मॉडल 3, मॉडल वाई और 2024 साइबरट्रक वाहन सहित लगभग सभी टेस्ला ईवी मॉडल शामिल हैं। नोटिस के अनुसार, ब्रेक पार्क और एंटीलॉक ब्रेक सिस्टम (एबीएस) वार्निंग लाइट्स के लिए उपकरण पैनल पर एक गलत फ़ॉन्ट आकार प्रदर्शित होता है। इस प्रकार ये वाहन संघीय मोटर वाहन सुरक्षा मानक संख्या 105 हाइड्रोलिक और इलेक्ट्रिक ब्रेक सिस्टम और 135 हल्के वाहन ब्रेक सिस्टम की आवश्यकताओं का पालन करने में विफल है। एनएचटीएसए ने यह भी नोट किया कि छोटे फ़ॉन्ट आकार वाली वार्निंग लाइट्स पैनल पर महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी को पढ़ना मुश्किल बना सकती हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार में हुई 591 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी, 616.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचा आंकड़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि 26 जनवरी को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 591 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 616.733 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वहीं पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल भंडार 2.795 बिलियन अमेरिकी डॉलर गिरकर 616.143 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था। अक्टूबर 2021 में देश की विदेशी मुद्रा निधि 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले साल से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की रक्षा के लिए निधि को तैनात किया था, जिससे भंडार प्रभावित हुआ। विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी आंकड़ों में कहा गया है कि 26 जनवरी को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा संपत्ति, भंडार का एक प्रमुख घटक, 289 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 546.144 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की सराहना या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

टीवी सोमनाथन ने पूंजीगत खर्च बढ़ाने की आलोचनाओं को किया खारिज, कहा- राजकोषीय घाटे का लक्ष्य होगा पूरा

नई दिल्ली।

बाहरी चुनौतियों के बीच सरकार ने अंतरिम बजट 2024-25 में लोकलुभावन घोषणाओं की जगह चौतरफा विकास को तरजीह दी है। अर्थव्यवस्था को 7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ाने के लिए जहां एक ओर महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्रों और सड़क-रेल जैसी बुनियादी ढांचों पर खर्च बढ़ाया गया है, वहीं, कुल खर्च को नियंत्रण में रखने के लिए राजकोषीय मोर्चे पर विवेकपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने कहा कि 2024-25 में राजकोषीय घाटे को 0.7 फीसदी कम कर 5.1 फीसदी पर लाने का सरकार का लक्ष्य महत्वाकांक्षी होने के साथ यथार्थवादी भी है। यह तीन स्तंभों पर आधारित है। पहला, हमने कर राजस्व में लगभग 11.5 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है। दूसरा, चालू वित्त वर्ष के उच्च आधार के मुकाबले गैर-कर राजस्व में थोड़ी वृद्धि की उम्मीद है। तीसरा, पूंजीगत खर्च में 11.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। राजस्व खर्च का यह अनुमान वास्तविक धारणा पर आधारित है।

सोमनाथन ने कहा, इन तीन स्तंभों तार्किक राजस्व वृद्धि, गैर-कर राजस्व में उचित बढ़ोतरी और पूंजीगत खर्च में एक संतुलित वृद्धि के आधार पर हमें पूरा भरोसा है कि हम राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। पूंजीगत खर्च पर आलोचना को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, बहुत ऊंचे आधार पर 11.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि है। पहले, एक छोटा आधार था, लेकिन अब हमारे पास बड़ा आधार है, इसलिए छोटी वृद्धि ही हो सकती है। 11.11 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च सिर्फ एक चेक पर हस्ताक्षर कर नहीं किया जा सकता है। इसके लिए जमीन पर काम करने की जरूरत है। इसमें मंजूरी, भूमि अधिग्रहण और निर्माण जैसे मसले शामिल हैं। इसके अलावा, अनाज और उर्वरक पर सब्सिडी नहीं बढ़ाई गई है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए आवंटित 1.88 लाख करोड़ की तुलना में 2024-25 के लिए उर्वरक सब्सिडी 1.64 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है। खाद्य सब्सिडी भी 2.12 लाख करोड़ की तुलना में घटाकर 2.05 लाख करोड़ की गई है।

अंतरिम बजट राजकोषीय नजरिये से सूझबूझ वाला: नीति आयोग - नीति आयोग के उपाध्यक्ष

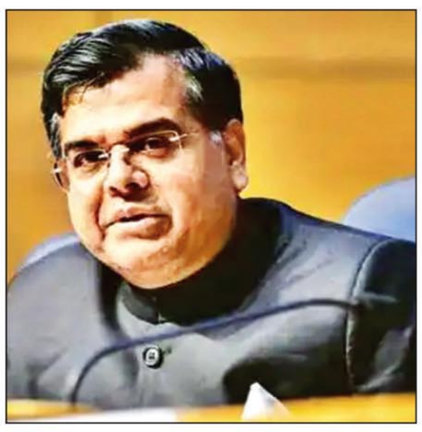

सुमन बेरी ने अंतरिम बजट को 'राजकोषीय नजरिये से सूझबूझ' वाला बताया है। उन्होंने कहा, इस साल के बजट का राजकोषीय परिणाम अनुमान से बेहतर है। अंतरिम बजट 2025-26 तक 4.5 फीसदी का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य पाने में मददगार होगा। साथ ही, यह नया आधार तैयार करता है और जुलाई में पेश किए जाने वाले पूर्ण बजट के बारे में संकेत देता है। बेरी ने कहा, कोविड महामारी के समय अर्थव्यवस्था की हालत खराब हो गई थी। इसलिए, पूंजीगत खर्च पर जोर दिया जा रहा है। निजी निवेश दोबारा शुरू होने के भी कई संकेत दिख रहे हैं। भारत की कृषि उत्पादकता अपेक्षा से काफी कम है। हालांकि, कृषि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। उपाध्यक्ष ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को जरूरी बताते हुए कहा, प्रक्रियागत सुधार मुश्किल हैं। इनमें से कुछ को राज्यों के स्तर पर अंजाम देना है।

2024-25 में 11 फीसदी बढ़ेगा जीएसटी संग्रह - राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा का कहना है कि 2024-25 में जीएसटी संग्रह करीब 11 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। अगर चालू वित्त वर्ष में मासिक संग्रह 1.67 लाख करोड़ रुपये है तो 11 फीसदी वृद्धि के साथ इसे करीब 1.85 लाख करोड़ रुपये होना चाहिए। अगले वित्त वर्ष में औसतन इतना संग्रह आराम से होगा। बजट में अगले वित्त वर्ष के दौरान 10.68 लाख करोड़ के जीएसटी संग्रह का अनुमान लगाया गया है। यह 2023-24 के 9.57 लाख करोड़ से 11.6 फीसदी अधिक है। मोबाइल कलपुर्जे और घटकों के सीमा शुल्क 15 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने पर सचिव ने कहा, इससे राजस्व पर 500 करोड़ रुपये से भी कम असर पड़ेगा। लेकिन, मोबाइल विनिर्माण में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

वित्त मंत्री ने दरों में बदलाव के प्रलोभन से खुद को दूर रखा - अंतरिम बजट में कर दरों में बदलाव नहीं करने पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, यह उचित है कि वित्त मंत्री ने रियायतें देने या दरों में कोई बदलाव करने के प्रलोभन से खुद को दूर रखा है। स्टार्टअप के लिए कर प्रोत्साहन बढ़ाने के प्रस्ताव के प्रभाव पर उन्होंने कहा, इसका मकसद देश के स्टार्टअप परिवेश को प्रोत्साहित करना है। गोयल ने कहा, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को प्रभावित किया है। अमेरिका और अन्य विकसित देशों में ब्याज दरों में बड़े पैमाने पर वृद्धि देखी गई है। लेकिन, इन चुनौतियों के बावजूद भारत विदेशी कंपनियों के लिए दुनिया का उवल स्थान बना रहेगा। मुक्त व्यापार समझौतों या द्विपक्षीय निवेश संधियों पर हस्ताक्षर करते समय सरकार हमेशा यह सुनिश्चित करती है कि सभी शर्तें भारत के लिए सर्वोत्तम हों।

खर्च और नीतियों का जीडीपी पर होगा गुणक प्रभाव : आर्थिक सचिव - आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। नीतियों, राजकोषीय रुख और पूंजीगत खर्च पर जोर दिए जाने का जीडीपी पर बहुत अधिक गुणक प्रभाव होगा। रोजगार भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा, अंतरिम बजट में गैर-महंगाईकारी प्रस्तावों से अगले वित्त वर्ष में चौथे साल भी 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में मदद मिलेगी। हालांकि, देशों के बीच तनाव से बाहरी जोखिम बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है। सेठ ने कहा, हमने अगले वित्त वर्ष के लिए मौजूदा बाजार मूल्य पर 10.5 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह अगले साल के लिए सामान्य वृद्धि दर का यथार्थवादी अनुमान है।

जूम ने की 150 कर्मचारियों की छंटनी, ओक्टा ने 400 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली।

वीडियो संचार प्लेटफॉर्म जूम लगभग 150 कर्मचारियों या कंपनी के दो प्रतिशत से भी कम कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है. जूम ने अपने एक बयान में कहा कि छंटनी के बावजूद कंपनी 2024 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिक्री, उत्पाद और अन्य सेक्टरों में नियुक्ति जारी रखेगी।

1,300 कर्मचारियों की होगी छंटनी

जूम के प्रवक्ता ने एक बयान में सीएनबीसी को बताया, हम अपनी रणनीति के साथ तालमेल सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से अपनी टीमों का मूल्यांकन करते हैं. प्रवक्ता ने कहा, इस प्रयास के हिस्से के रूप में, हम क्षमताओं को जोड़ने और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नियुक्ति जारी रखने के लिए भूमिकाओं में सुधार कर रहे हैं. पिछले साल फरवरी में जूम ने लगभग 1,300 कर्मचारियों यानी अपने कार्यबल के लगभग 15 प्रतिशत नौकरी से हटा दिया था।

ओक्टा ने लगभग 400 कर्मचारियों को निकाला

जूम के अलावा, क्लाउड सॉफ्टवेयर विक्रेता ओक्टा ने भी लगभग 400 कर्मचारियों, या अपने कार्यबल के लगभग 7 प्रतिशत को नौकरी से निकालने की घोषणा की है. ओक्टा के सीईओ टॉड मैकिनॉन ने कहा कि वास्तविकता यह है कि लागत अभी भी बहुत अधिक है. रिपोर्ट के मुताबिक, इस खबर पर प्रीमार्केट ट्रेडिंग में ओक्टा के शेयरों में करीब 3.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

ओक्टा के शेयरों में करीब 3.6 फीसदी की बढ़ोतरी

मैकिनॉन ने कहा कि कंपनी को सफलता हासिल करने के लिए कहां निवेश करना है, इसके बारे में अधिक विचारशील होने की जरूरत है. सीईओ ने कहा, लाभ हासिल करने के लिए हमें व्यवसाय को अधिक दक्षता के साथ चलाने की आवश्यकता है. हालांकि हमने सही दिशा में कदम उठाए हैं, वास्तविकता यह है कि लागत अभी भी बहुत अधिक है. हमें अपने समग्र खर्च के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है, ताकि हम सबसे अधिक अवसर वाले क्षेत्रों, उत्पादों और बाजार में निवेश करना जारी रख सके।

अमेजन के पांच करोड़ शेयर बेचेंगे जेफ बेजोस, कितनी है इन शेयरों की वैल्यू; कब तक पूरी होगी प्रक्रिया

नई दिल्ली।

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के 50 मिलियन (5 करोड़) शेयरों को बेचने की योजना बना रहे हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 171.8 डॉलर प्रति शेयर की मौजूदा कीमत पर अमेजन के इन शेयरों की कुल वैल्यू 8.6 अरब डॉलर है।

कंपनी की एक नई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों की यह बिक्री योजना पिछले साल 8 नवंबर को शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया 31 जनवरी, 2025 तक पूरी हो जाएगी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक बिक्री दर्ज करने के बाद अमेजन के शेयर लगभग 8 प्रतिशत चढ़ गए।

कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद बीती तिमाही में अमेजन की ऑनलाइन बिक्री में सबसे बड़ा इजाफा हुआ है। बीते साल अमेजन के शेयरों में 80 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दिखी थी और इसने बेंचमार्क इंडेक्स एसएंडपी 500 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया था। बेजोस ने 1994 में अमेजन की स्थापना की थी। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, बेजोस वर्तमान में 185 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति

हैं। दूसरी ओर, जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने भी पिछले साल अमेजन में अपने 25 प्रतिशत शेयर (6.53 करोड़ शेयर) बेटे थे। अब उनकी अमेजन में हिस्सेदारी घटकर 1.9 प्रतिशत रह गई है।

शादी के 25 साल बाद 2019 में जेफ बेजोस और मैकेंजी ने तलाक का एलान किया था। जिसके बाद मैकेंजी स्कॉट को अमेजन में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी, कीमत उस दौरान 36 अरब डॉलर थी। यह हिस्सेदारी हासिल होने के बाद मैकेंजी दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं की सूची में शामिल हो गईं थी। हालांकि, साल 2019 में मैकेंजी ने अपनी आधी संपत्ति दान करने का एलान कर दिया था।

एप्पल का रेवेन्यू अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में बढ़कर 119.6 अरब डॉलर रहा

वाशिंगटन।

आईफोन की मजबूत बिक्री से टेक दिग्गज एप्पल का रेवेन्यू अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में डबल डिजिट में बढ़ा। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कहा कि राजस्व के मामले में भारत में ग्रोथ हुई। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में मजबूत डबल डिजिट ग्रोथ दर्ज की और रिकॉर्ड रेवेन्यू दर्ज किया। एप्पल का तिमाही राजस्व सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि के साथ 119.6 अरब डॉलर रहा। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में आईफोन से कंपनी का राजस्व करीब छह प्रतिशत बढ़कर 69.7 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 65.77 अरब डॉलर था। सीईओ कुक ने कहा कि कंपनी ने मलेशिया, मैक्सिको, फिलीपीन, पोलैंड और तुर्किये, इंडोनेशिया, सऊदी अरब आदि सहित अन्य उभरते बाजारों में ऑलटाइम हाई रेवेन्यू दर्ज किया। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरप्वाइंट रिसर्च के मुताबिक एप्पल ने पहली बार 2023 में सबसे ज्यादा राजस्व के साथ भारतीय बाजार में टॉप पर रहा, जबकि सैमसंग वॉल्यूम बिक्री के मामले में इस चार्ट में टॉप पर रहा। फर्म ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा कि एप्पल ने शिपमेंट के मामले में 1 करोड़ यूनिट का आंकड़ा पार कर लिया और पहली बार एक कैलेंडर ईयर में रेवेन्यू में टॉप पोजीशन हासिल किया। दिसंबर 2023 तिमाही में आईपेड की बिक्री करीब 25 प्रतिशत घटकर 7 अरब डॉलर हो गई। तिमाही में एप्पल के

वेयरएबल, होम एंड एसेसरीज सेगमेंट की बिक्री भी सालाना आधार पर करीब 11 प्रतिशत घटकर 11.95 अरब डॉलर रह गई। मैक पीसी की बिक्री 7.7 अरब डॉलर पर लगभग स्थिर रही। दिसंबर 2023 तिमाही में एप्पल का सर्विस रेवेन्यू 11.3 प्रतिशत बढ़कर 23.11 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 20.76 अरब डॉलर था।

स्मॉल-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 70 प्रतिशत तक रिटर्न : इसमें निवेश करना रहता है रिस्की

नई दिल्ली।

अगर आप निवेश के दौरान जोखिम लेकर ज्यादा रिटर्न कमाना चाहते हैं तो स्मॉल कैप फंड्स आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है। ऐसे कई स्मॉल कैप फंड्स हैं जिन्होंने एक साल में 70 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। हालांकि एक्सपर्ट्स साफ कहते हैं कि थोड़ा रिस्क लेने की क्षमता रखने वाले लोगों को ही इनमें निवेश करना चाहिए।

स्मॉल-कैप फंड क्या हैं

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वैसे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। हालांकि, शेयर बाजार में लिस्टेड ऐसी कंपनियों के कारोबार में बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं का आकलन करने के बाद ही इनकी पहचान की जाती है।

मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65 प्रतिशत तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35 प्रतिशत रकम को फंड मैनेजर मिड

या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

इसमें लम्बे समय के लिए निवेश करना रहेगा सही

कम समय में ज्यादा रिटर्न के लिए स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड स्कीम्स का रुख न करें। इसमें आपका नुकसान होना तय है। अगर आपकी लंबे समय तक निवेश की योजना है और जोखिम लेने की क्षमता हो तभी इन स्कीम्स का रुख करें।

इनमें रहता है ज्यादा जोखिम

छोटे कैप स्टॉक जोखिमपूर्ण होते हैं क्योंकि उनमें कम कारोबार होता है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी के पास एक अनूठी सेवा / उत्पाद हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त वित्त नहीं हो सकता है। तो, कभी-कभी धन की कमी एक बिजनेस को विफल कर देती है। लार्ज कैप शेयरों की तुलना में छोटे कैप स्टॉक ज्यादा अस्थिर होते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसमें एसआईपी के जरिए निवेश करना ज्यादा सही रहता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ीं, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में कीमत स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल में गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इसका ज्यादा असर देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं, जबकि ओडिशा, कर्नाटक और गोवा में दाम कम हुए हैं। देश के 4 महानगरों में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

अभिनेता देवानंद से जुड़े अनछुए पोस्टर, तस्वीरें, शोकार्ड, लॉबी कार्ड की होगी नीलामी

मुंबई,(ईएमएस)। फिल्मी पर्दे का सबसे खुशनुमा चेहरा जिसकी शख्सियत में अद्भुत ताजगी और आंखों में थी मोतियों सी चमक थी। वे और कोई नहीं बल्कि फिल्मी इतिहास के सदाबहार अभिनेता देवानंद जी थे। भले ही देवानंद आज हमारे बीच नहीं लेकिन उनका अभिनय और उम्दा निर्देशन एक मिसाल हैं। वहीं साल 2024 देवानंद के फैंस के लिए बेहद खास होने वाला है। इस साल आपको एक सुनहरा मौका मिलने जा रहा है। इस साल उनकी नायाब फिल्मों के अनछुए पोस्टर, तस्वीरें, शोकार्ड, लॉबी कार्ड की बोली लगाई जाएगी। पिछले साल नीलामी संस्था ने सत्यजीत रे, अमिताभ बच्चन और राज कपूर के कई यादगार संग्रह की सफलतापूर्वक नीलामी की थी। अब साल 2024 की शुरूआत में यह ऑनलाइन नीलामी प्लेटफॉर्म ह्यसिनेमाई आइकन देव आनंदह्ल की फिल्मों से जुड़े संग्रह की नीलामी

करने जा रहा है। बाजी, काला बाजार, सीआईडी, काला पानी, गाइड, तेरे घर के सामने, हरे रामा हरे कृष्णा, जॉनी मेरा नाम, हीरा पन्ना जैसी क्लासिक्स फिल्मों के दुर्लभ और पुराने फोटोग्राफ्स, पोस्टर, शोकार्ड, लॉबी कार्ड की भी नीलामी होगी। उनकी कम चर्चित फिल्मों जैसे आराम, मिलाप, माया, मंजिल, कहीं और चल, बारिश, बात एक रात की, सरहद, किनारे-किनारे आदि की गीत पुस्तिकाएं भी नीलाम होंगी।
नीलामी की चीजों में मुख्य आकर्षण सोलह काला बाजार (1960) और जॉनी मेरा नाम (1970) के लॉबी कार्ड्स का एक दुर्लभ सेट, फिल्म गाइड (1965) से आठ प्रथम रिलीज प्रचार ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफ, हरे रामा हरे कृष्णा (1971) से पंद्रह रंगीन फोटोग्राफ शामिल हैं।
वहीं मुनीमजी (1955), मिलाप (1955), सरहद (1960), माया (1961), मंजिल (1960), किनारे किनारे (1963), गाइड (1965), गैम्बलर (1973), डार्लिंग डार्लिंग के दुर्लभ और खूबसूरती से डिजाइन किए गए पोस्टर और काला पानी (1958), किनारे किनारे (1963), बनारसी बाबू (1973) और अमीर गरीब (1974) के अनूठे भारतीय कोलाज और हस्तनिर्मित शोकार्ड भी नीलाम में शामिल किए जा रहे है। ऑनलाइन नीलामी गुरुवार को शुरू होकर 10 फरवरी 2024 को शाम 7 बजे बंद होगी।

दक्षिण के थलापति विजय ने किया अपनी पार्टी का ऐलान, 2024 के लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी

चेन्नई (ईएमएस)। देश की राजनीति में एक और अभिनेता का प्रवेश हुआ है। दक्षिण के जाने-माने कलाकार विजय ने शुक्रवार को सियासी पार्टी के नाम का ऐलान किया। उनकी पार्टी का नाम, तमिलगा वेत्री कजगम है। अभिनेता से नेता बने विजय की ओर जारी बयान में 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर भी चीजें साफ की गईं। विजय ने बताया कि हम 2024 का चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं। न ही हम इस दौरान किसी को समर्थन देने वाले हैं। विजय का पूरा नाम जोसेफ विजय चन्द्रशेखर है। इनका जन्म 22 जून 1974 को हुआ था। इन्हें विजय के नाम से ही जाना जाता है। विजय एक प्रोफेशनल अभिनेता और प्लेबैक सिंगर हैं। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में विजय काफी बड़ा नाम है। तमिल से अलग विजय ने कई अन्य भारतीय भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है। अपने फैंस और मीडिया में विजय थलापति (कमांडर) के नाम से भी जाने जाते हैं। इनकी गिनती तमिल सिनेमा में सबसे अधिक पेमेंट लेने वाले अभिनेताओं में होती है। दुनियाभर में इनके प्रशंसक हैं। विजय अब तक अपने नाम कई पुरस्कार कर चुके हैं। वह स्टार इंडिया की ओर से आठ विजय पुरस्कार, तमिलनाडु सरकार की ओर से तीन तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार और एक सिमा पुरस्कार जीत चुके हैं। भारतीय सेलिब्रिटीज की कमाई के आधार पर उन्हें फोर्ब्स

इंडिया सेलिब्रिटी 100 की सूची में कई बार शामिल किया जा चुका है। आंध्र प्रदेश में अन्ना और एनटीआर नाम से मशहूर एनटी रामाराव ने तेलुगू देशम पार्टी की स्थापना की थी। वह सात साल तक मुख्यमंत्री रहे। इसके अलावा अन्नादुराई ने भी अभिनय के बाद राजनीतिक पार्टी बनाई थी। वह तमिलनाडु के पहले मुख्यमंत्री बने थे। तमिल फिल्म जगत में वीएन जानकी के नाम से मशहूर, अभिनेत्री जानकी रामाचंद्रन भी राजनीति में उतरीं और तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनीं। वह अपने पति और मुख्यमंत्री एमजी रामाचंद्रन की मौत के बाद सीएम बनी थीं। एमजीआर के नाम से मशहूर रामाचंद्रन 1977 से 1987 के बीच लगातार दस साल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे. अम्मा नाम से मशहूर जयललिता भी राजनीति में आने से पहले तमिल फिल्मों में काम करती थीं। कभी तमिल फिल्मों में स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर काम करने वाले एम करुणानिधि 5 बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। कमल हासन ने फरवरी 2018 में राजनीतिक पार्टी मक्कल नीधि मय्यम पार्टी बनाई थी। तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी ने 2008 में प्रजा राज्यम पार्टी नाम से अपनी पार्टी बनाई। 2009 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को अठारह सीटों पर जीत मिली। रजनीकांत ने दिसंबर 2017 में अपनी पार्टी रजनी मंदरम की घोषणा की थी।

अजय ने क्रिकेट वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में किया निवेश

-क्रिकेट के दिग्गजों की पुराने यादों के पुनर्मिलन की है गारंटी

मुंबई (ईएमएस)। क्रिकेट वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में अभिनेता अजय देवगन ने रणनीतिक रूप से निवेश किया है। सितारों से सजे इस वैश्विक टी20 तमाशे में प्रतिभा और अनुभव का संचार करने वाले क्रिकेट के दिग्गजों की पुराने यादों के पुनर्मिलन की गारंटी देती है। युवराज सिंह, ब्रेट ली, केविन पीटरसन, सुरेश रैना और शाहिद अफरीदी जैसे प्रतिष्ठित क्रिकेटर वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का हिस्सा होंगे, जो यूके के एजबेस्टन स्टेडियम बर्मिंघम में आयोजित होने वाला है। ईजीमायट्रिप द्वारा प्रस्तुत यह टूर्नामेंट 3 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित होने वाला है।खेल के प्रति अपने जुनून को व्यक्त करते हुए अजय देवगन ने कहा, एक क्रिकेट प्रेमी के रूप में, प्रसिद्ध क्रिकेट दिग्गजों

को फिर से एक्शन में देखना एक सपने के सच होने जैसा है। यह टूर्नामेंट न केवल क्रिकेट की पुरानी यादों को सामने लाता है, बल्कि सिनेमा और क्रिकेट के बीच एक अद्वितीय सहयोग की पेशकश भी करता है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूरदर्शी संस्थापक हर्षित तोमर ने कहा, हम भारतीय दिग्गज अजय देवगन का बोर्ड में स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। खेल के प्रति उनका जुनून और क्रिकेट को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता डब्ल्यूसीएल के मूल्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। प्रसिद्ध खिलाड़ियों की प्रत्याशित सूची के साथ हमें विश्वास है कि वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 एक अद्वितीय सफलता होगी।

विजू और मैं, हम एक साथ बड़े हुए हैं: रश्मिका मंदाना

साउथ इंडियन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और तेलुगु स्टार विजय देवरकोंडा के अफेयर की खबरों के बीच जब रश्मिका से विजय और उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कई जानकारी साझा की और यह भी बताया कि विजय किस तरह उनकी जिंदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इंटरव्यू में रश्मिका से उनके को स्टार्स अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, विजय, सिद्धार्थ मल्होत्रा और अल्लू अर्जुन के साथ काम करने को लेकर पूछा गया। उन्होंने अपने प्रिय सह-अभिनेता विजय के बारे में बात करते हुए बताया, विजू और मैं, हम एक साथ बड़े हुए हैं इसलिए मैं अभी अपने जीवन में जो कुछ भी करती हूं,

उसमें उनका योगदान है। मैं जो भी करती हूं उसमें उनकी सलाह लेती हूं। मुझे उनकी राय चाहिए और वह हां कहने वाला व्यक्ति नहीं है। उन्होंने मेरे पूरे जीवन में किसी भी अन्य व्यक्ति से ज्यादा व्यक्तिगत रूप से मेरा समर्थन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनका मैं वास्तव में बहुत सम्मान करती हूं।

कैलिफोर्निया हवेली से बाहर हो गए प्रियंका-निक

-पानी के कारण घर में लग गई फफूंद

मुंबई (ईएमएस)। हालीवुड गायक निक जोनस और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस अपनी भव्य कैलिफोर्निया हवेली से बाहर चले गए हैं। दोनों के सपनों के घर में पानी के कारण फफूंद लग गई। इस वाकये के बाद कानूनी लड़ाई शुरू हो गई, जो अभी भी चल रही है। हालांकि, मई 2023 में दायर एक मुकदमे की एक प्रति के अनुसार पूल और स्पा ने अप्रैल 2020 के आसपास परेशानी पैदा करनी शुरू की दी, जिसमें वॉटरप्रूफिंग भी शामिल थी, जो मोल्ड संदूषण और संबंधित मुद्दों को बढ़ावा देती थी।लगभग उसी समय, डेक पर बारबेक्यू क्षेत्र में पानी का रिसाव दिखा। शिकायत में कहा गया है, इस रिसाव से डेक के ठीक नीचे आंतरिक रहने वाले क्षेत्र का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार घर की समस्याओं ने कथित तौर पर परिसर को रहने के लिए लगभग अनुपयुक्त और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से खतरनाक बना दिया है। इसके परिणामस्वरूप विचार की विफलता

के साथ-साथ पर्याप्त और महत्वपूर्ण क्षति हुई है, जिसके लिए आवश्यक है कि खरीद और बिक्री को रद्द कर दिया जाए, मुकदमे में आगे यह भी कहा गया है कि जोनास और चोपड़ा अपने ट्रस्टी के माध्यम से क्षति की मांग कर रहे हैं। उनके वकील आगे तर्क देते हैं, विकल्प में वादी को मरम्मत की सभी लागतों की प्रतिपूर्ति की जानी चाहिए, साथ ही प्रतिवादियों के आचरण के कारण उपयोग के नुकसान और अन्य क्षति के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए। सटीक लागत अभी तक निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन शिकायत के अनुसार, वॉटरप्रूफिंग मुद्दे 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक होंगे और सामान्य क्षति लगभग 2.5 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है। बता दें कि इस जोड़े ने सितंबर 2019 में 20 मिलियन डॉलर में लग्जरी संपत्ति खरीदी, जिसमें सात बेडरूम, नौ बाथरूम, एक शेफ की रसोई, तापमान नियंत्रित वाइन रूम, एक इनडोर बास्केटबॉल कोर्ट, इंटीरियर बॉलिंग एली, एक होम थिएटर, एक मनोरंजन लाउंज, स्टीम शॉवर के साथ स्पा, जिम और बिलियर्ड्स रूम है।

जब मिलने की खुशी अनिल ने छुए हॉलीवुड एक्टर के पैर

फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर में अभिनेता अनिल कपूर के साथ देव पटेल, फ्रीडा पिंटो, मधुर मित्तल और इरफान खान जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। फिल्म का निर्देशन डैनी बॉयल ने किया था। इस फिल्म को ऑस्कर में 10 पुरस्कारों से नवाजा गया था। अब 15 साल पहले इस अवार्ड पाकर अनिल कपूर कितने खुश इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता। अनिल ने कहा कि जैसे ही स्लमडॉग मिलियनेयर की टीम ने एसएजी अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ कलाकारों का पुरस्कार जीता वह मंच पर खड़े होकर एंथनी के पैर छुए। भारत में किसी दूसरे व्यक्ति के पैर छूना उनके प्रति सम्मान प्रकट करने

का प्रतीक है लेकिन एंथोनी को इस प्रथा के बारे में कोई जानकारी नहीं थी इसलिए वह थोड़ा हैरान हो गए। उन्होंने कहा, आप क्या कर रहे हैं? मैंने कहा कि भारतीय ऐसे ही होते हैं। मैं आपका सम्मान करता हूं, आप मुझसे बड़े हैं, आप मुझसे वरिष्ठ हैं और एक मंच पर होना और पुरस्कार प्राप्त करना अद्भुत था।

सारा-अनन्या नजर आएगी कॉकटेल 2 में

पिछले दिनों बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे और सारा अली खान को कॉफी विद करण के 8वें सीजन में देखा गया था। दोनों ने खुद की जिंदगी से जुड़े कई मसलों पर खुलकर बात की थी। अब ताजा रिपोर्टों के अनुसार सारा-अनन्या को एक फिल्म कॉकटेल 2 में साथ काम करते देखा जा सकता है। हाल ही दोनों मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस के बाहर कैजुअल लुक में स्पॉट हुई थीं। अनन्या ने खुले बालों के साथ व्हाइट टैंक टॉप और जीन्स कैरी की थी। सारा के लुक पर नजर डालें तो उन्होंने व्हाइट क्रॉप टी-शर्ट और पैंट पहनी थी। दोनों ही सिंपल लुक के बावजूद बेहद सुंदर लग रही थीं। अभी कॉकटेल 2 को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। फैंस अपनी दोनों चहेती एक्ट्रेस सारा और अनन्या को साथ देखने को बेताब हैं। कॉकटेल फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई थी।

यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' का पहला गाना 'दुआ...' रिलीज

यामी गौतम की आगामी फि ल्म आर्टकल 370 का टीजर के् बाद अब एक गाना दुआ... रिलीज कर दिया गया। इससे फि ल्म के प्रति दर्शकों की दिलचस्पी भी बढ़ रही है। यह एक पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फि ल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इसकी कहानी को इंटरेस्टिंग बनाने के लिए फिल्म के स्टार कलाकारों ने कड़ी मेहनत की है। दिलचस्प टीजर के बाद अब फिल्म आर्टिकल 370 का पहला गाना दुआ... एक दिल छू लेने के साथ उन सभी बहादुर दिलों के लिए एक आदर्श गीत है, जो बिना किसी शर्त के देश की सेवा करते हैं। इस गाने को सिंगर जुबिन नौटियाल और शाश्वत सचदेव ने स्वरबद्ध किया है। शाश्वत ने ही गाने का म्यूज़िक भी तैयार किया है। गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं, जबकि फि मेल वॉइस प्रियांशी नायडू ने दी है। यामी कहती हैं कि, "जब मैंने पहली बार गाना सुना तो मैं बेहद भावुक हो गई थी। गाने के बोल इतने दमदार हैं कि वे आपके दिल को छू जाते हैं। साथ ही, इसे कश्मीर के बहुत ही खूबसूरत इलाकों में शूट किया गया है। यह उन सभी लोगों के

लिए एक ट्रिब्यूट है, जो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा करते हैं।" इस गाने को लेकर गायक जुबिन नौटियाल ने कहा कि, "इस गाने को गाते हुए मैंने व्यक्तिगत रूप से खूब एन्जॉय किया है। मेरा मानना है कि इस गाने में इतनी ताकत है कि प्रत्येक भारतीय के गहरे इमोशन को उजागर करेगा।
दिल को छू जाने वाले इस गाने के बोल और मधुर संगीत गाने में एक रूहानी क्वालिटी लेकर आते हैं। यह गाना सभी संगीत प्रेमियों के लिए है। इसके अलावा राष्ट्र के लिए गाना मेरे दिल में खास जगह रखता है। यह गाना निश्चितरूप से देश के प्रति हमारे साझा प्रेम में एकता और गर्व की भावना जगाएगा।" यह गाना अब सारेगामा म्यूजिक यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। जियो स्टूडियोज और फिल्म उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक के मेकर की ओर से आर्टकल 370 एक हाई ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा है, जिसमें अभिनेत्री यामी गौतम अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जांभले ने किया है। ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर की निर्मित यह फिल्म 23 फरवरी 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

गोविंदा की भांजी आरती सिंह जल्द करेगी शादी

-बॉयफ्रेंड के साथ 7 फेरे लेकर करेगी नई जिंदगी शुरू

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर गोविंदा की भांजी एक्ट्रेस आरती सिंह जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। आरती सिंह जल्दी ही अपने बॉयफ्रेंड के साथ 7 फेरे लेकर नई जिंदगी शुरू करेगी। रियलिटी शो बिग बॉस 13 से फिर सुर्खियों में आईं आरती सिंह की शादी की खबरें पहले भी होती रही हैं, लेकिन खबर है कि इस बार वह अपने परिवार के आशीर्वाद के साथ अप्रैल या मई में बॉयफ्रेंड के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगी। इस शादी में सलमान खान से लेकर गोविंदा तक के आने की खबर है। कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच रार क्या खत्म हो गई है? सवाल इसलिए क्योंकि कृष्णा अभिषेक की बहन और एक्ट्रेस आरती सिंह की शादी में मेहमानों की लिस्ट में मामा गोविंदा का नाम भी शामिल है। तो क्या गोविंदा मामा भांजी की शादी में शागुन देने पहुंचेंगे। एक ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि वह मुंबई में शादी के सेलिब्रेशन के लिए

जगहों की तलाश कर रही हैं और डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं चाहती हैं। उनके दिमाग में ड्रैगनफ्लाई, मुंबई है, लेकिन यह सब इस पर ही निर्भर करता है कि उन्हें डेट पर वेन्यू खाली मिलेगा या नहीं। सूत्र ने खुलासा किया है कि आरती सिंह एक भव्य भारतीय शादी करना चाहती हैं और अपने कई दोस्तों और परिवार को इसमें बुलाना भी चाहती हैं। उन्होंने बताया कि आरती की शादी में सभी फंक्शन होंगे, जिसमें एक बैचलरेट पार्टी भी होगी। हल्दी, मेहंदी और फेरे जैसे पंजाबी रीति-रिवाज एक ही जगह पर होंगे। शादी के मेहमानों की लिस्ट में उनके मामा और दिग्गज एक्टर गोविंदा से लेकर सलमान खान, सिद्धार्थ शुक्ला का परिवार, शहनाज गिल और इंडस्ट्री के कई दोस्त शामिल होंगे। वह एक साल से अधिक समय से अपने बॉयफ्रेंड दीपक चौहान को डेट कर रही हैं।

सूडोकु नव्वाल- 6692

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नव्वाल -6691 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्दजाल - 7439

श	रा	आ	स्ट्रे	लि	या	ह	ट	झ	क	अ
छ	क	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	मे
ट	र	ना	झि	दा	इं	सिं	बे	ला	ल	रि
प	म	दा	ड्र	ल	क	डो	हा	दा	र	का
ट्य	रा	र	ष	हा	मि	री	ने	स	र	ट
ह	ह	प	व	पे	ह	ला	ती	शि	न	ती
भा	र	त	अं	रू	स	ट	ह	ला	या	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	कों	जू	ट
स	थो	तें	ब्रा	जी	ल	दा	ने	गो	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
ची	न	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रूस, कनाडा, ब्राजील, अमेरिका, कोंगो, आस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, पेरु, भारत,

शब्दजाल - 7438 का हल

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	के	गो
न	को	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	ड्र	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	डो	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	न	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
के	ग्लैं	ड्रा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6392

7	5		3	6		
	33		32		28	
2		7			6	1
	30	2	37	4	34	
5	1			7		4
	26		38		36	
	1	5	6			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6391 का हल

5	7	3	1	4	6	2
6	31	1	25	5	33	1
3	1	5	4	2	6	7
4	27	2	28	1	37	6
2	3	7	1	6	5	4
7	36	6	37	3	35	3
1	6	4	3	7	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

हेड ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टी20 टीम से रिलीज, बार्टलेट को दूसरे वनडे से आराम दिया गया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड को कड़ी टेस्ट गर्मियों के बाद तरोताजा होने के लिए वनडे और टी20 दोनों टीमों से रिलीज कर दिया गया है, और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए आराम दिया गया है, लेकिन उम्मीद है कि कैनबरा में तीसरे मैच के लिए जोश के साथ वापसी करेंगे।

विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को एससीजी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है। मेलबर्न में बार्टलेट का प्रभावशाली प्रदर्शन, जहां उन्होंने 17 रन देकर 4 विकेट लिए, ने उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की एक यादगार शुरुआत की। हालाँकि, दूसरे वनडे के लिए उन्हें आराम देने का प्रबंधन का निर्णय उनके कार्यभार को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने की एक सोची-समझी योजना का हिस्सा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक बयान में कहा गया है कि यह निर्णय उनके चल रहे प्रबंधन का हिस्सा है, क्योंकि 25 वर्षीय क्रीसलैंडर पीठ के तनाव की चोट से वापसी के बाद घरेलू सत्र के पहले भाग में नहीं खेल पाए थे।

युवा तेज गेंदबाज, जो पिछले साल पीठ की चोट से जूझ रहे थे, को विवेकपूर्ण तरीके से संभाला जा रहा है, विशेष रूप से पांच दिनों में तीन एकदिवसीय मैचों के साथ मांग वाले कार्यक्रम को देखते हुए और इस सीजन में पहले कोई एकदिवसीय या शील्ड क्रिकेट नहीं होने के कारण।

सिडनी में बार्टलेट की अनुपस्थिति से छोड़ी गई कमी को अनुभवी विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड के शामिल किए जाने से भरा जाएगा। हेज़लवुड को शुरू में व्यस्त टेस्ट गर्मियों के बाद एकदिवसीय श्रृंखला के लिए आराम दिया गया था, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम को मजबूत करने के लिए तैयार है।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन कैनबरा में होने वाले तीसरे वनडे के लिए कवर के रूप में टीम में शामिल होंगे।

हेड के जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है और इससे लाइनअप में संभावित बदलाव का द्वार खुल गया है, जिसमें होनहार जेक फ्रेजर-मैकगर्क एससीजी में अपना वनडे डेब्यू करने की दौड़ में हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, इस टूर्नामेंट में पड़ोसी देश से कभी नहीं हारी टीम इंडिया

इस्लामाबाद। भारतीय टीम में उसके शीर्ष एकल खिलाड़ी नहीं है लेकिन फिर भी 60 साल बाद पाकिस्तान के दौरे पर पहुंची भारतीय डेविस कप टीम का पलड़ा डेविस कप विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ टाई में मेजबान टीम के खिलाफ भारी है। ग्रासकोर्ट पर खेला जा रहा मुकाबला गहन सुरक्षा के बीच खेला जा रहा है। डेविस कप के इतिहास में भारतीय टीम सात मुकाबलों में कभी पाकिस्तान से नहीं हारी है। पाकिस्तान की टीम में ऐसाम उल हक कुरैशी, अकील खान शामिल हैं। ये दोनों खिलाड़ी ग्रासकोर्ट पर अच्छा खेलते हैं। इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के ग्रासकोर्ट में गेंद पड़कर तेजी से निकलती है। शुरुआती दिन भारत के युगल विशेषज्ञ एन श्रीराम बालाजी और टीम के एकल के श्रेष्ठ खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन उतरेंगे। भारत के पास एन बालाजी की जगह निकी पोनाचा को उतारने का भी विकल्प था लेकिन वह बालाजी की तुलना में लंबे कद के हैं। ऐसे में जबकि ग्रासकोर्ट पर गेंद नीची रहने की संभावना है, ऐसे में एन बालाजी ज्यादा कारगर साबित हो सकते हैं। ऐसी सतह पर लंबे कद के खिलाड़ी को गेंद पर शॉट मारने में दिक्कत आती है। दिग्गज लिएंडर पेस यूरोपीय खिलाड़ियों के खिलाफ इसी रणनीति के तहत कई बार फायदे की स्थिति में रहते थे। बालाजी अच्छे स्तर पर खेलते रहे हैं, ऐसे में पाकिस्तान के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने का दबाव उठा सकते हैं।

लंबे समय तक खेलेंगे शिवम : सबा करीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम के अनुसार ऑलराउंडर शिवम दुबे अब लंबे समय तक खेलेंगे। शिवम ने आईपीएल

के साथ ही घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी से भी सभी का ध्यान खींच है। सबा करीम के अनुसार शिवम को हार्दिक पंड्या की तरह तैयार किया जा रहा है। टीम प्रबंधन के पास उनके लिए अहम भूमिका है। जून में होने वाले टी20 विश्वकप में वह अहम भूमिका निभा सकते हैं। पिछले माह अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही टी20 में शिवम ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। पूर्व विकेटकीपर सबा ने कहा, 'आप सिर्फ उनके रन को मत देखिए। आप यह देखिए कि उन्होंने कैसे बड़े-बड़े शॉट लगाए।सबसे बड़ी बात यह कि उन्हें जो भूमिका दी गयी उसे उन्होंने बखूबी निभाया। यह वही भूमिका है, जो पंड्या निभाते रहे हैं। इसी साल जून में विश्व कप होना है और भारतीय टीम प्रबंधन शिवम को उसी के अनुसार तैयार कर रहा है।

चेन्नई ओपन में भारत को सुमित नागल से रहेंगी उम्मीदें

नई दिल्ली। सुमिल नागल 1,33,250 डॉलर इनामी राशि वाले चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर 100 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार होंगे। चेन्नई ओपन शुरु होगा और इसके एकल मुख्य ड्रा में 32 खिलाड़ी और युगल में 16 जोड़ियां हार्डकोर्ट पर उतरेंगी। नागल ने पिछले महीने ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीयता प्राप्त एलेक्जैंडर बुलब्लिक को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। इससे उनके हौंसले बुलंद हैं। वह अभी विश्व रैंकिंग में 121 वें स्थान पर हैं। वहीं रामकुमार रामनाथन और मुकुंद शशिकुमार पुरुष एकल में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे जबकि युगल वर्ग में भारत के अर्जुन काधे और जीवन नेदुनचेझियान को शीर्ष वरीयत दी हैं। वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को मुख्य ड्रा के लिए वाइल्डकार्ड के जरिये प्रवेश दिया गया है। इस टूर्नामेंट में 14 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और इटली के लुका नार्डी शीर्ष को पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता दी गयी है। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल नहीं खेलेंगे। देश में खेले जाने वाली चार चैलेंजर सीरीज में चेन्नई ओपन पहला टूर्नामेंट हैं जबकि अन्य टूर्नामेंट बेंगलुरु, पुणे और दिल्ली में खेले जायेंगे। दिग्गज खिलाड़ी और तमिलनाडु टेनिस संघ के अध्यक्ष विजय अमृतराज ने कहा, ''एटीपी चैलेंजर जैसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के आयोजन से भारतीय खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुभव हासिल होगा। उन्होंने कहा कि हाल में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है।

भारत अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

नेपाल को रिकॉर्ड 132 रन से हराया कप्तान उदय और सचिन के शतक

ब्लूमफोनटेन। कप्तान उदय सहारन (100 रन) और सचिन दास (116 रन) की शतकीय पारियों के दम पर भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार पांचवीं जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय टीम ने नेपाल को 132 रन से हराया।

इस जीत के बाद भारत सुपर-6 ग्रुप-1 के पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के खाते में 4 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक हैं। टीम ने ग्रुप स्टेज में अमेरिका को पांचवां मैच हराया था। नॉकआउट में भारत का मुकाबला मेजबान साउथ अफ्रीका से होगा।

साउथ अफ्रीका के ब्लूमफोनटेन में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 297 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन ही बना सकी। सचिन दास प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

62 पर गंवा दिए थे 3 विकेट

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। टीम ने 26 रन पर ओपनर आदर्श सिंह (21 रन) का विकेट गंवाया। उसके बाद 61 के स्कोर पर प्रियांशु मोलिया 19 और 62 रन के टीम स्कोर पर अर्शिन कुलकर्णी 18 रन बनाकर आउट हुए।

उदय-सचिन ने 200 पार पहुंचाया

नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान उदय सहारन और सचिन दास की

जोड़ी ने भारतीय टीम की लड़खड़ाती बैटिंग को संभाला और 200 तक पहुंचाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 202 बॉल पर 215 रन की पार्टनरशिप की। नेपाल की ओर से गुलसन झा ने 3 विकेट लिए। आकाश चंद को एक विकेट मिला।

अच्छी शुरुआत के बाद बिखरी नेपाल की बैटिंग

298 रन का टारगेट चेज करने उतरी नेपाल के ओपनर्स ने उसे सधी शुरुआत दिलाई। दीपक बोहरा और अर्जुन कुमाल के बीच 42 रन की साझेदारी हुई। उसके बाद कप्तान देव ने 33 रन का योगदान दिया, लेकिन कप्तान के अलावा मिडिल ऑर्डर का कोई बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना सका।

सौम्य पांडेय को चार विकेट, अरशिन को दो सफलताएं

गेंदबाजी में भारतीय टीम की ओर से उपकप्तान सौम्य पांडेय ने चार विकेट लिए। फिर अर्शिन कुलकर्णी ने दो विकेट लिए। राज लिम्बानी, आराध्य शुक्ला और मुरगन अभिषेक को एक-एक विकेट मिला।

सैमसन और जितेश बनेंगे रिंकू के लिए बाधा : दीप दासगुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने कहा है कि आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को इसी साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में शायद ही अवसर मिले। दासगुप्ता के अनुसार इस मैच में छठे स्थान के लिए संजू सैमसन या जितेश शर्मा को अवसर मिल सकता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के पास कई अच्छे सीनियर खिलाड़ी थे। दासगुप्ता ने कहा, रोहित और कोहली को जब टी20 में अवसर मिलने बंद हुए तब मुझे हैरानी हुई। जबकि पिछी बार भी हुए टूर्नामेंट में हमें सीनियर खिलाड़ियों की कमी खली थी। साथ ही कहा कि अगर आप 2022 में हुए इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के मुकाबले की जगह अभी की टीम देखें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है पर मध्यक्रम में बदलाव नहीं हुआ। विराट नंबर 3 पर, सूर्यकुमार 4 पर, हार्दिक 5 पर फिर संजू सैमसन या जितेश शर्मा 6 पर है। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे कहा, टी20 विश्व कप के अनुसार देखें तो रिंकू को बाहर होना पड़ सकता है क्योंकि चोट से उबरने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या की वापसी होगी जिससे रिंकू और तिलक वर्मा को जगह नहीं मिल पायेगी। इसके अलावा आपको छठे नंबर के लिए या तो जितेश या फिर सैमसन को शामिल करना होगा। साथ ही माना कि यशस्वी जासवाल और रिंकू ने अब तक सभी को खास प्रभावित किया है पर टीम में सभी को अवसर नहीं मिल सकता।

एमआईई के गेंदबाजों ने वॉरियर्स को सस्ते में समेटा, बल्लेबाजों ने की पिटाई; 8 विकेट से दर्ज की जीत

नई दिल्ली। एमआई एमिरेट्स ने आईटीएल-20 में शारजाह वॉरियर्स को 8 विकेट से जीत दर्ज की। दमदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों ने आसानी से जीत दर्ज कर ली। शारजाह वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 129 पर ढेर हो गई थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई एमिरेट्स ने 11.1 ओवर में दो विकेट गंवाकर 133 रन बनाकर मैच जीत लिया। आईएलटी-20 मुकाबले में एमआई के लिए वकार सलामखिल ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ड और अकील हुसैन ने दूसरे छोर से वॉरियर्स के बल्लेबाजों पर शिकंजा कसकर रखा और दो-दो विकेट चटकाए। शारजाह वॉरियर्स के लिए सीन विलियम्स ने सर्वाधिक 35 रन बनाए।

डिकवेला और जानसन चार्ल्स ने दी बेहतरीन शुरुआत

टॉस जीतकर एमआई ने पहले गेंदबाजी चुनी। निरोशन डिकवेला (17) और जानसन चार्ल्स (29) ने वॉरियर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई और पांचवें ओवर में 34 रन की जोड़े। बोल्ट ने डिकवेला को आउट कर वारियर्स को ऐसा झटका दिया कि उसके विकेट गंवाने का क्रम रुका ही नहीं। 83 रन पर ही उसने छह विकेट गंवा दिए थे।

उसके सात बल्लेबाज 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सके। विलियम्स ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। कप्तान लुईस ग्रेगोरी ही 11 रन का योगदान दे पाए।

कुसल परेरा ने खेली तूफानी पारी

130 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई ने 80 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। मोहम्मद वसीम 13 गेंद पर 37 रन बनाकर आउट हुए। कुसल परेरा ने 47 रन का पारी खेली। आंद्रे फ्लेचर (नाबाद 22) और कप्तान निकोलस पूरन (नाबाद 24) ने टीम को जीत तक लेकर गए। मुहम्मद जवादुल्लाह और जेम्स फुलर को एक-एक विकेट मिला।

निखत और लवलीना 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगी

नई दिल्ली।
मौजूदा विश्व चैंपियन निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन भारतीय चुनौती का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 3-11 फरवरी तक बुल्गारिया के सोफिया में होने वाले 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट के लिए 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट यूरोप की सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में से एक है।

30 देशों के लगभग 300 मुक्केबाजों की मौजूदगी में कड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ यह टूर्नामेंट पेरिस ओलंपिक के लिए एक बेहतरीन तैयारी होगी। निकहत (50 किग्रा) और लवलीना (75 किग्रा) के अलावा, एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किग्रा), विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा (60 किग्रा), एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता साक्षी (57 किग्रा) और राष्ट्रीय चैंपियन अरुंधति चौधरी (66 किग्रा) भी प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीम में शामिल हैं। ।

दूसरी ओर, पुरुष टीम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) के साथ-साथ बरुण सिंह शगोलशेम (48 किग्रा), ललित (54 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), आकाश गोरखा (60 किग्रा) , रजत (67 किग्रा), आकाश (71 किग्रा), दीपक (75 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) सहित अन्य राष्ट्रीय चैंपियन शामिल हैं। वंशज (63.5 किग्रा), अभिमन्यु लौरा (80 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और सागर (92+ किग्रा) अन्य चार भारतीय पुरुष मुक्केबाज हैं जो टीम का हिस्सा हैं। 2023 में आयोजित टूर्नामेंट के आखिरी संस्करण में भारतीय मुक्केबाजों ने तीन रजत और पांच कांस्य सहित आठ पदक जीते।

सोन ह्युंग-मिन ने दक्षिण कोरिया को एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया

दोहा। कप्तान सोन ह्युंग-मिन ने स्टॉपेज-टाइम पेनल्टी जीती और अतिरिक्त समय में फ्री-किक पर गोल करके दक्षिण कोरिया को ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत के बाद एएफसी एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

टूर्नामेंट के दो बार के विजेता, 1960 के बाद पहली बार महाद्वीपीय खिताब हासिल करने के करीब एक कदम आगे बढ़ते हुए, अंतिम-चार मुकाबले में जॉर्डन से भिड़ेंगे। जर्मनी से दक्षिण कोरिया के मुख्य कोच जुर्गन क्लिंसमैन ने मैच से पहले कहा, मैं चाहता हूं कि वे अनुभव करें कि किसी टूर्नामेंट के अंत तक पहुंचने और ट्रॉफी के लिए खेलने का क्या मतलब होता है।

अपनी टीम के लिए क्लिंसमैन के प्रोत्साहन को 2015 संस्करण के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक क्वार्टरफाइनल में अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

दोहा के अल जनौब स्टेडियम में तेज़ हवा और थोड़ी ठंडी रात में, सॉकेरोज़ ने पूरी ऊर्जा और रक्षा से आक्रमण तक धाराप्रवाह परिवर्तन के साथ खेल की अच्छी शुरुआत की।

4-3-3 फॉर्मेशन में बाएं विंगर क्रेग गुडविन ने प्रतिद्वंद्वी के गलत पास के बाद क्षेत्र के किनारे गेंद पर कब्ज़ा कर लिया और 42वें मिनट में नाथनियल एटकिंसन के साथ अच्छे संयोजन के बाद बाएं पैर से वॉली मार कर पहला गोल कर दिया।

ब्रेक के बाद दक्षिण कोरिया ने और भी अधिक प्रयास किए, लेकिन

कई क्रॉस के बाद बराबरी हासिल करने में असफल रहा, क्योंकि सेंटर-बैक हैरी सॉटर ने क्षेत्र में एक ठोस रक्षा का नेतृत्व किया।

एलिमिनेशन का सामना करते हुए, प्रीमियर लीग क्लब टोटेनहम हॉटस्पर के स्टार फॉरवर्ड सोन ह्युंग-मिन ने दक्षिण कोरिया को बचाने के लिए कदम बढ़ाया।

चोट के समय में छह मिनट के उनके दृढ़ संकल्प के कारण क्षेत्र में लुईस मिलर का फाउल हुआ।

प्रीमियर लीग क्लब वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के स्ट्राइकर ह्वांग ही-चान ने ऑस्ट्रेलियाई कीपर मैथ्यू ryan को स्पॉट-किक से पछाड़कर क्वार्टरफाइनल मैच को अतिरिक्त समय में खींच लिया।

अतिरिक्त समय के पहले हाफ में सोन ने ऑस्ट्रेलियाई दीवार पर एक ट्रेडमार्क लहराती हुई फ्री-किक मारी और दूसरा गोल कर दिया जिससे क्लिंसमैन की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई।

इससे पहले जॉर्डन ने ताजिकिस्तान पर 1-0 से जीत के बाद अपने इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दो बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद, पश्चिम एशियाई टीम आखिरकार इस बार एक कदम आगे बढ़ गई।

सेंटर-बैक अब्दुल्ला नसीब 66वें मिनट में कॉर्नर से एक क्रॉस का सामना करने के लिए ऊंचे उठे और उनका हेडर नेट में गिरने से पहले ताजिक डिफेंडर वाहदत हनोनोव से टकरा गया।

ग्रेग चैपल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विवादास्पद अंडरआर्म वनडे पर कहा: यह उनके बेहतर क्षणों में से एक नहीं था

नई दिल्ली।
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल ने 1981 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुख्यात अंडरआर्म वनडे के बारे में खुलकर बात की। उस फैसले पर विचार करते हुए, जिसने उनकी विरासत को हमेशा के लिए बदल दिया, चैपल ने खुलासा किया कि अंडरआर्म घटना पूरी तरह से प्रेरित नहीं थी बल्कि मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की ख़राब परिस्थितियों से निराशा के कारण हुई थी।

चैपल ने एसईएन 1170 ब्रेकफास्ट से कहा, यह उन बेहतर क्षणों में से एक नहीं था जिन पर मुझे विचार करने का मौका मिला... लोगों के लिए शायद यह समझना मुश्किल है कि उस दिन मैदान पर जो चल रहा था, उससे इसका बहुत कम लेना-देना था।

उन्होंने एमसीजी की खेल स्थितियों और सुविधाओं में सुधार के बारे में चल रही चर्चाओं पर असंतोष व्यक्त किया, और बेहतर मानकों की वकालत करने में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस पृष्ठभूमि के बीच, 1981 में न्यूजीलैंड को अंतिम गेंद पर टाई के लिए छह रन की जरूरत थी, चैपल ने अपने छोटे भाई ट्रेवर को अंडरआर्म गेंदबाजी करने का आदेश दिया, जिससे ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित हो गई। हालांकि यह कदम गैरकानूनी नहीं था, लेकिन यह खेल की भावना के खिलाफ था, जिसके बाद अंडरआर्म गेंदबाजी को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया।

जाहिर तौर पर वह इसका हिस्सा था। लेकिन उस समय टीम और क्रिकेट को लेकर बहुत सारी बातें चल रही थीं, खासकर एमसीजी के आसपास और उस समय एमसीजी में हम जिस स्तर की पिचों का मुकाबला कर रहे थे।

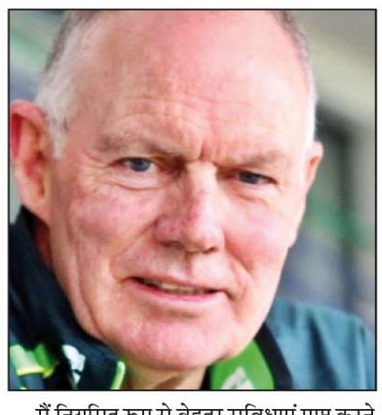

मैं नियमित रूप से बेहतर सुविधाएं प्राप्त करने के बारे में बहुत सारी चर्चाओं के बीच में था। वे (क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया) मैदान के मालिक नहीं थे, इसलिए वे क्रिकेट विक्टोरिया के पास जाएंगे, जिनके पास मैदान नहीं था, वे मेलबर्न क्रिकेट क्लब के पास जाएंगे... जिन्हें ज्यादा परवाह नहीं थी, जो बहुत शर्म की बात थी , एमसीजी में लगातार इस प्रकार की परिस्थितियों को पूरा करना, उस समय एमसीसी को छोड़कर, सभी के दृष्टिकोण से निराशाजनक था। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा निर्णय था जो उस समय लिया गया था... और जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे तो मेरी सोच यह थी, मुझे इसकी पूरी जानकारी थी, मैं इसके बारे में यही सोचता हूं।

यह संभवत: उतना ही अच्छा निर्णय था जितना मैं लेने में सक्षम होने की मानसिक स्थिति में था।

चैपल ने घटना के बाद के परिणामों को याद करते हुए स्वीकार किया कि इसका उनकी और ट्रेवर की विरासत पर प्रभाव पड़ा। जब वह मैदान से बाहर निकले तो उन्हें अच्छी तरह से याद आया कि एक युवा लड़की ने उन पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जो उसके बाद होने वाली सार्वजनिक प्रतिक्रिया का पूर्वाभास था।

उन्होंने आगे कहा, मैंने बहुत बाद तक बिल या रिची की कमेंट्री नहीं सुनी... लेकिन उस दिन की सबसे ध्यान देने योग्य बात... मैं लॉन्ग ऑन पर क्षेत्ररक्षण कर रहा था इसलिए मुझे मैदान से बाहर निकलने के लिए खिलाड़ियों के गेट तक 100 मीटर की दौड़ लगानी पड़ी, और मैं मैदान से तेज़ी से नहीं उतर सका (भीड़ के आने से पहले)।

वहां बच्चे दौड़ रहे थे, एक जवान लड़की थी... वह दौड़ रही थी और मैंने गति धीमी कर दी, लेकिन जैसे ही वह सामने दौड़ी, वह मुड़ी, मेरी आस्तीन पकड़ ली, उसे खींचा और कहा, तुमने धोखा दिया।

पूर्व कप्तान के अचानक लिए गए फैसले ने उन्हें परिणामों से जूझने पर मजबूर कर दिया। मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में माहौल गमगीन था, चैपल ने स्वीकार किया, मैंने कुछ नहीं कहा और मुझे नहीं लगता कि किसी के पास कुछ भी कहने का मौका है... मुझे एहसास हुआ कि खिलाड़ियों को शायद थोड़ी जगह की जरूरत है, और मुझे भी थोड़ी सी जगह चाहिए। जैसे ही विवाद सामने आया, मेलबर्न में संभावित टकराव से बचने के लिए चैपल ने तय समय से पहले सिडनी के लिए उड़ान भरने का विकल्प चुना। यह घटना, शुरुआत में खिलाड़ियों के बीच चुप्पी के साथ हुई, अंतत: हवाई अड्डे पर कैब की सवारी के दौरान चर्चा का विषय बन गई।

बच्चे को आत्मनिर्भर बनाती हैं कुछ बातें

हर माता-पिता की चाहत होती है कि वह उनके बच्चे को अच्छी परवरिश दें, जिससे वह आगे चलकर आत्मनिर्भर बने और खुद का और उनका ख्याल रख सकें। बच्चे को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी होता है, क्योंकि किसी पर डिपेंडेंट होना चाहे वे मानसिक हो या शारीरिक आपको विकलांग बनाती है। ऐसे में अगर चाहते हैं कि बच्चा शुरू से ही आत्मनिर्भर बने, तो उसे बचपन से ही कुछ बातें सिखाएं, जिससे आगे चलकर आपको परेशानियों को सामना न करना पड़ा। एक आत्मनिर्भर व्यक्ति अपने किसी निर्णय के लिए किसी पर निर्भर नहीं होता। वे अपना भरण-पोषण खुद करता है। अपने मेहनत के बल पर वे तरक्की पाता है। ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को किसी के सामने रखने से घबराता नहीं है। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है। बच्चे को अगर शुरुआत से ही ये सिखाया जाए तो आगे चलकर ऐसे बच्चे खूब तरक्की करते हैं। बच्चा को खुद से फैसले लेना सीखता है। उस दौरान उसे सही-गलत का चुनाव करना आता है। वह हर काम के लिए किसी पर डिपेंड होकर नहीं रहता। बच्चे को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सबसे पहले उसे अपना काम खुद से करने दें। हां, ऐसा करते समय उन पर नजर जरूर रखें। स्कूल के आने के बाद बच्चे को खुद जूते-मोजे उतारने दें और सही जगह रखने दें। ऐसे छोटे-छोटे काम उन्हें खुद करना सिखाएं। बच्चे को घर के काम में भी साथ में शामिल करें। बच्चे को डस्टिंग, किचन में हाथ बटाना बचपन से ही सिखाएं, ताकि आगे चलकर आपको हर चीज के लिए बोलना नहीं पड़े। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे का व्यवहार अच्छा हो, इसलिए हमेशा बच्चे को अच्छा व्यवहार करना सिखाएं और खुलकर अपने विचार रखने का मौका दें। बच्चा अगर बाहर खेलने जाता है, तो उसे बाहर के सोशल स्किल्स यानी कि लोगों से कैसे बात करना है, अपने विचारों को कैसे उनके सामने रखना है, इस बारे में सिखाएं। उधर सभी बच्चे अलग होते हैं और सभी का अपना अलग व्यवहार होता है। लेकिन फिर भी जानकारी के अभाव में कुछ पेरेंट्स दूसरों के बच्चों को देख कर अपने बच्चे के विकास के लिए फिक्र करने लगते हैं। लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि कुछ बच्चे सामान्य से माइलस्टोन तक भी देर से पहुंचते हैं। इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है, बस उनके विकास पर नजर रखें और कुछ भी शंका हो, तो परेशान होने की जगह अपने डॉक्टर से सलाह लें। ऐसी ही बच्चों की उम्र के अनुसार उनके कुछ सामान्य से व्यवहार को समझें, जिससे अगर आप पहली बार पैरेंट बने हैं तो बच्चे के समुचित बौद्धिक विकास को आसानी से समझ सकेंगे।

शादी के बाद आने वाले बदलावों से निपटने में मददगार साबित हो सकते हैं ये टिप्स

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। शादी के बाद सिर्फ लड़कियों की ही नहीं, बल्कि लड़कों की लाइफ में भी कई तरह के बदलाव आते हैं, जिन्हें लेकर गुस्सा, उलझन और टकराव की स्थिति भी देखने को मिलती रहती है। इससे नए रिलेशनशिप को अपनाने में काफी वक्त लग जाता है और कई बार इन चीज़ों के चलते पैदा हुई कड़वाहट भी दूर नहीं हो पाती। नए घर, परिवार में होने वाले एडजस्टमेंट्स आपके धैर्य की भी परीक्षा लेने का काम करते हैं कि ऐसी सिचुएशन को आप कैसे डील करते हैं, तो अगर आप इसे लेकर हैं एकदम क्लूलेस, तो यहां दिए गए टिप्स कर सकते हैं इसमें आपकी मदद। शादी के बाद आने वाले बदलावों से घबराने, पार्टनर से झगड़ने के बजाय उसे एक बार स्वीकार करके भी देखें। परिवर्तन जीवन का नियम है। जिन बदलावों को लेकर हम टेंशन में रहते हैं, कई बार उन्हें अपनाने के बाद आपको अच्छा भी लगता है। इमेजिन करिए आपका पार्टनर फिटनेस फ्रीक है, खाने से लेकर उसके उठने-जागने तक का रूटीन सेट है, तो ऐसी संगत में आकर हो सके पहले-पहल आपको उलझन महसूस हो, लेकिन सोचकर देखिए, तो ऐसी लाइफस्टाइल को स्वीकारने से आपको ही फायदा मिलेगा। कुछ बदलाव जिंदगी के लिए जरूरी और अच्छे होते हैं। जिन चीज़ों को लेकर आप तनाव में हैं या घबराहट हो रही है, उन्हें पार्टनर से डिस्कस करें। बातचीत करने से ही बात बनती है। ये ख्याल दिमाग से निकाल दें कि पार्टनर आपकी चुप्पी के पीछे की वजह खुद ही समझ लेगा। नए-नए रिलेशनशिप में सबसे ज्यादा टकराव आदतों को लेकर होती है, तो अगर आपको पार्टनर की कोई आदत पसंद नहीं आ रही है, तो उसे लेकर लड़ने-झगड़ने के बजाय शांति से बैठकर बातचीत कर हल निकालने की कोशिश करें। किसी मुद्दे को पकड़कर न बैठ जाएं और न ही लड़ाई-झगड़े का माहौल पैदा करें। जो चीज़ें शांति से निपटाई जा सकती हैं, उन्हें वैस ही डील करें। लड़ाई-झगड़े से बात तो बिगड़ती ही है साथ ही रिलेशनशिप में खटास भी आ जाती है। जिसे मिटाने में लंबा वक्त लग सकता है। जिदंगी में आने वाली चुनौतियों को साथ में सुलझाने की कोशिश करें। थोड़ा-थोड़ा एडजस्टमेंट दोनों तरफ से होगा, तो किसी को लाइफ में समझौता नहीं करना पड़ेगा और वक्त से साथ आपका रिलेशनशिप और मजबूत ही होगा।

सिर्फ स्वाद ही नहीं, इन पांच भारतीय मसालों में छिपा है सेहत का भी खजाना!

भारत अपने मसालों के लिए जाना जाने वाला देश है। यहां के मसालों की दुनियाभर में काफी डिमांड रहती है। इनके बिना आपकी थाली का स्वाद फीका ही रहता है। बता दें, सिर्फ स्वाद ही नहीं, ये मसाले सेहत के लिहाज से भी काफी अहमियत रखते हैं। किचन में आसानी से मिलने वाले ये मसाले भले ही आपको साधारण लगते हों, लेकिन ये आपके पाचन तंत्र के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं इनके फायदे।

हींग : एसिडिटी और खट्टी डकारों से अगर आप भी परेशान हैं, तो इसके लिए हींग का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। अपच, एसिडिटी और पेट से जुड़ी तमाम तरह की समस्याओं के लिए ये हींग मददगार साबित होती है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इलाज के लिए काफी कारगर होते हैं।

दालचीनी : आपको भी अक्सर गैस या अपच की शिकायत रहती है, तो दालचीनी को चाय या खाने में डालकर सेवन करना काफी फायदेमंद रहता है। इससे नेचुरली आपका पाचन तंत्र मजबूत होता है और खाने का स्वाद भी दोगुना हो जाता है।

अजवाइन : अजवाइन का सेवन भी पेट से जुड़ी तमाम तरह की समस्याओं के लिए फायदेमंद होता है। गैस और एसिडिटी ठीक करने के लिए ये काफी कारगर मानी जाती है। इसमें मौजूद थाइमोल तेल, गैस्ट्रिक रस छोड़ता है जिससे एसिडिटी में राहत मिलती है। हर किचन में ये आसानी से मिल जाती है।

जीरा : जीरे के बिना किसी भी छोंक का स्वाद फीका ही रहता है। भारतीय खान-पान में इसे ज्यादातर डिशेज में शामिल किया जाता है। आप इसे गैस पर सूखा भूनकर भी गर्म पानी से खा सकते हैं। वहीं, सुबह-सवेरे खाली पेट इसके सेवन से डाइजेशन बेहतर होता है।

अदरक : पाचन प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए अदरक का सेवन बेहद जरूरी माना जाता है। पेट फूलना या ब्लोटिंग जैसी तकलीफों से राहत दिलाने में भी ये काफी उपयोगी होता है। सर्दी-खांसी में भी ये एक रामबाण की तरह काम करता है।

FUEL YOUR FUTURE
PARTNER WITH INDO PETROLEUM!
APPLY NOW
TO OWN YOUR OWN PETROL PUMP
Indo Petroleum Marketing (IPM), a leading private-sector Oil Marketing Company with Ministry of Petroleum & Natural Gas approval, is expanding its footprint in Assam and West Bengal and is inviting dynamic individuals to become franchisees.
LOCATIONS: 150kms from Siliguri (West Bengal) 150kms from Numaligarh (Assam)
REQUIREMENTS: Suitable plots along NH/SH/MDR or in Municipal towns (min 120 ft x 120 ft)
APPLY ONLINE: www.indopetroleum.in
APPLICATION FEES: Rs. 1,180/-* (Non Refundable, Inclusive GST) Early Application Fee Valid till 15 Mar 24
For any Queries - info@indopetroleum.in *18% GST Applicable. T&C Apply.

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

+91 7002506581
সুমন ফাইবাৰ এণ্ড ইনটেৰিঅ'ৰ
SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon, Guwahati-781001
WHOLESALER OF :
PVC FALSE CEILING & WALL PANEL, DOOR FITTINGS, PLYWOOD, SUNMICA
POWER TOOLS, MODULAR KITCHEN & ACCESSORIES

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**